शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

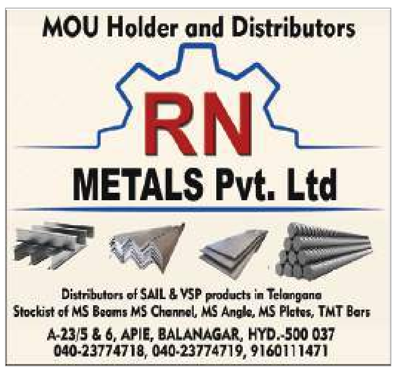

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 02 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-332

बांग्लादेश में हदें पार कर रहे कट्टरपंथी: भारत अक्षम साबित

भारत आ रही बस पर इस्लामी कट्टरपंथियों का हमला

- त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने हमले की निंदा की
- हिंदू छात्रों को तिरंगा रौंदने पर विवश कर रहे कट्टरपंथी
- इस्कॉन के एक और पुजारी श्रीश्याम दास प्रभु गिरफ्तार
- कोलकाता, त्रिपुरा में नहीं होगा बांग्लादेशियों का इलाज

ढाका, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के इस्लामी कट्टरपंथियों ने हिंदुओं और भारतीयों के खिलाफ घृणा दिखाते हुए एक बस को भी निशाना बनाया है। यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले की बिस्वा रोड से सामने आई है। बांग्लादेश के रास्ते कोलकाता से त्रिपुरा चलने वाली बस पर हमला किया गया। इस संबंध में त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने बताया कि एक अंतरराष्ट्रीय यात्री बस त्रिपुरा से कोलकाता जा रही थी। इसी बीच बिस्वा रोड पर एक किनारे पर चल रही बस को जानबूझकर निशाना बनाया गया। इस दौरान पत्थरबाजी भी हुई जिससे यात्री काफी घबरा गए। इस घटना पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा, ऐसी घटनाओं के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता और न इसे स्वीकार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री इस घटना की कड़े शब्दों में आलोचना की है।

त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने आरोप लगाया कि अगरतला से कोलकाता जा रही एक बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर घटी। राज्य मंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया पर बस की तस्वीरें साझा की। उन्होंने बताया कि इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए। त्रिपुरा से कोलकाता जा रही श्यामोली परिवहन बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया में विश्व रोड पर हमला किया गया। बस अपनी लेन में चल रही थी, तभी एक ट्रक ने जानबूझकर उसे टक्कर मार दी। इस दौरान एक ऑटो रिक्शा बस के सामने आ गया और बस एवं ऑटो रिक्शा की टक्कर हो गई। ▶10पर

कोलकाता के बाद अब त्रिपुरा में भी नहीं होगा बांग्लादेशियों को इलाज

अगरतला, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में तिरंगा का अपमान होता देख कर अब भारत में इस्लामी कट्टरपंथियों का विरोध शुरू हो गया है। पहले कोलकाता के डॉक्टरों ने निर्णय लिया कि वे बांग्लादेशियों का इलाज नहीं करेंगे और अब यही फैसला त्रिपुरा के अस्पतालों ने लिया है। अगरतला स्थित आईएलएस अस्पताल और कोलकाता के जेएन रे अस्पताल ने यह घोषणा की कि वे अब बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करेंगे। आईएलएस अस्पताल, जो कि बांग्लादेशी मरीजों के लिए एक लोकप्रिय स्वास्थ्य केंद्र रहा है, ने इस निर्णय की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने अपने हेल्प डेस्क भी बंद कर दिए हैं। अस्पताल के मुख्य परिचालन अधिकारी गौतम हजारिका ने बताया कि बांग्लादेशी में हो रही घटनाओं के बाद कुछ प्रदर्शनकारी समूह दबाव बना रहे थे कि बांग्लादेशी नागरिकों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान न की जाएं। इसी के बाद अस्पताल द्वारा यह फैसला लिया गया। ▶10पर

डीजीपी सम्मेलन में पीएम मोदी ने पुलिसिंग और सुरक्षा पर किया मंथन

अपराध के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति जरूरी : अमित शाह

भुवनेश्वर, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। ओड़ीशा में हो रहे डीजीपी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पुलिसिंग व्यवस्था और सुरक्षा चुनौतियों पर मंथन किया। सम्मेलन में मौजूद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अपराध और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय पुलिसबल अपराध और आतंकवाद से निपटने में सक्षम है, उसे और आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षणों से लैस करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओड़ीशा की राजधानी में आयोजित पुलिस महानिदेशकों, पुलिस महानिरीक्षकों (डीजीपी-आईजीपी) के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन में शनिवार को शामिल हुए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिसिंग व सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में बीते शनिवार को ओड़ीशा की राजधानी भुवनेश्वर में देश के तमाम शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ तीन दिवसीय 59वें डीजी-आईजी सम्मेलन के दूसरे दिन पुलिसिंग और राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। गृह मंत्री अमित शाह ने 29 नवंबर को सम्मेलन का उद्घाटन किया था।

भारतीय पुलिसबल अपराध और आतंकवाद से निपटने में सक्षम

बैठक में, सभी राज्यों के पुलिस बलों के प्रमुख और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां मौजूदा और उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श कर रही हैं। इन चुनौतियों में वामपंथी उग्रवाद, तटीय सुरक्षा, नारकोटिक्स, साइबर अपराध और आर्थिक सुरक्षा शामिल हैं। प्रतिनिधि अधिकारी अपने-अपने राज्यों में नए आपराधिक कानूनों और पहलों, और पुलिसिंग में सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन में प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। ▶10पर

देशभर में वक्फ बोर्ड की मनमानियों के बीच बड़ा फैसला

आंध्र प्रदेश सरकार ने वक्फ बोर्ड को भंग किया

अमरावती, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की एनडीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को भंग करने का बड़ा फैसला लिया है। राज्य के कानून और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एन. मोहम्मद फारूक ने शनिवार 30 नवंबर को इस संबंध में आदेश जारी किया। सरकार ने पुराने आदेश (जीओ-47) को रद्द करते हुए नया आदेश (जीओ-75) लागू किया है।

देशभर में वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ लोगों के विरोध के बीच आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड को भंग किए जाने के फैसले को काफी अहम माना जा रहा है। आदेश में कहा गया है कि लंबे समय से वक्फ बोर्ड के काम नहीं करने के मद्देनजर इसे भंग करने का फैसला किया गया है। वक्फ बोर्ड के सीईओ ने ही बोर्ड की कार्य शून्यता को सरकार के समक्ष रखा था।

21 अक्टूबर 2023 को शेख ख्वाजा, मुतवल्ली, विधायक हफीज खान और एमएलसी रुहुल्लाह समेत 8 लोगों को प्रदेश वक्फ बोर्ड के सदस्य के तौर पर चुना गया था। बाद में आंतरिक कलह के चलते शेख ख्वाजा और वक्फ बोर्ड के गठन के लिए

हाईकोर्ट ने बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति पर लगा रखी थी रोक

तत्कालीन सरकार के द्वारा जारी किए गए जीओ 47 की वैधता को कई रिट के माध्यम से आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव पर रोक लगा दिया। इसके साथ ही अदालत ने फैसला सुनाया था कि सदस्य का चुनाव रिट याचिकाओं के अंतिम परिणाम के अधीन होगा। याचिकाओं के लंबित रहने तक वक्फ बोर्ड अध्यक्ष के बिना ही रहा। इस प्रशासनिक शून्यता को देखते हुए सरकार ने वक्फ बोर्ड को भंग करने का फैसला किया।राज्य के कानून और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री एन. मोहम्मद फारूक ने बताया कि वक्फ बोर्ड की पिछली नियुक्तियों को लेकर पिछले साल 21 अक्टूबर को एक याचिका दाखिल की गई थी। हाईकोर्ट ने उस मामले में अंतरिम आदेश जारी कर वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। इसके चलते बोर्ड में प्रशासनिक और कानूनी अड़चनें आ रही थीं।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने वक्फ बोर्ड के कामकाज में सुधार और ▶10पर

टीपू सुल्तान पर लिखी पुस्तक के विमोचन पर जयशंकर ने कहा

गढ़ी हुई एक खास कहानी पढ़ाई और बढ़ाई गई

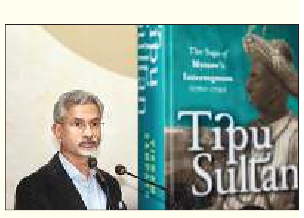

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीपू सुल्तान पर लिखी पुस्तक के विमोचन के दौरान कहा कि हमारे अतीत के बारे में बहुत कुछ छिपाया गया है। कुछ मुद्दों को कम करके बताया गया है, ताकि वे सत्ता के लिए सुविधाजनक बन सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अब हम वोट बैंक की राजनीति से मुक्त हैं, और राजनीतिक रूप से असुविधाजनक सच्चाइयों को सामने लाना गलत नहीं है। यह किताब इतिहासकार विक्रम संपत ने लिखी है।

विदेश मंत्री ने कहा कि इतिहास बहुत जटिल है। राजनीति अक्सर अपने हित वाले तथ्यों को चुनने पर ध्यान देती है, और टीपू सुल्तान के मामले में काफी हद तक ऐसा ही हुआ। विदेश मंत्री ने दावा किया कि मैसूर के पूर्व शासक के बारे में एक खास ▶10पर

संघ प्रमुख ने जनसंख्या में गिरावट पर जताई चिंता

देश में जनसंख्या का संतुलित होना जरूरी: भागवत

नागपुर, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चला जाता है तो वह समाज धीरे-धीरे पृथ्वी से लुप्त होने की कगार पर होता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्ट हो जाता है। इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्ट हो गए।

मोहन भागवत ने कहा, जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। ▶10पर

तेलंगाना के मुलुगु में सात माओवादी ढेर

शीर्ष नक्सली कमांडर बदरू उर्फ पापन्ना के भी मारे जाने का दावा

तेलंगाना से लगे नक्सल प्रभावित राज्यों में भी चल रहा ऑपरेशन

हैदराबाद, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना पुलिस ने एक मुठभेड़ में सात माओवादियों को ढेर कर दिया। यह मुठभेड़ मुलुगु जिले के एतुरागारम के जंगलों में हुई। मुलुगु के एसपी डॉ. सबारिश ने यह जानकारी दी। पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ मुलुगु जिले के एतुरंगारम मंडल के चलपाका इलाके के जंगलों में रविवार सुबह हुई। इस मुठभेड़ में येलांदु-नरसमपेट इलाके की कमेटी के कमांडर बदरू उर्फ पापन्ना के मारे जाने की खबर है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तेलंगाना पुलिस ने बताया कि तेलंगाना राज्य से लगे नक्सल प्रभावित राज्यों मसलन ओड़ीशा, झारखंड, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में सुरक्षाबलों के साथ समन्वय बना ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट का न्यायपूर्ण फैसला

आउटसोर्स कर्मियों के अनुभव को मान्यता नहीं देना गैरकानूनी

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी विभागों में आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों के कार्य अनुभव को मान्यता देने से इन्कार करना समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। सामाजिक न्याय संविधान में अंतर्निहित उद्देश्य है। यह अदालतों को निर्देश देता है कि जब भी शक्तिशाली और शक्तिहीन में संघर्ष होता है, तो वे कमजोर व गरीब वर्गों के पक्ष में झुकें।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के खंडपीठ के फैसले के खिलाफ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने एकल जज के फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें कहा गया था कि विश्वविद्यालय ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 23⁰
न्यूनतम : 22⁰

महाराष्ट्र का अनिर्णय : भाजपा नेतृत्व की असलियत

जहां-जहां किया ज्यादा चिंतन, वहां-वहां किया बंटाधार

महाराष्ट्र में भी कोई अप्रत्याशित चेहरा थोपा जा सकता है

नई दिल्ली/मुंबई, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा आलाकमान का अनिर्णय भाजपा नेतृत्व की वैचारिकी की असलियत है। यह स्थापित हो चुका है कि भाजपा नेतृत्व ने जहां-जहां ज्यादा चिंतन किया, वहां-वहां बंटाधार ही किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को बनी अनिर्णय की स्थिति यही बता रही है कि महाराष्ट्र में भी कोई अप्रत्याशित चेहरा मुख्यमंत्री के रूप में अचानक थोपा जा सकता है।

महाराष्ट्र में जबरदस्त नतीजे आने के बाद भी भाजपा अभी तक अपना मुख्यमंत्री नहीं चुन पाई है। इतना तो स्पष्ट हो चुका है कि महायुति में अब भाजपा कोटे से ही मुख्यमंत्री बनने वाला है लेकिन किस चेहरे पर मोदी-शाह मुहर लगाएंगे, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। लेकिन भाजपा का एक ट्रेंड पिछले कुछ सालों में जरूर साफ हो चुका है कि जिस भी राज्य में जरूरत से ज्यादा माथापच्ची हुई है, जिस राज्य में भाजपा को 72 घंटे से ज्यादा का वक्त लगा है, वहां पर या तो मुख्यमंत्री बदल जाता है या फिर किसी नए चेहरे को मौका मिलता है। अब महाराष्ट्र में भी भाजपा को 72 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति नहीं बन पाई है। इसी वजह से ऐसे कयास लगने लगे हैं कि कहीं देवेंद्र फडणवीस की छुट्टी तो नहीं हो जाएगी? ▶10पर

पांच दिसंबर को कौन-कौन लेगा शपथ, मंथन होगा

मुंबई, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अभी तक सीएम के चेहरे पर महायुति में सहमति नहीं बन पाई है। जबकि शपथ ग्रहण समारोह के लिए तारीख का ऐलान हो गया है। बीते दिन महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष ने इस बात की घोषणा कर दी थी कि महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर को शाम पांच बजे आजाद मैदान मुंबई में होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। इस बीच, अब महायुति में इस बात को लेकर मंथन शुरू हो गया है कि पांच दिसंबर को केवल सीएम और डिप्टी सीएम शपथ लेंगे या अन्य मंत्री भी शपथ ग्रहण करेंगे। महायुति गठबंधन के नेता सुनील तटकरे ने ▶10पर

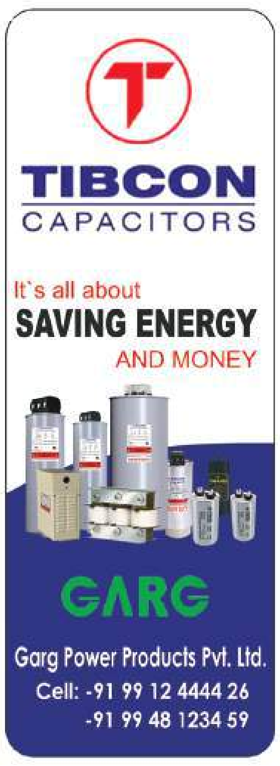

श्री गुरु गणेश सेवा समिति की एक सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डबल रोड स्थित बेंगलूरु कैफे में शनिवार शाम को श्री गुरु गणेश सेवा समिति की एक सभा आयोजित की गई। सभा का मंगलाचरण गौतमचंद ओस्तवाल ने किया। उसके बाद 51000 के दानदाता जिन्होंने समिति में गौशाला के लिए दिया, का सम्मान किया गया। अशोक नाग-ोरी ने समिति की गतिविधियां बताई और समिति का परिचय दिया। उसके पश्चात समिति के चेयरमैन गौतम चंद धारीवाल ने संचालन किया और सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। सभा में गत 17 नवंबर को साधु साध्वियों की निश्रा में महावीर धर्मशाला में आयोजित 145वीं गुरु गणेश लाल जी की जयंती की सफलता पर आभार जताया गया। महेंद्र मुणोत (सेंट्रल संघ मंत्री) व समस्त पदाधिकारियों का भी समिति द्वारा कार्यक्रम स्थल एवं विभिन्न सहयोग प्रदान करने के लिए आभार ज्ञापित किया गया। दानवीर जिन शासन सेवा रत्न रणजीत मल कानूंगा को समिति की ओर से सम्मानित किया गया। कुछ कारणवश वे सभा में पहुंच नहीं पाए इसलिए उनका यह सम्मान पत्र उनके भाई ललित कानूंगा को सौंपा गया। महेंद्र मुणोत ने सभा को उनका सम्मान पत्र पढ़कर सुनाया और समिति के प्रति अपने विचार रखे। युवा रत्न ललित कानूंगा को समिति की ओर से उनकी दान की भावना को देखते हुए उन्हें समाज गौरव से सम्मानित किया गया। उनका भी सम्मान पत्र महेंद्र मुणोत ने पढ़कर सुनाया। सभा में डॉक्टर नरपत सोलंकी, धीरेंद्र कुमार धीर, मो-क्षद्वार गौतम चंद ओस्तवाल, अशोक नागोरी, अशोक परिहार एवं अन्य का शॉल माला एवं मोमेंटो से सम्मान किया गया। सभा के पश्चात भोजन की व्यवस्था रखी गई। ललित कानूंगा और इंद्रजीत नाहर ने गौशाला हेतु दान की घोषणा की। दिलीप सुर-ाणा द्वारा अन्न दानम के लिए राशि घोषित की गई। इस मौके पर डॉ नरपत सोलंकी, इंद्रजीत नाहर (बीजेपी) मनोहर लाल लुंकड़, हस्तीमल बाफना, ललित कानूंगा, अनिल चोपड़ा, अनिल बाफना, आशीष बाफना, महावीर चंद मुथा, शांतिलाल लुणावत, अनिल पोकरणा, बातु सर, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, अध्यक्ष किरनचंद बोहरा, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, सह मंत्री महेंद्र मेहता, श्रेयांश मरलेचा, सुनील तातेड़, दिलीप सुराणा, रमेशचंद सुराणा, विजयराज चूतर, किशोर दलाल, नेमीचंद दलाल, उत्तमचंद मुथा, रत्नचंद सिंघवी, राजू आंचलिया, नरेंद्र दूदेडिया, विनोद चौरडिया, अजीत डूंगरवाल, पदमचंद चोपड़ा, मंजूनाथ राव, महावीर चंद धारीवाल, अरविंद धारीवाल, कृष चौरडिया, दर्श धारीवाल, रमेश चोपड़ा, सुनील लोढ़ा, शांतिलाल भंडारी, राजेश कातरेला, गौतम चंद ओस्तवाल, धीरेंद्र धीर, विनोद गुलेछा, प्रफुल्ल कोठारी, महेंद्र मुणोत (मार्गदर्शक) प्रकाश चंद ओस्तवाल (मार्गदर्शक), अंकित आच्छा, राकेश दलाल आदि उपस्थित थे।

व्रतों से ही जीवन की सार्थकता: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में आयोजित रविवारीय सामायिक साधना के अवसर पर डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि चातुर्मास के पश्चात साधु का विहार स्वाभाविक क्रिया है। संत का आना और जाना दोनों ही मंगल होते है। जिस प्रकार बहता पानी शुद्ध रहता है और एक जगह रुक जाये तो सड़ जाता है। उसी प्रकार संत एक जगह नहीं रुकते निरंतर विहार करते रहते है। जिससे उनका चारित्र निर्मल हुआ करता है। यदि साधु एक ही स्थान पर ठहर जाए तो उसके मन में मोह और आसक्ति के भाव पैदा होने की संभावना बन सकती है। उन्होंने कहा व्रतों का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। व्रतों से ही जीवन की सार्थकता है। प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी रूप में व्रतों का पालन करना चाहिए। साधारण व्यक्ति भी इनका पालन करके अपने जीवन का कल्याण कर सकता है। उन्होंने कहा कि सभी श्रावक श्राविका धर्मसंघ की यथा अपेक्षित सेवा में तन-मन से समर्पित रहते हुए इस धर्मसंघ को ओर अधिक तेजस्वी बनाने में अपना योगदान देते रहे। संघ को संगठित बनाये रखे। इस अवसर पर गुरुदेव की प्रेरणा से प्रति माह आयोजित अन्नदानम कार्यक्रम में द्वितीय आयोजन के लाभार्थी चेतनकुमार रेदासनी परिवार रहे। अन्नदानम आयोजन में राज-ाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल व अन्य का सहयोग रहा। गुरुवार को गुरुभगवंतों का विहार उगमराज लुणावत के निवास स्थान पर होगा। पूर्व में रुपेशमुनि ने गुर आरती की प्रस्तुति दी और अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मुनिरत्न के खिलाफ हत्या की साजिश रचने और महिला का अपमान करने का नया मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा विधायक मुनिरत्न और छह अन्य के खिलाफ एक पूर्व जेडी (एस) बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ठेकेदार और उसके पति की हत्या की योजना बनाने के आरोप में एक नया मामला दर्ज किया गया है, जिसमें अन्य अपराधों के तहत एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना और ताक-झांक करना शामिल है। बेंगलूरु पुलिस ने शनिवार को मुनिरत्न, सुनंदम्मा, वेंकटेश, लक्ष्मम्मा, जयम्मा, लता और अन्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। उन्हें इस साल 14 सितंबर को बेंगलूरु पुलिस ने बीबीएमपी ठेकेदार को कथित रूप से धमकाने के आरोप में हिरासत में लिया था। कोलार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बी निखिल के अनुसार, विधायक को कोलार पुलिस की मदद से बेंगलूरु पुलिस ने उस समय हिरासत में लिया जब वह आंध्र प्रदेश जा रहे थे। मुनिरत्न और विजय कुमार, सुधाकर, किरण कुमार, लोहित गौड़ा, मंजूनाथ और लोकी सहित छह अन्य के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 354 ए (यौन उत्पीड़न), 354 सी (चुपके से देखना), 376 (बलात्कार), 506 (आपराधिक धमकी), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। मुनिरत्न को पहले कथित उत्पीड़न और धमकी के मामलों में गिरफ्तार किया गया था और जमानत पर रिहा किया गया था। भाजपा विधायक और तीन अन्य लोगों पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ठेकेदार ने आरोप लगाया कि विधायक ने एक अनुबंध के सिलसिले में करीब 20 लाख रुपये का कमीशन मांगा और उन्होंने 1 लाख रुपये की पेशकश की, लेकिन मुनिरत्न ने पूरी रकम पर जोर दिया।

डेटिंग ऐप के जरिए ऑनलाइन धोखाधड़ी में व्यक्ति को 7.3 लाख का नुकसान

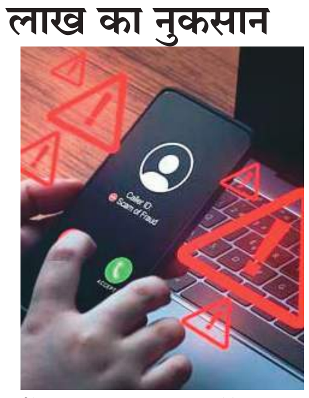

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक व्यक्ति को डेटिंग ऐप पर मिले एक अजनबी ने बहकाकर 7.3 लाख रुपये की ठगी कर ली। जानकारी के अनुसार, खुद को इरा पांडे बताने वाली एक महिला ने डेटिंग ऐप पर शिकायतकर्ता से संपर्क किया। समय के साथ, उसने उसे वैध स्प्रेडएक्स प्लेटफॉर्म जैसी दिखने वाली एक वेबसाइट के माध्यम से पैसा निवेश करने के लिए राजी किया। इरा ने शिकायतकर्ता को एक धोखाधड़ी वाला लिंक दिया जो आधिकारिक साइट की नकल करता था, और उसने चरणों में निवेश करना शुरू कर दिया। शिकायतकर्ता ने शुरू में 8.5 लाख रुपये का निवेश किया और 1.2 लाख रुपये निकालने में कामयाब रहा। हालांकि, जब उसने शेष 7.3 लाख रुपये निकालने का प्रयास किया, तो इरा ने निकासी प्रक्रिया से पहले 30 प्रतिशत कर भुगतान की मांग की। यह महसूस करते हुए कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, शिकायतकर्ता ने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय महिला मंडल के तत्वावधान में टी. दासरहल्ली तेरापंथ महिला मंडल द्वारा स्वस्थ परिवार- स्वस्थ समाज के अन्तर्गत प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि प्रेक्षा प्रशिक्षक ट्रेनर शिल्पी भंडारी की उपस्थिति रही। मंडल की बहनों द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ। तत्पश्चात प्रेक्षा गीत का सामूहिक संगान किया गया। शिल्पी भंडारी ने प्रेक्षाध्यान के विषय में विस्तार से अर्थ के साथ उसका इतिहास बताया। 13 केंद्र की जानकारी देकर नमस्कार मुद्रा केंद्र पर करवाया गया। दीर्घ श्वास प्रेक्षा, कायोत्सर्ग और उसके साथ अनुप्रेक्षा करना सिखाया। निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर ने भी अपनी भावाभिव्यक्ति दी। मंत्री नम्रता पितलिया ने कुशल संचालन किया। इस कार्यशाला में उपाध्यक्ष संगीता बोहरा, संगठन मंत्री सरोज मारू, मंडल संयोजिका सुनीता बोहरा, कार्यकारिणी सदस्य विमला पितलिया, सुनीता भटेवरा, रेखा बोहरा, कंचन बाई मारू एवं अन्य समाज की महिलाएं भी मौजूद थी।

मातृ मृत्यु के आंकड़े छिपा रही राज्य सरकार: करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार पर बल्लारी जिले में मातृ मृत्यु के वास्तविक आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया। इस दौरान करंदलाजे ने कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की। केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने कहा कि केवल एक सप्ताह में बल्लारी जिला अस्पताल में चार महिलाओं की मौत हो गई। विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बल्लारी (वीआईएमएस) में एक और महिला की जान चली गई। केंद्रीय मंत्री ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया सरकार आंकड़े छिपा रही है। उन्होंने कहा कि सीजेरियन ऑपरेशन के बाद जो ग्लूकोज दिया गया, वह नकली था और उस पर प्रतिबंध लगा हुआ था। इसके बावजूद वह ग्लूकोज दिया गया, जिसके कारण महिलाओं की मौत हुई। इसकी तुरंत जांच होनी चाहिए और मंत्री राव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। राज्य स्वास्थ्य मंत्री राव ने पहले दिन कहा था कि इस चिंता के बीच कि बल्लारी जिले में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु को घटिया रिंगर लैक्टेट समाधान से जोड़ा जा सकता है, एहतियात के तौर पर सभी सरकारी अस्पतालों में इसका उपयोग निलंबित कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने पूछा कि केवल तीन-चार जिलों में लगभग 30 महिलाओं और 111 बच्चों की मौत हुई है, तो पूरे राज्य में कितनी मौतें हुई होंगी? स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सीजेरियन ऑपरेशन के बाद 9 से 11 नवंबर के बीच बल्लारी जिला अस्पताल में मातृ मृत्यु में अचानक वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस अवधि के दौरान की गई 34 सीजेरियन प्रक्रियाओं में से, सात रोगियों को जटिलताओं का अनुभव हुआ, जिसमें गंभीर गुर्दे की चोट के कारण डायलिसिस की आवश्यकता और बहु-अंग की शिथिलता शामिल थी। प्रभावित मरीजों में से चार की मौत हो गई, जबकि दो को छुट्टी दे दी गई और एक का वर्तमान में बल्लारी के वीआईएमएस में इलाज चल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। वह भी छिपाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हर अस्पताल में समस्याएं हैं, भ्रष्टाचार है, कर्मचारियों की कमी है और दवाएं नहीं हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार को निर्दयी और क्रूर बताया और पूछा कि पश्चिम बंगा फार्मास्युटिकल लिमिटेड किसकी है। उससे दवाएं क्यों खरीदी जा रही थीं? किसको इनकी आपूर्ति की गई थी। कितने जिलों को ये दवाएं आपूर्ति की गईं और प्रत्येक जिले में कितनी मौतें हुई हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को महिलाओं और बच्चों की मौत की सही संख्या छिपाने का निर्देश दिया गया है।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में एक कार के पेड़ से टकराने से हुई दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वे बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के अनंतपुर से होते हुए बल्लारी लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे जिले में एक कार के पेड़ से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सुबह 4 बजे चालक ने कार पर से नियंत्रण खो दिया और कार पेड़ से टकरा गई। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

वृद्धाश्रम में सेवा कार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थानी मित्र मंडल विजयनगर द्वारा मानव सेवा कार्य के अंतर्गत रविवार को विजयनगर स्थित श्री महालक्ष्मी ओल्ड ऐज होम में अल्पाहार की व्यवस्था की गई। अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी वृद्ध आश्रम के सदस्यों की कुशलक्षेम पूछते हुए उनके स्वस्थ जीवन के प्रति ने मंगलकामना की। सेवा कार्य के सहयोगी सेजल, कैलाश, प्रकाश गांधी परिवार रहे। मंडल की ओर से मंत्री कैलाश बोहरा व महिला मंडल से दीपिका मांडोत की उपस्तित रही। संयोजक पारस मेहता ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

साध्वी के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने होसपेट में विराजित पूज्य साध्वी सूर्यप्रभा श्री जी की सुशिष्या श्री हर्षपूर्णा जी के दर्शन वन्दन किए और उनकी निश्रा में आराधना भवन में आयोजित पार्श्व पद्मावती महापूजन में भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति प्रदान की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि दादावाड़ी ट्रस्ट बेंगलूरु के अध्यक्ष ने नित्य पाठ नामक पु-स्तिका का विमोचन भी किया। साथ में होस्पेट से समाज रत्न बाबूलाल पालरेचा, दीपचंद तातेड़, महेन्द्र पालरेचा आदि कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

बीबीएमपी में रिकॉर्ड संपत्ति कर संग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीबीएमपी ने इस बार संपत्ति कर वसूल कर इतिहास रचा है। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि बीबीएमपी में शनिवार तक 4284 करोड़ रुपये का संपत्ति कर एकत्र किया गया है। बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने कहा कि मार्च महीने तक संपत्ति कर संग्रह की अनुमति है और उस समय तक कर संग्रह के लिए 5200 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है। संपत्ति कर संग्रह के साथ, बीबीएमपी शहर के सभी नागरिकों को ई-खाता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यदि कोई दस्तावेज हो तो यतनाल तत्काल करें जारी

किसी को भी भाजपा कार्यकर्ताओं को अपमानित करने का काम नहीं करना चाहिए: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने पुरजोर अनुरोध किया है कि किसी को भी भाजपा कार्यकर्ताओं को अपमानित करने का काम नहीं करना चाहिए। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह पूर्व केंद्रीय मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल से अनुरोध करेंगे कि मेरे खिलाफ कोई भी दस्ता-वेज बिना एक पल की देरी के जारी करें। किसी को भी मीडिया के सामने पार्टी का अनादर करने वाली बात नहीं करनी चाहिए। हमारा व्यवहार एवं वक्तव्य संगठन के पूरक होने चाहिए न कि संगठन को परेशान करने वाले कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी और को ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा विजयेंद्र को बदलने की कोशिश करने दीजिए। आइए अधिक से अधिक लोगों को शामिल करें। उस पर कोई आपत्ति नहीं। राज्य में संगठन को किस दिशा में जाना है, इसे लेकर पार्टी नेता स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा कि उनके आसपास के लोग विजयेंद्र को लेकर दुखी नहीं हैं। विजयेंद्र ने कहा कि पिछले 3-4 महीनों में हम सत्ताधारी पार्टी को बांधने में कामयाब हुए हैं। हमने वाल्मीकि निगम घोटाला, मुडा घोटाला के खिलाफ लड़ाई में मुख्यमंत्रियों को बांधने का काम सफलतापूर्वक किया है। प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार को भ्रष्ट बता रही है। इस बीच, हमारे कुछ नेता निजी हित को ध्यान में रखते हुए राज्य को देखने वाले कद्दावर नेता, किसान नेता येदियुरप्पा के बारे में खुलकर

बात कर रहे हैं। कुछ अन्य लोग यतनाल के कंधे पर बंदूक रखकर गोली मारने की कोशिश कर रहे हैं। यह पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं है। उपचुनाव के नतीजों के बाद राज्य के कार्यकर्ताओं को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात को समझना होगा और एकजुट होकर सत्ता पक्ष का मुकाबला करना होगा। कांग्रेस पार्टी ने 3 उपचुनाव जीते। वक्फ को लेकर फ्रीडम पार्क में पूर्व में हुई लड़ाई में विश्व ओक्कालिगारा महासंस्थान मठ के परमपूज्य चन्द्रशेखरनाथ महास्वामीजी द्वारा बोले गए कुछ मुद्दों को लेकर राज्य सरकार ने एफआईआर दर्ज कराई है। स्वामी जी ने माफी भी मांगी है। उस संघर्ष और बैठक में मैंने भी हिस्सा लिया था। उनके बयान को गंभीरता से लेना और स्वामीजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना निश्चित रूप से सही नहीं है। स्वामी जी के कथन की पृष्ठभूमि भी समझनी चाहिए। राज्य सरकार न सिर्फ विपक्ष के खिलाफ बल्कि इस सरकार के खिलाफ बोलने वालों, धार्मिक लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कर परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि यह इस सरकार के लिए अच्छा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि शनिवार को एक पत्रकार ने मुझसे पूछा कि वह अनुभव की कमी की बात करते हैं। मैं इस बात से सहमत हूं कि मेरे पास उनके जितना अनुभव नहीं हो सकता। लेकिन मेरी मंशा सही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में इच्छा है कि जो लोग सड़क पर उतरकर पार्टी संगठन में बाधा डाल रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मेरे नेतृत्व को बदलाव की अपील नहीं करनी चाहिए। लेकिन अपील कहाँ और किसके समक्ष की जानी चाहिए यह पता होना चाहिए? मेरा उद्देश्य पार्टी का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करना है। प्रदेश में संगठन का पर्व चल रहा है। 75 लाख से अधिक सदस्य पंजीकृत हैं। बूथ समिति द्वारा सक्रिय सदस्यों के पंजीकरण की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में मैंने पार्टी नेताओं से मुलाकात की है। मैंने 3 विधानसभा क्षेत्रों के उप-चुनावों में असफलताओं के बारे में चर्चा की है। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की।

2 दिसंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा

इससे पहले कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी की मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग को लेकर कर्नाटक में राजनीतिक माहौल गरमा गया है, वहीं कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को वोक्कालिगा संत को समन जारी कर 2 दिसंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। गुरु को समन ऐसे समय में भेजा गया है जब भाजपा ने चेतावनी दी है कि अगर शक्तिशाली वोक्कालिगा संत को मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग करने वाले उनके बयान के लिए परेशान किया गया तो उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। गुरु के खिलाफ पहले एफआईआर दर्ज करने वाली उपरपेट पुलिस ने उन्हें 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे पेश होने को कहा है। इस कदम से भाजपा और राज्य की कांग्रेस सरकार के बीच विवाद और टकराव की संभावना है। कर्नाटक पुलिस ने भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग करने वाली उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए शुक्रवार को स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, इस संबंध में सैयद अब्बास नामक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई पुलिस शिकायत पर। स्वामी विश्व वोक्कालिगरा महासंघ मठ के प्रमुख हैं और यह बयान मंगलवार को बेंगलूरु में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में दिया गया, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा एक किसान संगठन है, जिसका उद्देश्य किसानों को वक्फ बोर्ड द्वारा दिए गए नोटिस की निंदा करना है। स्वामी ने कहा राजनेता वोट बैंक की राजनीति और मुसलमानों के तुष्टीकरण में लिप्त हैं। इसलिए, मुसलमानों को उनके मतदान के अधिकार का प्रयोग करने से वंचित किया जाना चाहिए।

पंचमसाली लिंगायत संत का दावा

सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार समुदाय के नेताओं को धमका रही है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कुडलसंगम पंचमसाली पीठ के महंत बसवराज जय मृत्युंजय स्वामी ने आरोप लगाया है कि आरक्षण के लिए आंदोलन को दबाने के लिए कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा समुदाय के नेताओं को धमकाया जा रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए महंत ने चेतावनी दी कि अगर कुछ भी गलत हुआ तो राज्य में रक्त क्रांति होगी। उन्होंने कहा पंचमसाली लिंगायत समुदाय के लिए 2ए श्रेणी के लिए आंदोलन की पृष्ठभूमि में, हमें सीएम सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार के तहत धमकाया जा रहा है। चार दिनों से तालुक इकाई अध्यक्षों और जिला अध्यक्षों को धमकाया जा रहा है। अगर कुछ भी गलत हुआ, तो खूनी क्रांति होने वाली है। उन्होंने कहा हमने पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान आंदोलन किया था। हमने बोम्मई के आवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया था। हमारे खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

लेकिन, सीएम सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार के तहत हमें धमकाया जा रहा है। संत ने आगे कहा कि अगर इन धमकी भरे कॉल में कांग्रेस विधायकों की संलिप्तता पाई जाती है, तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस सरकार को लोगों की भावनाओं के साथ नहीं खेलना चाहिए। जब भाजपा की सरकार थी, तो वे हमारे पास आते थे और सीएम हमसे मिलने आते थे। हालांकि, अब हमें विधायकों और सीएम के पास जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। हमने कांग्रेस पार्टी के समुदाय के विधायकों को न बुलाने का फैसला किया है क्योंकि यह उनके लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा पिछली भाजपा सरकार ने उचित तरीके से आरक्षण कोटा नहीं दिया। वर्तमान सरकार ने कुछ नहीं किया। सीएम सिद्धरामैया ने शिष्टाचार के लिए भी हमसे बात नहीं की। इससे पहले, भाजपा सरकार के तहत सीएम ने हमसे दो घंटे तक बात की थी। लेकिन उन्होंने कोटा देने के लिए प्रतिबद्धता नहीं दिखाई। सीएम सिद्धरामैया और डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने मिलने का समय भी नहीं दिया। अब हम सुवर्ण विधान सौधा की घेराबंदी करने के लिए तैयार हैं। मैं समुदाय के सदस्यों से अपील करता हूं कि वे किसी भी बयान से विचलित न हों। उन्होंने कहा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी को आंदोलन में हिस्सा लेना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या उनकी राजनीति में प्रवेश करने की योजना है, संत ने कहा कि उन्हें राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं राजा नहीं बनूंगा, मैं राजा बनाने वाला बनूंगा। संत बसवराज जय मृत्युंजय स्वामी ने पहले चेतावनी दी थी कि वे 5,000 ट्रैक्टरों के साथ कर्नाटक विधानसभा की घेराबंदी करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने पंचमसाली लिंगायतों को आरक्षण प्रदान करने की मांग पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने पर नाखुशी भी जताई।

सरकार ने सरकारी वकीलों की भर्ती में एससी/एसटी के लिए आरक्षण का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने सरकारी वकीलों की नियुक्ति करते समय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के वकीलों के लिए कुल 24 प्रतिशत आरक्षण देने का आदेश दिया है। समाज कल्याण विभाग ने अनुसूचित जाति के अधिवक्ताओं के लिए 17 प्रतिशत आरक्षण और अनुसूचित जनजाति के अधिवक्ताओं के लिए 7 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश समाज कल्याण विभाग के आयुक्त द्वारा सरकारी वकीलों की नियुक्ति करते समय एससी/एसटी वकीलों के लिए कुल 24 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रस्तुत प्रस्ताव की पृष्ठभूमि में जारी किया गया है।

संक्रांति के बाद पार्टी को करेंगे मजबूत: कुमारस्वामी

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि वह अगली संक्रांति से पार्टी संगठन को गति देंगे। चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के जेडीएस कार्यकर्ताओं की धन्यवाद बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी को राज्य में पार्टी को और मजबूत बनानी चाहिए। चूंकि मैं केंद्र में मंत्री हूं, इसलिए अब पार्टी संगठन की जिम्मेदारी निखिल पर है। इस क्षेत्र की जनता ने पार्टी को 87 हजार वोट दिये हैं। कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी। हम अगले आम चुनाव में कांग्रेस को करारा जवाब देंगे। हमारी पार्टी के विधायकों और पूर्व विधायकों ने स्मार्ट चुनाव किया है। उन्हें भविष्य में इस पार्टी को सत्ता में लाने का

भरोसा है। उन्होंने कहा कि निखिल के नेतृत्व में हम पूरे राज्य में पार्टी को संगठित करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को छोड़ दिया जाए तो एक तरफ उनके पाले हुए प्रशंसक हैं, तो दूसरी तरफ भगवान की कृपा है। वे हमें टूरिंग टॉकीज कहते हैं। उन्होंने कहा कि किन्हीं दो जिलों में खड़े होने और जीतने की ताकत सिर्फ जेडीएस में है। इस उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी ने कैसा ड्रामा किया है? अगले आम चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता आज भी देवेगौड़ा और कुमारस्वामी से डरते हैं। मैं उन लोगों को जवाब दूंगा जिन्होंने कहा कि मैंने जेडीएस को रामनगर से खाली कर दिया है। अगले चुनाव में, जद (एस) रामनगर जिले की चार में से चार सीटें जीतेगी। इतनी आसानी से जिले से खाली नहीं किया जा सकता। मेरी, निखिल की राजनीति यहीं शुरू होती है और यहीं खत्म होती है। मंत्री ने कसम खाई कि अगले चुनाव में उसी चन्नपट्टना में 25 हजार लीड आएंगे।

केंगल हनुमंतैया को दी श्रद्धांजलि

आजादी के बाद दूसरे मुख्यमंत्री रहे केंगल हनुमंतैया का प्रशासन हर जगह अनुकरणीय: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि चंद्रशेखर स्वामीजी के खिलाफ दर्ज मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अन्यथा कानूनी दायरे में अनुमति मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। विधान सौधा में केंगल हनुमंतैया की प्रतिमा पर माला चढ़ाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा एचडी कुमारस्वामी मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं। मैंने जेडीएस पार्टी नहीं छोड़ी। मुझे पार्टी से निकाल दिया गया। उन्होंने कहा कि अब हासन में सम्मेलन आयोजित करने का उद्देश्य पूरे राज्य की जनता का आभार व्यक्त करना है। कांग्रेस पार्टी और स्वाभिमानी संगठन संयुक्ताश्रय में कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी सम्मेलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। जब मुझे पहले जेडीएस पार्टी से निकाला गया तो मुझे क्या करना चाहिए था? विरोध करने के लिए अहिन्दा को संगठित होना पड़ा। हम ही लोग हैं जिन्होंने धर्मनिरपेक्ष जनता दल पार्टी का गठन किया। अब सांप्रदायिकतावादियों से जुड़ने के बाद क्या जेडीएस धर्मनिरपेक्ष रह गई है? सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता को संविधान में शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की राय थी कि संविधान में धर्मनिरपेक्षता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जेडीएस में अब कुछ नहीं बचा है। जब जेडीएस पार्टी बनी तो कुमारस्वामी वहां नहीं थे। इसलिए उन्हें इसकी पृष्ठभूमि नहीं पता। मैंने, देवेगौड़ा, सतीश जारकीहोली, एचसी महादेवप्पा, सीएम इब्राहिम, वेंकटेश, लक्ष्मी सागर ने पार्टी बनाई। उन्होंने बताया कि देवेगौड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और मैं प्रदेश अध्यक्ष था। आजादी के बाद दूसरे मुख्यमंत्री रहे केंगल हनुमंतैया का प्रशासन हर जगह अनुकरणीय और आदर्श था। आज उनके पुण्यतिथि का दिन है। जब से मैं मुख्यमंत्री बना हूं तब से उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करता आ रहा हूं। केंगल हनुमंतय्या एक कुशल शासक थे। सुभिक्षा ने मुख्यमंत्री और केन्द्र में मंत्री पद पर शासन किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधान सौधा का निर्माण किया और लिखा कि सरकार का काम भगवान का काम है। यह मानते हुए कि सभी कन्नड़ भाषियों को एक प्रशासनिक प्रणाली में होना चाहिए, उन्होंने एकीकरण के लिए अथक प्रयास किया। नेहरू के साथ अच्छे संबंध बनाने के लिए जब नेहरू प्रधानमंत्री थे तब केंगल हनुमंतैया ने मुख्यमंत्री के रूप में काम किया और देश और देश के विकास के लिए मिलकर काम किया। उन्होंने कहा कि हम उनके बताये रास्ते पर चलेंगे।

फरवरी तक तालुक, जिला पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की तैयारी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अगले फरवरी तक तालुक पंचायत, जिला पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है। केपीसीसी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल की कैबिनेट बैठक में इस मामले पर चर्चा हुई थी। मतदाता सूची भी तैयार की जा रही है। चुनाव रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि फरवरी में मतदान की संभावना है। कैबिनेट पुनर्गठन की कोई चर्चा नहीं है। इसकी कोई जरूरत नहीं है। कैबिनेट में केवल एक ही रिक्ति है। बेलगावी सत्र के बाद इसके

भरने के बारे में चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मंत्रीमंडल का कोई पुनर्गठन नहीं होगा। राज्य सरकार के मंत्रियों के कामकाज पर नजर रखने के लिए हाईकमान के पास अपना सिस्टम है। उन्होंने कहा मुझे इस पर रिपोर्ट करने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास बहुत पुराना है। हमारी सरकार द्वारा लागू की गई गारंटी योजनाओं को काफी सराहा गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बधाई देने के लिए संगठन आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रोत्साहित करने और समर्थन देने के लिए कांग्रेस पार्टी के बैनर तले एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के पीछे राजनीतिक मकसद स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनाव की तैयारी स्वाभाविक है। जब कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान आदि चुंचनगिरी महासंस्थान के अध्यक्ष रहे श्री बालगंगाधरनाथ स्वामीजी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, तो निर्मलानंदनाथ स्वामीजी का फोन टैप होने पर न तो भाजपा के आर.अशोक और न ही अन्य नेताओं ने आवाज उठाई। इस मामले पर सीबीआई की रिपोर्ट आई है। अब भाजपा इस बात पर राजनीति कर रही है कि विश्व ओक्कलिगा महा संस्थान मठ के श्री कुमार चन्द्रशेखरनाथ स्वामीजी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आर.अशोक बीड़ी में आग लगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने ऐसी राजनीति छोड़ने की मांग की। कृपया कोई भी स्वामीजी संविधान और अधिकारों के बारे में बात न करें। उन्होंने कहा कि वह अनुरोध करेंगे कि जातियों के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए। कानून से बड़ा कोई नहीं है। पिछली भाजपा सरकार में केपीसीसी कार्यालय में रहे लड़कों पर भी मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का सम्मेलन हासन में आयोजित करने की योजना है और केपीसीसी कार्यालय में बैठक में इस संबंध में चर्चा की गई। कांग्रेस पार्टी का एक बड़ा इतिहास है, लोग हमारे लोगों के कार्यक्रमों की सराहना करते हैं। चन्नपट्टना, शिग्गांव और संदूर निर्वाचन क्षेत्रों के उपचुनाव में लोगों ने हमारी पार्टी को जीत दिलाई है। लोग हमारे कार्यक्रमों का समर्थन करने और उन्हें बधाई देने के लिए आगे आए हैं। इसलिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण है। हमें हर जगह इस सम्मेलन का आयोजन करने और अपनी गारंटी के बारे में जानकारी देने की जरूरत है। इसके अलावा, महात्मा गांधी के नेतृत्व में बेल-गावी कांग्रेस अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के मद्देनजर, हमने शताब्दी समारोह की भी योजना बनाई है। इसलिए सोमवार को एक और बैठक में इस बारे में चर्चा होगी।

फेंगल तूफान का असर

राज्य भर में अलगे तीन दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात फेंगल के प्रभाव के कारण राज्य में बादल छाए हुए हैं और शनिवार से शुरू हुई बारिश के अगले तीन दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एस.पाटिल ने कहा कि तूफान के प्रभाव के कारण दिन में भी ठंडी मेलई हवा और बारिश की बौछारें बढ़ गई हैं। राजधानी बेंगलूरु सहित दक्षिणी अंतर्देशीय और तटीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। तूफान पुद्दुचेरी, कड्डलुर, तमिलनाडु के पास स्थित था, जिससे राज्य के दक्षिणी अंदरूनी इलाकों में तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होगी। तट के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। उन्होंने कहा कि उत्तरी अंदरूनी हिस्सों में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश की उम्मीद है। चामराजनगर, मांड्या, मैसूरु, कोडागु, हासन, चिक्कबल्लापुर, शिवमोग्गा, कोलार, जिसमें दक्षिणी अंतर्देशीय और तटीय जिले शामिल हैं, में अलर्ट घोषित किया गया है। सोमवार को इस क्षेत्र में भारी बारिश की आशंका है। तूफान के कारण तमिलनाडु के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन इसका सीधा असर राज्य पर उतना नहीं पड़ रहा है। कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। छिटपुट बारिश जारी रहेगी।

वीडियो जारी कर सांसद पप्पू यादव को एक बार फिर दी धमकी

लॉरेंस से माफी मांगने की मांग

पटना/एजेंसियां।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को इस बार खुलेआम धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने वीडियो जारी कर पांच से छह दिनों में सांसद की हत्या का दावा किया है। वीडियो जारी कर युवक ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव का कत्ल अगले पांच से छह दिनों में करने जा रहा है। वीडियो व्हाट्सएप नंबर (7480840395) से सांसद को भेजा गया है। इसमें धमकी देने वाले ने कहा है कि पप्पू यादव को मारने को ऑर्डर मिला है। हम लोग बहुत जल्द पप्पू यादव की हत्या कर देंगे। हम लोग पटना पहुंच चुके हैं। धमकी देने वाले ने यह भी कहा कि अगर सांसद पप्पू यादव लॉरेंस बिश्नोई से मांफी मांग लेते हैं तो हमलोग उन्हें छोड़ देंगे। बार-बार बोला जा रहा है कि माफी मांग लीजिए। अगर माफी मांग लेंगे तो हमलोग पटना से वापस चले जाएंगे। इससे पहले शुक्रवार को भी उन्हें आखिरी 24 घंटे तक मजा करने की महौलत दी थी। धमकी में लिखा गया था कि 'आखिरी 24 घंटे हैं पप्पू यादव तेरे पास। एक धमाके का वीडियो भी व्हाट्सऐप पर पप्पू यादव को भेजा गया था। इसके बाद धमकी देने वाले ने पप्पू यादव को लिखा था कि गार्ड भी तुम्हें नहीं बचा पाएंगे। इतना ही नहीं धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए सात सेकेंड का धमाके से जुड़ा एक वीडियो भी सांसद के मोबाइल नंबर पर भेजा था। इस मैसेज के बाद से पूर्णिया में सांसद के आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पप्पू यादव फिलहाल पूर्णिया में ही हैं। सिक्योरिटी मशीन से चेकिंग के बाद ही किसी को भी अंदर जाने की अनुमति दी जा रही है। इधर, धमकी मिलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मैं धमकियों के बावजूद लोगों से मिल रहा हूं। मैं देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए हर बार मरने को तैयार हूं। देश को बांटने वाली ताकतों से बचाने के मैं किसी भी कीमत पर नहीं डरने वाला। मैं लड़ने और मरने वाला हूं।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

बेगूसराय/एजेंसियां।

जिले के साहेबपुर कमाल थानाक्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। जीरो माइल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान धीरज कुमार के रूप में हुई है।

वह साहेबपुर कमाल थानाक्षेत्र के शालिग्राम वार्ड-7 के निवासी था। धीरज खगड़िया से काम खत्म कर टेंपो से अपने गांव लौट रहा था। जीरो माइल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि धीरज की मौके पर ही मौत हो गई। टेंपो में सवार अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्प-ताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। धीरज की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही साहेबपुर कमाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिर शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में हादसे का कारण ट्रक की तेज रफ्तार बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन की मांग की है। वे आए दिन हो रहे सड़क हादसों के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में पत्नी के भाई की शादी में शामिल होने आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक का शव घर से कुछ दूरी पर पेड़ से लटका मिला। घटना कुढ़नी थानाक्षेत्र के बाजितपुर गांव की है। मृतक की पहचान उमेश पासवान (29) के रूप में हुई है, जो पूर्वी चंपारण के राजेपुर, बखरी का निवासी था। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए मृतक की पत्नी पर साजिश का संदेह जताया है। परिजनों के अनुसार, उमेश अपने साले की शादी में शामिल होने के लिए 25 नवंबर को ससुराल आया था। शादी की रस्मों के बाद वह ससुराल में ही रुक गया। देर रात स्थानीय पुलिस ने फोन कर उमेश की मौत की सूचना दी। उसका शव घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर पेड़ से लटका हुआ पाया गया।

परिजनों ने बताया कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद ससुराल वालों ने कोई सूचना नहीं दी, जिससे उनका संदेह और बढ़ गया। मृतक के पिता ने बताया कि उमेश और उसकी पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। उनका आरोप है कि इन झगड़ों के कारण ही उनकी बहू ने साजिश रचकर उमेश की हत्या करवाई है। पिता का कहना है कि पुलिस से मिली सूचना से पहले ससुराल वालों ने परिवार को कुछ नहीं बताया। परिजनों ने कहा कि उमेश की शादी को 10 साल हो चुके हैं और उसके तीन छोटे बच्चे हैं। बेटे की मौत से हमारा पूरा परिवार टूट गया है।

कुढ़नी थाना प्रभारी रवि प्रकाश ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। उन्होंने बताया कि शव पेड़ से लटका हुआ मिला था। शुरुआती जांच में पता चला है कि मृतक अपनी पत्नी की विदाई न होने से नाराज था। इस कारण उसने आत्महत्या की हो सकती है। एसएचओ ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

दर्दनाक हादसे में दो बहनों समेत चार बच्चियों की मौत

बक्सर/एजेंसियां।

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सरेंजा गांव में रविवार को हृदय विदारक घटना देखने को मिला। जहां खेल रहे बच्चियों पर भरभरा कर मिट्टी का टीला गिर गया।

इसमें चार बच्चियों की मौत हो गयी। वहीं एक लड़की गंभीर रूप से जख्मी है, जिसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सरेंजा गांव स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय के पास पुराने मिट्टी के टीला था, जिसके नीचे पांच बच्चियां मिट्टी काट रही थी। इसी दौरान टीला भरभरा कर गिर गया। इसमें दबकर चार बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। वहां मौजूद अन्य बच्चियों द्वारा हल्ला किया गया तो आसपास के लो-गों ने पहुंच कर मलबा हटाकर सभी को बाहर निकाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां 4 बच्चियों की मौत को पुष्टि कर दी गई। वहीं एक बच्ची का इलाज चल रहा है। मौके पर राजपुर थाना पहुंच घटना की जांच में जुट गयी है। वहीं जिला प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

बताया गया की मिट्टी का टीला बहुत पुराना था, जिसके नीचे लागातार मिट्टी खुदाई करने से वह खतरनाक हो गया था। आज भी 5 बच्चियां मिट्टी लाने के लिए गई थी। मृत बच्चियों में 2 सगी बहनें थी।

परिजनों से मिली जानकारी अनुसार मृत बच्चियों में नयनतारा कुमारी 11 वर्ष, शालिनी कुमारी 8, पिता श्याम नारायण गांव सरेजा, शिवानी कुमारी, 6 पिता रमेश राम, संजू कुमारी 11 पिता टिंकू राम बताया जा रहा है। वहीं घायल बच्ची करिश्मा पिता रामचंद्र 10 वर्ष घायल है। ग्रामीणों के अनुसार बच्चियां में घर की सफाई और लिपाई पुताई के लिए मिट्टी लेने गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि चौसा बीडीओ और सीओ से वार्ता हुयी है। मामले की जांच चल रही है। प्रशासनिक प्रावधान के अनुसार परिजनों को मुआवजा दिया जायेगा।

सरकारी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत पर हंगामा

पूर्णिया/एजेंसियां।

जिले में सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा और बच्चा दोनों की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। मृतका की पहचान रंगपुरा निवासी आफताब आलम की पत्नी रोजी खातून (30) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से कटिहार की रहने वाली थी।

इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरातफरी मच गई। रोजी खातून के परिजनों ने डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि रोजी को शुक्रवार को प्रसव पीड़ा के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पूरी रात दर्द से तड़पने के बावजूद उसे समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिली। परिजनों के अनुसार, देर दोपहर ऑपरेशन के लिए उसे ले जाया गया, लेकिन ऑपरेशन के तुरंत बाद डॉक्टरों ने जच्चा-बच्चा की मौत की सूचना दे दी। परिजनों का आरोप है कि रोजी और बच्चा दोनों स्वस्थ थे और मौत का कारण डॉक्टरों की लापरवाही है। जच्चा-बच्चा की मौत की खबर सुनते ही गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के प्रसूति वार्ड और ओपीडी के बाहर जमकर हंगामा किया।

स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल प्रशासन ने सुरक्षा के लिए दर्जनों गार्ड बुलाए और लेबर रूम का मुख्य द्वार बंद कर दिया। लगभग एक घंटे तक हंगामे के बाद गार्डों और प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजनों को शांत कराया। हंगामे के बाद भी परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और शव को अपने साथ ले गए।

इस दौरान परिजनों में गहरा आक्रोश और शोक का माहौल था। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संजय कुमार ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि मरीज की स्थिति पहले से ही गंभीर थी। डॉक्टरों ने जच्चा और बच्चा दोनों को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन स्थिति को नियंत्रण में लाना संभव नहीं हो सका।

घटना के बाद मृतका के परिजन और स्थानीय लोग जांच की मांग कर रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में प्रसव से संबंधित सुविधाओं और देखभाल में घोर लापरवाही बरती गई। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

पैक्स अध्यक्ष पर हमले के बाद सुरक्षा की मांग तेज

पटना/एजेंसियां।

बिहारशरीफ के मेघी नगमा पंचायत में हाल ही में हुए पैक्स चुनाव में विजयी पैक्स अध्यक्ष शिवचरण प्रसाद पर हुए जानलेवा हमले ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिला अध्यक्ष सोनू कुशवाहा ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए पीड़ित परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक, पैक्स अध्यक्ष शिवचरण प्रसाद को जीत के कुछ ही घंटों बाद बुधवार रात बदमाशों ने गोली मार दी। गोली उनके पैर में लगी और उनका इलाज पावापुरी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इस घटना के बाद दीपनगर निवासी राजद नेता विजय गोप सहित छह नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। विजय गोप को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता सोनू कुशवाहा ने आरोप लगाया कि घटना के पीछे राजद नेताओं की साजिश है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिवचरण प्रसाद और उनके परिवार को सुरक्षा देने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि दबंगों द्वारा केस वापस लेने की धमकी दी जा रही है, जिससे परिवार खौफ के साए में जी रहा है। उन्होंने प्रशासन से स्पीडी ट्रायल के जरिए आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग की, ताकि क्षेत्र में भय का माहौल खत्म हो। इस घटना ने कुशवाहा समाज में भी आक्रोश पैदा कर दिया है। सोनू कुशवाहा ने राजद नेता आलोक मेहता और अभय कुशवाहा से हस्तक्षेप करने और पीड़ित को न्याय दिलाने की अपील की है।

दूसरी ओर, विजय गोप की भाभी गीता देवी ने दावा किया कि शिवचरण प्रसाद और उनके समर्थकों ने उनके घर के पास हर्ष फायरिंग की थी। इसी दौरान मची अफरा-तफरी में शिवचरण प्रसाद को गोली लगी।

नकली बीज एवं खाद की फैक्ट्री का भंडाफोड़

ब्रांडेड कंपनी के रेपर और नकली सामान मिले

गया/एजेंसियां।

गया जिले में नकली बीज एवं खाद बना रहे हैं। जिस फैक्ट्री यह सामान बन रहे थे वहां पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान ब्रांडेड कंपनी के रेपर, नकली खाद और बीज समेत समेत कई सामान मिले हैं।

यह पूरी कार्रवाई शनिवार की देर रात्रि को हुई। मिली जानकारी के मुताबिक वजीरगंज थाना क्षेत्र के गया-राजगीर राष्ट्रीय उच्च मार्ग 82 पर भीण्डस के पास एक गोदाम में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में गेहूं के नकली बीज, खाद और रासायनिक कीटनाशक दवा बरामद हुए। धावा दल में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सदर एवं अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेरघाटी सहित अन्य पदाधिकारियों ने वजीरगंज थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा एवं पुलिस बल शामिल थे।

श्री राम कंपनी लि गुड़गांव हरियाणा के डीसीएम अमरेंद्र कुमार राकेश ने कहा कि भीण्डस के पास संचालित श्री ज़ीएस एग्रो प्राइवेट लिमिटेड बीज विधायन केंद्र नामक फैक्ट्री में हमारी कंपनी के नकली सामान बेचे जाने की सूचना मिली। इसके बाद वजीरगंज थानाध्यक्ष के नेतृत्व में वजीरगंज प्रखंड के कृषि विभाग के अधिकारियों के सहयोग से छापेमारी की गई तो हमलोग दंग रह गए। हमारी कंपनी के कई नकली सामान बेचे जा रहे थे। जांच में पता चला कि कम्पनी के प्रॉपराइटर हिमांशु मौर्य कुमार भी इस कारोबार में संलिप्त हैं।

छापेमारी के दौरान सैकड़ों बोरे गेहूं के बीज, विभिन्न कंपनियों के गेहूं बीज के रेपर, खाद और कीटनाशक दवा बरामद हुए। श्रीराम कम्पनी के डीसीएम ने बताया कि मेरी कम्पनी के सैकड़ों नकली पैकेट यहां से मिले हैं। इसमें साधारण गेहूं के बीज भरकर उसकी सप्लाई की जा रही थी। फैक्ट्री के अंदर नकली डीएपी खाद का भी निर्माण किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त कृषि विभाग के कुमार योगेश, मुरारी प्रसाद सिन्हा एवं पुलिस बल मौजूद थे।

थानेदार ने महिला अंचलाधिकारी पर चला दिया थप्पड़

सीतामढ़ी/एजेंसियां।

जिले में शराब विनष्टिकरण के दौरान अंचलाधिकारी और थानेदार के बीच विवाद हो गया। विवाद देखते ही देखते दंगल में बदल गया।

मारपीट होने की भी बात सामने आई है। मामला जिले के परिहार थाना का है। थाना परिसर में आज सीओ के नेतृत्व में पकड़े गए शराब का विनष्टिकरण किया जा रहा था। इसी दौरान थानाध्यक्ष राज कुमार गौतम ने शराब विनष्टिकरण को लेकर किसी बात पर एकमत नहीं हुआ। सीओ ने था-नेदार का विरोध किया। इसके बाद थानेदार ने सीओ मोनी कुमारी पर हाथ चला दिया। परिहार थाना में अधिकारियों के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों के बीच कुछ देर तक हाथापाई हुई। हालांकि, घटना के कारणों का पता नहीं लग सका है। इधर, सीओ द्वारा शिकायत किए जाने के बाद डीएम और एसपी समेत जिले के तमाम बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। गहराई से जांच की जा रही है। मारपीट की घटना के बाद पहुंचे वरीय अधिकारियों के सामने दोनों एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे है। हालांकि, वरीय अधिकारी अभी समस्या का हल नहीं कर सके हैं। फिलहाल, डीएम रिची पांडे और एसपी मनोज कुमार तिवारी काफी देर रुकने के बाद वापस लौट गए हैं। इस दौरान मीडिया को कोई जानकारी नहीं दी गई है। कहा गया कि मामले की जांच चल रही है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। उसके बाद ही कुछ स्पष्ट किया जाएगा। फिलहाल, पुपरी एसडीएम और एसडीप-ीओ समेत अन्य अधिकारी मौके पहुंचे और थाना में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाल रहे हैं। इधर, यह मामला जिले में जंगल की आग के तरह फैल गया है।

कोर्ट ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका

संजौली मस्जिद की अवैध मंजिलें टूटेंगी

शिमला, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश में शिमला जिला कोर्ट ने संजौली मस्जिद की तीन मंजिलों को ध्वस्त करने के नगर निगम कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। साथ ही मस्जिद समिति द्वारा निर्णय की समीक्षा करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। जिसमें मस्जिद की तीन अवैध मंजिलों को तोड़ने के आदेश को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा है कि अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त का निर्णय सही है और इसे चुनौती देना उचित नहीं होगा। इस फैसले से याचिकाकर्ता मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है।

मुस्लिम पक्ष के वकील विश्व भूषण ने कहा कि हमारी याचिका खारिज कर दी गई है। और नगर निगम आयुक्त कोर्ट का फैसला बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि याचिका में हमारा तर्क था कि नगर निगम कोर्ट ने जिस मस्जिद कमेटी को अवैध निर्माण तोड़ने के लिए अधिकृत किया है, वो वक्फ बोर्ड एक्ट की धारा 18 के तहत मस्जिद कमेटी की अधिकृत पदाधिकारी नहीं हैं और न ही वे नगर निगम आयुक्त की कोर्ट में मस्जिद मामले में पेश हो सकते थे। उन्होंने कहा कि फैसला आने के बाद हम उसका पूरा अध्ययन करेंगे और फिर आगे बढ़ेंगे।

संजौली निवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील जगत पाल ने इस निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उनकी अपील पर कोई सुनवाई नहीं हो सकती। संजौली मस्जिद की तीन मंजिलों को गिराने का नगर निगम कोर्ट का आदेश कायम है। एक मंजिल पहले ही गिरा दी गई है, और बाकी दो मंजिलें भी जल्द ही गिरा दी जाएंगी।

हालांकि, मस्जिद समिति के प्रमुख मोहम्मद लतीफ ने विध्वंस की समयसीमा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमने मजदूरों की कमी के कारण शेष दो मंजिलों को ध्वस्त करने की समयसीमा बढ़ाने के लिए नगर निगम न्यायालय में याचिका दायर की है। हाई कोर्ट ने प्रक्रिया पूरी करने के लिए 20 नवंबर की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन मौसम खराब है। हम इसे तय समय सीमा में कैसे पूरा कर सकते हैं? विवाद मस्जिद के अनधिकृत विस्तार को लेकर है। मूल रूप से एक मंजिला इमारत, मस्जिद 2018 तक बिना किसी अपेक्षित मंजूरी के पांच मंजिला इमारत में बदल गई। स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध किया, जिसके कारण शिमला नगर निगम ने 2011 में अपना पहला विध्वंस नोटिस जारी किया। नगर निगम न्यायालय ने अंततः 5 अक्टूबर, 2024 को अवैध तीन मंजिलों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।

यह मुद्दा तब सुर्खियों में आया जब हिंदू संगठनों ने हिमाचल प्रदेश में कथित तौर पर अवैध मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। यह मामला हिमाचल प्रदेश विधानसभा में भी उठाया गया, जहां ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने मस्जिदों को गिराए जाने का समर्थन किया। शिमला के मलयाना इलाके में हुई एक घटना के बाद संजौली मस्जिद विवाद बढ़ गया, जहां कथित तौर पर मस्जिद में शरण लेने वाले छह लोगों ने एक हिंदू व्यक्ति पर हमला किया। इस घटना के बाद हिंदू समूहों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और मस्जिद को गिराने की मांग की, क्योंकि यह अवैध रूप से बनाई गई थी। एक मंजिल पहले ही ध्वस्त हो चुकी है, कानूनी लड़ाई जारी है, क्योंकि मस्जिद समिति अदालत के आदेश का पालन करने के लिए और समय मांग रही है।

बाबा धीरेंद्र शास्त्री को पंजाब से मिली जान से मारने की धमकी

खन्ना (पंजाब), 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार यह धमकी पंजाब से मिली है। पंजाब के खन्ना राजपुरा के रहने वाले कट्टरपंथी बलजिंदर सिंह परवाना ने धमकी देते हुए कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ने हरिमंदिर साहिब के बारे में गलत शब्द कहे हैं। उन्हें इसका खामियाजा भुगतना होगा।

इस धमकी के विरोध में शनिवार सुबह शिवसेना पंजाब के प्रधान अवतार मौर्य, पंजाब यूथ प्रधान अजय गुप्ता व जिला प्रवासी सेल प्रधान सोहनलाल एसएसपी खन्ना अश्विनी गोत्याल से मिले और परवाना के खिलाफ धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को जान से मारने की धमकी देने व पंजाब का माहौल खराब करने के मामले में शिकायत दी। उन्होंने कहा कि अगर शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई तो शिवसैनिक सड़कों पर उतरेंगे।

बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने लगाए गए दरबार में कहा था कि हरिहर मंदिर में भी पूजा होनी चाहिए। मंदिर में अभिषेक और रुद्राभिषेक होना चाहिए। हालांकि उनका बयान विवादित नहीं था। क्योंकि बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान में हरिहर मंदिर का जिक्र किया था। दरअसल बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने यह बयान अमृतसर स्थित हरिमंदिर साहिब

(गोल्डन टेंपल) के लिए नहीं दिया है। उन्होंने कलकी धाम संभल (यूपी) का जिक्र किया है। संभल में हरि का हर मंदिर है।

बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री अंतिम बार बीते वर्ष 2023 अक्टूबर में श्री हरमंदिर साहिब में नतमस्तक हुए थे। इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने पीली पगड़ी पहनी हुई थी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था, मैंने आज पगड़ी पहनी है, यह पंजाब की परम्परा है। मुझे पंजाब आकर बहुत अच्छा लगा। उस समय बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री 21 से 23 अक्टूबर 2023 तक पठानकोट में समागम में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे।

धर्मस्थलों के सर्वे पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

धार्मिक स्थलों के सर्वेक्षण पर रोक की मांग वाली याचिकाओं पर रोक के लिए कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कांग्रेस नेता आलोक शर्मा व प्रिया मिश्रा ने शीर्ष कोर्ट से गुहार लगाई कि देशभर की अदालतों को ऐसी याचिकाओं पर विचार न करने का निर्देश दिया जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्यों को भी उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के प्रावधानों का अनुपालन का निर्देश जारी किया जाए।

इसमें यह भी कहा गया कि राज्यों को धार्मिक संरचनाओं या मस्जिदों के सर्वेक्षण पर न्यायालयों के किसी भी आदेश का पालन न करने का निर्देश जारी किया जाए। याचिकाकर्ताओं ने मथुरा, वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, अजमेर शरीफ, मध्य प्रदेश में धार और उत्तर प्रदेश में संभल में मस्जिदों और धर्म स्थलों का सर्वेक्षण करने के लिए जारी आदेशों की वैधता पर सवाल उठाए हैं। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2023 को कहा था कि वहां पूजा करने के अधिकार के लिए दायर किया गया मुकदमा पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत प्रतिबंधित है या नहीं, यह 15 अगस्त 1947 को ढांचे की प्रकृति और स्थिति पर निर्भर करेगा। कानून के तहत 15 अगस्त 1947 इसकी कट ऑफ तिथि है।

11 जुलाई 2023 को इस अधिनियम की वैधता पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह धार्मिक स्थलों से संबंधित विभिन्न अदालतों के समक्ष कार्यवाही पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकता। इस कानून में धार्मिक स्थलों की 15 अगस्त, 1947 को प्रचलित स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया गया था।

समाज से विकारों को दूर करने का सबसे प्रभावी माध्यम है शिक्षा : धनखड़

लखनऊ, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा के व्यापक प्रभाव और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की उसकी क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज से सभी तरह के विकारों को दूर करने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है।

उपराष्ट्रपति ने यहां प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ यहां रविवार को सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल, कानपुर के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेते हुए छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व, इसके व्यापक प्रभाव और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन को बेहतर बनाती है और सही रास्ते पर ले जाती है। प्रतिभा केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है; यह ग्रामीण और गरीब इलाकों में भी विद्यमान है। ऐसे क्षेत्रों तक जयपुरिया जैसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थानों की पहुंच आवश्यक है। उन्होंने कॉर्पोरेट जगत से आग्रह किया कि वे अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व फंड का उपयोग करके शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दें और सभी वर्गों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें।

उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप उम्र के साथ ऐसा व्यवहार विकसित करें, जो आपके ज्ञान और चरित्र को प्रदर्शित करे। माता-पिता के प्रति समर्पण और गुरुजनों के प्रति अनुशासन का भाव रखें। शिक्षा समय और समाज को बदलने में सक्षम है। यह हर व्यक्ति का अधिकार है और यह असफलता को सीखने की पूंजी में बदल देती है। उन्होंने छात्रों को नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा न केवल मनुष्य का अधिकार है, बल्कि जीवन के विभिन्न आयामों में संतुलन बनाने का सबसे शक्तिशाली साधन भी है। शिक्षा हमें हमारे अधिकारों के प्रति जागरूक करती है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि वही शिक्षा श्रेष्ठ है, जो जीवन निर्माण, चरित्र निर्माण और विचारों के सामंजस्य को बढ़ावा दे।

राज्यपाल ने शिक्षकों को राष्ट्र के भविष्य का निर्माता बताते हुए उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों के चरित्र निर्माण और उनके बहुआयामी विकास की जिम्मेदारी शिक्षकों पर होती है। शिक्षकों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ वर्तमान परिवेश की भी जानकारी देनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी अद्यतन ज्ञान से परिपूर्ण हों।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षिका होने के नाते विद्यार्थियों के साथ संवाद करना उनका हमेशा प्रिय कार्य रहा है।उन्होंने असफलताओं को सफलता की ओर एक कदम बताते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे गिरने से डरें नहीं, बल्कि असफलताओं से सीखें। ।राज्यपाल ने जयपुरिया समूह से कहा कि वे गरीब और असमर्थ परिवारों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चे शिक्षा प्राप्त कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकते हैं और देश के विकास में सहभागी बन सकते हैं।

पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति सजगता को लेकर राज्यपाल ने कहा कि विद्यालयों में पौधरोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाए जाए। पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना सभी का दायित्व है।

कोचीन शिपयार्ड में होगी आईएनएस विक्रमादित्य की मरम्मत

कोचीन, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को आईएनएस विक्रमादित्य के शॉर्ट रिफिट और ड्राई डॉकिंग (मरम्मत और रखरखाव) के लिए सरकारी कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के साथ 1,207 करोड़ रुपए का सौदा किया है। आईएनएस विक्रमादित्य एक विमानवाहक पोत है, जिसे भारत ने 2013 में रूस से 2.3 अरब डॉलर के सौदे के तहत खरीदा था।

इसका नाम बदलकर महान सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में रखा गया था। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मरम्मत का काम पूरा होने के बाद आईएनएस विक्रमादित्य उन्नत लड़ाकू क्षमता के साथ भारतीय नौसेना के सक्रिय बेड़े में शामिल हो जाएगा। मंत्रालय ने कहा, यह सौदा मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) हब के रूप में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें करीब 50 एमएसएमई की भागीदारी होगी और इससे 3,500 से अधिक कर्मियों के लिए रोजगार सृजन होगा। मंत्रालय ने कहा कि यह परियोजना सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी। यह प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल को भी मजबूत करेगा।

युद्धपोत आईएनएस विक्रमादित्य को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होने से पहले बाकू और एडमिरल गोर्शकोव के नाम से जाना जाता था। जिसका वजन 44570 टन है। विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य की ऊंचाई 60 मीटर है। जो 30 नॉट यानी करीब 54 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकता है। इसकी लंबाई 284 मीटर है जिस पर एक साथ 24 मिग-29 के और 10 हेलीकॉप्टर तैनात किए जाएंगे। मिग 29 के रूसी विमान है जो मिग 29 का नौसैनिक संस्करण है। आईएनएस विक्रमादित्य 500 किलोमीटर के दायरे में आने वाले अपने दुश्मनों का पता लगाने में माहिर है।

आम आदमी पार्टी का विधायक नरेश बालियान गिरफ्तार

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस ने शनिवार शाम आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान को 2023 के एक फिरौती मांगने के मामले में गिरफ्तार किया है। भारतीय जनता पार्टी ने आज बालियान और गैंगस्टर के बीच बातचीत का ऑडियो जारी किया था। बालियान गैंगस्टर अमित सांगवान से ऑडियो क्लिप में व्यापारियों से फिरौती मांगने से जुड़ी बातचीत कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने आज इस आधार पर उनसे बातचीत की है।

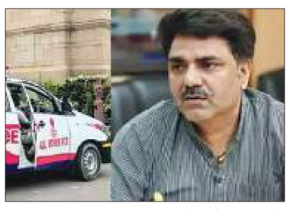

भारतीय जनता पार्टी ने दोपहर में ऑडियो क्लिप जारी कर बालियान सहित आम आदमी पार्टी पर फिरौती की धंधा चलाने की बात कही थी। दूसरी और आम आदमी पार्टी का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी अरविंद केजरीवाल के लगातार दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मामला उठाए जाने के चलते यह हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऑडियो क्लिप पूरी तरह से फर्जी है। आपा प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा, नरेश बाल्यान खुद पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि नरेश बाल्यान को धमकी मिल रही थी। बाल्यान ने पुलिस को कई पत्र लिखे थे। गैंगस्टर की गिरफ्तारी कब की जाएगी।दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बाल्यान को जबरन उगाही के एक मामले में गिरफ्तार किया। विधायक नरेश बाल्यान को आज यानि रविवार को कोर्ट ने पेश किया जाएगा।

हेमंत बनाम हिमंत

जांच के लिए टीम झारखंड भेजेंगे असम के सीएम

गुवाहाटी, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी झारखंड सीएम हेमंत सोरेन और असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। अब असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि वह भी असम की दो टीमें झारखंड में दो-तीन चीजों का अध्ययन करने के लिए भेजेंगे। असम सीएम का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में झारखंड सीएम हेमंत सोरेन ने असम में चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिकों की दुर्दशा का अध्ययन करने के लिए सर्वदलीय टीम भेजने का ऐलान किया है। हिमंत सरमा ने कहा कि 5 दिसंबर को हमारी कैबिनेट में झारखंड के कुछ इलाकों का दौरा करने का फैसला किया जाएगा। हम वहां जाएंगे और दो-तीन चीजें देखेंगे।

ला नीना का प्रभाव कश्मीर पर

इस बार सामान्य से अधिक ठंड और बारिश की संभावना

जम्मू, 01 दिसंबर (ब्यूरो)।

कई महीनों से सूखे से जूझ रही कश्मीर वादी के लिए इस बार ला नीना का प्रभाव खुशी और गम भी लेकर आ रहा है। मौसम वैज्ञानी कह रहे हैं कि ला नीना के प्रभाव के कारण सूखे से तो निजात मिलेगी पर कातिल ठंडी जान भी ले लेगी। कश्मीर में सर्दी का मौसम शुरू हो रहा है और मौसम पहले से ही ठंड के मौसम के संकेत दे रहा है। जम्मू और कश्मीर में सुबह के समय कोहरा छाया रहता है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है, भारतीय मौसम विभाग ने ला नीना घटना का पूर्वानुमान लगाया है।श्रीनगर मौसम केंद्र में तैनात भारतीय मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मुख्तार ने ला नीना मौसम प्रभाव की शुरुआत की पुष्टि की है और इस साल कश्मीर क्षेत्र में सामान्य से अधिक ठंड और बारिश होने का अनुमान लगाया है। वे कहते हैं कि इस साल दिसंबर के मध्य से ला नीना का प्रभाव स्पष्ट होने की संभावना है, जिसमें भारी वर्षा और तेज ठंड पड़ने की उम्मीद है। ला नीना प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसकी विशेषता मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में औसत से अधिक ठंडे समुद्री सतह के तापमान से होती है। यह ठंड वायुमंडलीय परिसंचरण पैटर्न को बाधित करती है, जो दुनिया भर में मौसम प्रणालियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। आमतौर पर, ला नीना दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में सामान्य से ज्यादा बारिश की स्थिति पैदा करता है, जबकि कश्मीर सहित दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में सर्दियां ठंडी होती है।

दिल्ली के सीवेज की जहरीली गैस से हुई मौतों का दोषी कौन?

15 साल, 94 मौतें और बस एक को सजा..!

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली में प्रवासी मजदूर, स्थाई और कॉन्ट्रैक्ट के तौर पर सीवेज की सफाई का काम करते हैं। इन मजदूरों की जरूरत तो सबको है लेकिन इनकी जान की न तो किसी को परवाह है, और न न्याय दिलाने की इच्छा। इसकी तस्दीक पिछले 15 साल में हुए हादसे करते हैं, जिस दौरान सीवेज की सफाई करने वाले 94 कर्मचारियों ने सीवेज की जहरीली गैस में दुम घुटने से अपनी जान गंवा दी।

94 कर्मचारियों की मौत के बावजूद लिखित दस्तावेजों में यह आंकड़ा केवल 75 का ही है। हैरानी की बात ये भी है कि 75 लोगों की जान गंवाने के मामलों में महज एक शख्स को दोषी ठहराकर उसे सजा सुनाई गई है, जिसके चलते सवाल यह भी है कि इन 75 या 94 मौतों का दोषी केवल एक वही सजायाफ्ता शख्स है। दस्तावेजों के मुताबिक, इन 75 लोगों की सीवर केस में मौतों में 38 मामलों को लेकर केस दर्ज किया गया है। इनमें से केवल 9 केसों का ही निपटारा किया गया है और यह 19 लोगों की जान लेने का मामला है।

सीवर हादसे से जुड़े केसों में से केवल एक में ही दोष सिद्ध हुआ है और दो मामलों में तो लोगों को बरी भी किया गया है। इतना ही नहीं, सीवर हादसे से जुड़े दो-दो केस हाईकोर्ट ने रद्द किए हैं। एक केस में समझौता हो गया है और एक में क्लोजर रिपोर्ट फाइल हो चुकी है। दिल्ली पुलिस दो केसों में आरोपियों का ही पता नहीं लगाया जा सका है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि पुलिस ने अभी तक बरी किए गए आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती ही नहीं दी है। दस्तावेज बताते हैं कि शेष बचे कई मामले दिल्ली की विभिन्न अदालतों में लंबित हैं, जिसके कई कारण हैं। किसी केस में अधिकारी नहीं आते हैं, किसी में स्टाफ की कमी सामने आती है। कम से कम तीन मामलों को लेकर पुलिस ने बताया है कि वे आरोपियों का पता लगाने में सक्षम नहीं है।

दो मामले ऐसे हैं, जिसमें जांच करने वालों को गवाह ही नहीं मिले हैं। पांच मामलों में तो गवाह या जांच करने वाले अधिकारी ही कोर्ट में समय पर नहीं पहुंचे, जिसके चलते केस आगे ही नहीं बढ़ पा रहा है। कुल 5 मामले ऐसे भी हैं कि जिनमें पुलिस ने अभी तक जांच पूरी नहीं की है और आरोप पत्र ही दायर नहीं किया गया है। कुछ अन्य मामलों में यह देखा

गया है कि वह स्टाफ की कमी के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। इतना ही नहीं, कई मामले तो इसलिए भी अटके, क्योंकि पुलिस अधिकारियों को सहयोग नहीं मिल रहा है।

मैनुअल स्कैवेंजर्स के तौर पर रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 खतरनाक सफाई पर रोक लगाता है, लेकिन सीवर और सेप्टिक टैंक की मैनुअल सफाई पर कोई विशेष प्रतिबंध नहीं है। कानून में 44 प्रकार के सुरक्षात्मक गियर निर्दिष्ट किए गए हैं, जिनमें सांस मास्क, गैस मॉनिटर और पूरे शरीर को ढकने वाला वेडर सूट शामिल है। सफाई कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष एम वेंकटेशन कहते हैं कि जो लोग सीवर साफ करने के लिए लोगों को काम पर रखते हैं, वे बेशर्मी से छूट पा रहे हैं। यह बहुत चिंता का विषय हैं। वेंकटेशन ने कहा कि पुलिस का कहना है कि वे इन मामलों में सबूत नहीं जुटा पा रहे हैं।

मान लीजिए, घटनास्थल पर सिर्फ़ दो लोग मौजूद थे, सुपरवाइजर और सफाई कर्मचारी और सीवर में उतरने के बाद सफाई कर्मी की मौत हो गई। कौन साबित करेगा कि सुपरवाइजर ने सफाई कर्मी को सीवर में उतरने के लिए कहा था या नहीं? उन्होंने कहा कि इसके लिए कानून में कुछ बदलाव की ज़रूरत है। सीवर में होने वाली मौतों के मामले में नगर निगम के कमिश्नर के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए, तभी नगर निकाय नियमों का सही से पालन करेंगे। जब हर मौत के लिए जवाबदेही होगी, तभी नियमों का पालन करने का संकेत मिलेगा।

इस मामले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय इस मुद्दे पर लगातार राज्यों से संपर्क कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि यह मंत्रालय के लिए चिंता का विषय है और उसने इन मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए संभावित हस्तक्षेप के लिए राज्यों को पत्र लिखा है।

दिल्ली पुलिस ने स्वीकार किया कि इसे संबंधित अधिकारी को भेज दिया गया है। तब से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कम सजा दर के पीछे कई कारण हैं। अधिकारी ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को सीवर में उतरने के लिए कहने के लिए कोई लिखित आदेश न होने के अलावा, मृतक के परिवार को मुआवजा देने के अनौपचारिक वादे भी किए गए हैं। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि मृतक का मैनहोल लाइन की सफाई या सीवेज निपटान आदि से संबंधित किसी भी तरह का कोई अनुबंध नहीं था।

सीवर लाइन की सफाई के लिए उसके पास कोई निर्देश नहीं थे। जिस मैनहोल में यह घटना हुई, वह पंप हाउस का हिस्सा नहीं था। न ही मृतक को वहां काम करने के लिए कोई लिखित आदेश जारी किया गया था।

दहेज प्रथा पर प्रहार और सामाजिक समता का प्रतीक है सामूहिक विवाह : योगी

सामूहिक विवाह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री, नव दंपत्तियों को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 1200 जोड़े विवाह के पवित्र बंधन में बंधे

गोरखपुर, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक हैं तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर प्रहार भी है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी-अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अस्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है।

सीएम योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक-युवतियों ने दहेज न ले-दे कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात साल में 3 लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या 4 लाख से अधिक हो चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा कि गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनव्याही न रहे। इसके लिए ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम को अभियान रूप में चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो अच्छे कार्य होते हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अच्छे कार्यों की श्रृंखला खड़ी कर दी। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजना चलाई, नारी गरिमा की रक्षा के लिए गांव-गांव, घर-घर व्यक्तिगत शौचालय बनवाए। मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए, मुफ्त राशन और जिनके पास आवास नहीं थे उन्हें आवास दिए। बीमारी के उपचार के लिए पांच लाख रुपए तक के इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड दिए। जबकि पहले घरों में शौचालय न होने से नारी गरिमा पर आंच आती थी। लकड़ी और कोयले के धुएं से निकलने वाली खतरनाक गैस से महिलाओं की आंख और फेफड़े खराब होते थे। आज हर घर सिलेंडर होने से यह दिक्कत दूर हो ही गई है, साथ ही सरकार दिवाली और होली में मुफ्त सिलेंडर दे रही है। सीएम ने कहा कि सरकार हर तबके को लाभान्वित कर रही है। श्रमिकों के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, निराश्रित, दिव्यांगजन आदि 1 करोड़ लोगों को 12 हजार रुपए सालाना पेंशन दिया जा रहा है। कन्या सुमंगला योजना के तहत 20 लाख बेटियों के स्वावलंबन के लिए 25 हजार रुपए का पैकेज दिया गया है।

सीएम योगी ने सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को एक ऐसा उत्सव बताया जिसमें मुख्यमंत्री खुद आए और साथ में कई जनप्रतिनिधि भी। उन्होंने कहा कि किसी एक शादी में उनके लिए समय निकाल पाना मुश्किल होता है लेकिन आज का यह आयोजन ऐसा शुभ व उत्सवी है जहां मुख्यमंत्री और कई जनप्रतिनिधि आए हैं। उन्होंने कहा कि आज विवाह बंधन में जुड़ने वाले युवा और उनके अभिभावक इसलिए भी भाग्यशाली हैं कि उनके विवाह का निमंत्रण स्वयं प्रशासन दे रहा है। समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में 1200 जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिंदू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को उपहार-शगुन किट भेंट किया। उपहार देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया। मंच पर जोड़ों को आशीर्वाद देने के अलावा मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल के मुख्य मंडप में भी गए। मंडप की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ उन्होंने नवयुगलों और उनके अभिभावकों को विवाह की शुभकामनाएं दीं। मंडप में मुख्यमंत्री की नजर जब वहां बराती बनकर आए कुछ बच्चों पर पड़ी तो वह मुस्कुरा उठे। उन्होंने उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट दिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी और पिपराइच के विधायक महेंद्र पाल सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे।

संभल को हिंसा में झुलसाने ने वाले 50 और उपद्रवियों की पहचान हुई

भीड़ को उकसाने वाला वीडियो भी मिला

संभल, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल शहर को हिंसा से सुलगाने वाले 50 और उपद्रवियों को पुलिस ने चिह्नित किया है। अब 300 उपद्रवियों की पहचान हो चुकी है। पुलिस 250 उपद्रवियों के पोस्टर पहले ही जारी कर चुकी है। चौराहों और तिराहों पर जल्द ही जारी पोस्टर चस्पा किए जाएंगे।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि वीडियो और फोटो के माध्यम से लगातार उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। चिह्नित किए गए सभी उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुए बवाल का सुबह 8: 55 बजे का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ लोग पुलिस को ललकारने के साथ ही भीड़ को उकसा रहे हैं। वीडियो में बवाल कराने वाले कई लोगों के चहरे साफ दिख रहे हैं। मालूम हो 24 नवंबर की सुबह करीब नौ बजे जामा मस्जिद पर बवाल किया था। इसमें 5 की जान गई और 19 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। बवाल नखासा तिराहा और हिंदूपुरा खेड़ा इलाके में भी हुआ था। पुलिस ने तीन महिला समेत 27 उपद्रवी गिरफ्तार किए थे। इनकी निशानदेही पर मोबाइल, तमंचे, पुलिस से लूटा गया सामान भी बरामद किया था।

बवाल के सप्ताहभर बाद शहर का बाजार खुला तो खरीदारी करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इससे बाजार में फिर से रौनक लौट आई है। भीड़ देख कारोबारियों के चेहरों पर खुशी नजर आई। कारोबारियों ने कहा कि पुलिस प्रशासन के प्रयास से बाजार खुल गया है। जल्द ही कारोबार पटरी पर लौट आएगा। शनिवार को बाजार की अधिकांश दुकानें खुल गईं। लोग खरीदारी के लिए भी पहुंचे। बवाल के एक सप्ताह बाद तनाव तो शांत हो गया, लेकिन पुलिस चौकसी बरत रही है। शहर में 10 कंपनी पीएसी और आरएएफ तैनात हैं। इसके अलावा मुरादाबाद मंडल के सभी जिलों से आई फोर्स की तैनाती है। जिले की फोर्स भी लगी है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि शहर में शांतिपूर्ण माहौल है, लेकिन एहतियातन प्रमुख चौराहे और बाजार में फोर्स तैनात है।

संभल मामले में समाजवादी पार्टी आग में घी डालने का काम लगातार कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि संभल में सरकार और प्रशासन ने मिलकर झगड़ा कराया है। भाजपा देश-प्रदेश में शांति नहीं चाहती है, जबकि सपा शांति, खुशहाली और समृद्धि के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि संभल में जब एक बार जामा मस्जिद का सर्वे हो गया है, तो इतनी जल्दी दूसरी बार सर्वे की क्या जरूरत थी। दूसरी बार सर्वे की टीम गई, तो उसमें भाजपाई शामिल थे।

बिजली निजीकरण के खिलाफ छह दिसंबर से आंदोलन

निजीकरण के खिलाफ आंदोलन में शामिल होंगे राज्य कर्मचारी

लखनऊ, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में बिजली निजीकरण के फैसले के खिलाफ 6 दिसंबर को देशभर के बिजली कर्मचारी और इंजीनियर के प्रस्तावित आंदोलन में राज्य कर्मचारी भी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ ने बिजली कर्मचारियों एवं इंजीनियर की संयुक्त संघर्ष कमेटी के आंदोलन का समर्थन किया है।

उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष अफीफ सिद्दीकी ने बयान जारी कर बताया कि नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर (एनसीसीओईईई) ने प्रदेश सरकार के वाराणसी व आगरा विधुत वितरण निगम और चंडीगढ़ पावर डिपार्टमेंट को निजी हाथों में सौंपने के खिलाफ 6 दिसंबर को देशभर में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है।

इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईईएफआई) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं एनसीसीओईई के वरिष्ठ सदस्य सुभाष लांबा ने प्रदेश सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन को चेतावनी दी। कहा कि अगर बिजली कर्मचारियों और उपभोक्ताओं के लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों की अनदेखी कर जल्दबाजी में निजीकरण के फैसले को अमलीजामा पहनाने का प्रयास किया तो जिस दिन निजी कंपनी टेकओवर करेगी उसी दिन कर्मचारी और इंजीनियर कार्य बहिष्कार कर सड़कों पर उतरने पर मजबूर होंगे। उन्होंने बताया कि उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य संरक्षक एसपी सिंह, कमलेश मिश्रा, राज्य अध्यक्ष कमल अग्रवाल व महामंत्री अशोक सिंह ने भी कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं के विरोध के बावजूद बिजली निजीकरण करने के प्रदेश सरकार के फैसले की निंदा की। साथ ही बिजली कर्मचारियों एवं इंजीनियर की संयुक्त संघर्ष कमेटी की ओर से चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने बिजली कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही की तो राज्य कर्मचारी चुप नहीं रहेंगे, उसका माकूल जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि लखनऊ सहित प्रदेश का कर्मचारी विद्युत विभाग के निजीकरण करने की कोशिश का विरोध करेगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के कर्मचारियों के आंदोलन के साथ उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ शामिल रहेगा।

संभल के बाद बदायूं की जामा मस्जिद चर्चा में

ओवैसी का यूपी सरकार पर निशाना

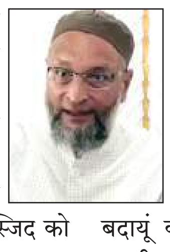

बदायूं, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल के बाद बदायूं की जामा मस्जिद का मामला भी अब चर्चा में आने लगा है। संभल में हुई हिंसा के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ((एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बदायूं की मस्जिद को लेकर यूपी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आने वाली नस्लों को एआई की पढ़ाई के बजाय एएसआई की खुदाई में व्यस्त कर दिया जा रहा है।

बदायूं की जामा मस्जिद को नीलकंठ महादेव का मंदिर बताकर कोर्ट में वाद दायर किया गया था। यह मामला कोर्ट में चल रहा है। शनिवार को इस मामले में सुनवाई हुई थी। इसमें इंतजामिया कमेटी के पक्ष की तरफ से शनिवार से बहस शुरू की गई है। हाल ही में संभल की जामा मस्जिद पर सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद बदायूं कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई हुई थी। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बदायूं की जामा मस्जिद को भी निशाना बनाया जा रहा है। ओवैसी ने कहा, हिंदुत्ववादी तंजीमें किसी भी हद तक जा सकती हैं। उन पर रोक लगाना भारत के अमन के लिए बहुत जरूरी है।

हिंसाग्रस्त संभल पहुंची न्यायिक आयोग की टीम

आयोग ने देखा कहां कहां से किया पथराव और लगाई आग

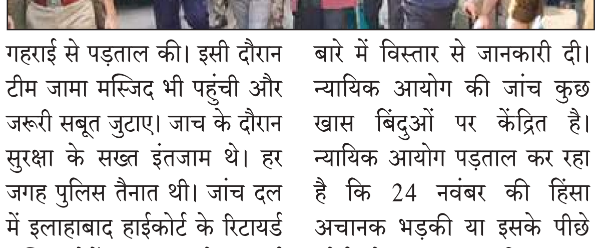

संभल, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में रविवार 24 नवंबर को हुई हिंसा की जांच अब शुरू हो चुकी है। इसके लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग बनाया गया है। यह टीम रविवार 1 दिसंबर को संभल पहुंची और सबसे पहले जामा मस्जिद में जांच की। इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। आयोग को दो महीने में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपनी है।

आयोग की टीम मुरादाबाद से रवाना होकर सुबह संभल पहुंची। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ इस 3 सदस्यीय टीम ने उन जगहों का दौरा किया, जहां 24 नवंबर को हिंसा हुई थी। टीम ने पैदल ही बाजार और गलियों में जाकर घटनास्थल की गहराई से पड़ताल की। इसी दौरान टीम जामा मस्जिद भी पहुंची और जरूरी सबूत जुटाए। जाच के दौरान सुरक्षा के सख्त इंतजाम थे। हर जगह पुलिस तैनात थी। जांच दल में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा, पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन और पूर्व आईएएस अमित मोहन प्रसाद शामिल हैं। इनके साथ मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर आंजनेय सिंह और डीआईजी मुनिराज भी थे। स्थानीय डीएम और एसपी ने टीम को हिंसा के दिन की घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। न्यायिक आयोग की जांच कुछ खास बिंदुओं पर केंद्रित है। न्यायिक आयोग पड़ताल कर रहा है कि 24 नवंबर की हिंसा अचानक भड़की या इसके पीछे कोई सोची समझी साजिश थी? इसी के साथ आयोग यह भी जानने का प्रयास करेगा कि घटना के समय प्रशासनिक स्तर पर तो कोई लापरवाही नहीं हुई। हिंसा की असल वजह के साथ आयोग यह भी जांचेगा कि दोबारा ऐसा न हो उसके लिए प्रशासनिक स्तर पर क्या तैयारियां की गई हैं। जांच फिलहाल जारी है और चश्मदीदों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों से भी पूछताछ हो रही है। आयोग दो महीने में अपनी रिपोर्ट तैयार करेगा, जिसे सरकार को सौंपा जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले शनिवार को आयोग के सदस्य मुरादाबाद सर्किट हाउस पहुंचे, जहां मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराज जी और एसएसपी सतपाल अंतिल ने उनसे मुलाकात कर घटना की जानकारी दी। रविवार को टीम ने शाही जामा मस्जिद और आसपास के हिंसाग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया।

अपहरणकर्ता 22 साल बाद उत्तराखंड से गिरफ्तार

जुबैर ने सहारनपुर से 17 साल की लड़की का किया था अपहरण

सहारनपुर, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 22 साल पहले 17 साल की नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण करने वाला शख्स पुलिस के हत्थे चढ़ गया। 2002 में इस घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी जुबैर नाम बदलकर उत्तराखंड में रहने लगा और बीमा एजेंट बन गया।

पुलिस के मुताबिक, जुबैर ने अपना नाम बदलकर विजय पुंडीर रखा और फर्जी दस्तावेज बनवाकर देहरादून में बस गया। जुबैर ने उसने 10वीं और 12वीं की फर्जी मार्कशीट और दस्तावेज तैयार कराकर अपना नाम विजय पुंडीर रख लिया था। यहां उसने बीमा एजेंट के रूप में काम शुरू कर दिया। 16 जून 2002 को लड़की के पिता ने गागलहेड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बेटी का जुबैर ने अपहरण कर लिया है। 22 साल बाद पुलिस ने जुबैर को देहरादून के झिभरेड़ी गांव से गिरफ्तार किया। आरोपी जुबैर मूल रूप से हरिद्वार का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि जुबैर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है और मामले की जांच हो रही है।

हेरिटेज कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा पर्यटन विभाग

60 से अधिक राजा-महाराजा के साथ होगा विचार मंथन

लखनऊ, 01 दिसंबर (एजेंसियां)। समृद्ध अतीत की कहानी बयान कर रहे उत्तर प्रदेश के किले, कोठी और पैलेस विकास की नई गाथा लिखेंगे। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इसकी नींव रखने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में सात दिसंबर को लखनऊ स्थित होटल ताज में हेरिटेज कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। इसमें 60 से अधिक राजा-महाराजा के साथ संवाद के लिए देश भर से लगभग 250 प्रसिद्ध होटल मालिक, इन्-वेस्टर्स, रियल स्टेट व्यवसायी और कंसल्टेंट आएंगे। सहमति बनी तो उत्तर प्रदेश विरासत पर्यटन में भी देश-दुनिया को आकर्षित करने वाला प्रमुख गंतव्य स्थल बनेगा।

योगी सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश हाल के वर्षों में पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य बनकर उभरा है। बीते वर्ष 2023 में यहां 48 करोड़ से अधिक पर्यटक आए थे। अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य तीर्थ स्थल सर्वाधिक पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। उत्तर प्रदेश में हेरिटेज टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं। यहां बड़ी संख्या में किले, पैलेस और कोठिया हैं, जिन्हें उपयोगी बनाकर पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है। विरासत पर्यटन में अग्रिम पंक्ति में खड़े राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों की तर्ज पर पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश में भी तैयारी कर रहा है।

प्रदेश में स्थित किले, पैलेस और कोठियों को उनके वास्तविक स्वरूप, वास्तुकला और जो उनकी अन्य विशेषताएं हैं, उन्हें बरकरार रखते हुए यहां हेरिटेज होटल, वेडिंग डेस्टिनेशन, वेलनेस सेंटर, रिजार्ट, कल्चरल सेंटर आदि बनाने की योजना है। इसके तहत पर्यटन विभाग अपनी छह प्रापर्टीज चुनार का किला मिर्जापुर, बरुआसागर का किला झांसी, छतर मंजिल लखनऊ, बरसाना महल मथुरा, शुक्ल तालाब कानपुर देहात और रोशन-उद-दौला लखनऊ को हाल ही में पीपीपी पर दिया है। कॉन्क्लेव में इनका एमओयू भी होगा। विभाग की ऐसी अन्य प्रापर्टी को पीपीपी पर विकसित करने की तैयारी है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि राज्य में अनेक संपत्तियां जो राजा-महाराजा के पास है, इनका विकास कर उपयोगी बनाने की मंशा है। विभाग द्वारा आयोजित कॉन्क्लेव में 60 से अधिक राजा-महाराजा और देश भर से लगभग 250 प्रसिद्ध होटल मालिक, इन्-वेस्टर्स, रियल एस्टेट व्यवसायी और कंसल्टेंट को आमंत्रित किया गया। इनके बीच सीधा संवाद होने से सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। पर्यटन मंत्री ने बताया कि हेरिटेज कॉन्क्लेव प्रदेश में हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। गंतव्य स्थलों पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में आगंतुक आएंगे। यह प्रयास स्थानीय लोगों के सामने रोजगार का बड़ा अवसर लेकर आएगा।

संपादकीय

खेलने की उम्र में ब्याह

इक्कीसवीं सदी के भारत में यदि हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 साल से कम उम्र में हो जाए तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े है कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की है। दरअसल, यह शुरुआत उन राज्यों को लेकर की गई है, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यतः नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी। निस्संदेह, राजग सरकार के दौरान बाल विवाह उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयास किए गए। हालिया बाल विवाह मुक्त अभियान की शुरुआत से पहले भी सरकार ने इस दिशा में पहल की थी। इससे पहले वर्ष 2006 में बाल विवाह कानून में सुधार किया था। इसमें लड़कों के विवाह की उम्र 21 व लड़कियों के विवाह की उम्र 18 वर्ष कर दी गई थी। वहीं वर्ष 2021 में राजग सरकार ने 2006 के कानून में सुधार करके लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव किया था। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट भारत में 40 फीसदी के करीब लड़कियों के 18 साल से कम उम्र में विवाह होने की बात कहती है। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे हर रोज चार हजार से अधिक बाल विवाह होने का उल्लेख करते हैं। बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में असम सरकार की सफलता का अक्सर जिक्र होता है। जहां आंकड़ों में तेजी से गिरावट आई है। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक बाल विवाह की दर को पांच फीसदी से नीचे लाया जाए। निस्संदेह, बाल विवाह जहां बच्चियों के मौलिक अधिकारों का हनन है, वहीं उनकी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को भी कमतर करता है। इससे जहां लड़कियों के अधिकारों का अतिक्रमण होता है, वहीं उनके शोषण का भी खतरा रहता है। पढ़ाई बीच में छूट जाने से उनके सपने मर जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कम उम्र में शादी और बच्चे होने से उनको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरी पढ़ाई न होने तथा नौकरी न कर पाने की स्थिति में वे आर्थिक रूप से पतियों पर आश्रित हो जाती हैं। जिससे उनका स्वाभाविक विकास नहीं हो पाता। जिसके चलते असर भावनात्मक विभेद का सामना भी करना पड़ता है। बाल विवाह का होना यह भी बताता है कि हमारे समाज में अभी दहेज प्रथा का दबाव कम नहीं हुआ है। जिससे बचने के लिये अभिभावक तुरत-फुरत अल्पवयस्क लड़कियों की शादी कर देते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी कि सिर्फ कानून बनाने से ही इस कुरीति पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता, समाज में जागरूकता लाने के लिये भी राष्ट्रव्यापी अभियान चलाना होगा।

भारत में यदि हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 साल से कम उम्र में हो जाए तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती है और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े है कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते है। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की है। दरअसल, यह शुरुआत उन राज्यों को लेकर की गई है, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है

प्रदूषण से बढ़ती मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों, नीतियों, और प्रदूषण को कम करने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। यह त्रासदी 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को हुई थी। इस त्रासदी में ज़हरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं।

प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद, प्रदूषण नियंत्रण तकनीकों, नीतियों, और प्रदूषण को कम करने के महत्व पर ध्यान आकर्षित करना है। यह दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में मनाया जाता है। यह त्रासदी 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को हुई थी। इस त्रासदी में ज़हरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश एवं दुनिया की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। प्रदूषण के कारण जल, भूमि, और वायु प्रदूषित होता है, जिससे मौतें होती हैं, प्रदूषण से जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्मा इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियों ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। बढ़ता वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी

जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ति होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है।

हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं। चिंता की बात यह है कि मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है।

दृष्टि कोण

व्यवस्था में पारदर्शिता से दूर होगा कुपोषण

हाल ही में इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशंस द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि देश पीडीएस के तहत भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए गए अनाज का 28 फीसदी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। यानी सालाना करीब दो करोड़ टन अनाज का लीकेज होता है। अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस वजह से सालाना करीब 69 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का आर्थिक नुकसान होता है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्र सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2.05 लाख करोड़ रुपये का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से लीकेज में कमी आई है। वर्ष 2011-12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 फीसदी लीकेज है। यद्यपि इस समय इस लीकेज में कमी आई है, लेकिन यह अभी भी काफी अधिक है। ऐसे में जरूरी है कि पीडीएस के लिए बेहतर निगरानी और संरचनात्मक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। देश में गरीबों पर केंद्रित लक्षित पीडीएस की शुरुआत जून, 1997 में हुई है। इस समय दुनिया में भारत सबसे बड़ी सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के लिए जाना जाता है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है। खासतौर से सितंबर, 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के पारित होने के साथ ही पीडीएस व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यह अधिनियम देश की 67 फीसदी आबादी को अपने दायरे में लेता है। सरकार के द्वारा कोविड-19 महामारी के दौरान वंचित वर्गों के पात्र लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त अनाज दिया जाने लगा है और तब से लगातार अब तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश के 81.35 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न मुहैया करा रही है। सरकार ने वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया है। देश में कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित रूप से निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में पीडीएस की अहम भूमिका है। इससे गरीबी में कमी आ रही है। कई प्रमुख वैश्विक संगठनों के द्वारा उनकी रिपोर्टों में भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने में 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने और उससे गरीब वर्ग की उत्पादकता बढ़ने के निष्कर्ष भी दिए गए हैं। अमेरिकी के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्रुकिंग्स इंस्टिट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011-12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022-23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों की उत्पादकता वृद्धि, तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है। लेकिन अभी भी कमजोर वर्ग तक निःशुल्क गेहूं और चावल के अलावा पोषण युक्त श्रीअन्न यानी मिलेट्स की उपयुक्त आपूर्ति न होने से करोड़ों लोग पोषण सुरक्षा के मद्देनजर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में प्रकाशित ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2024 में भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। लेकिन भारत के लिए अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा जारी रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में करीब 74 फीसदी लोगों को पोषण युक्त आहार नहीं मिल पाता है। निश्चित रूप से देश के 81 करोड़ से अधिक लोगों तक निःशुल्क खाद्यान्न वितरण, इच्छित लाभार्थियों तक इसकी उपयुक्त पहुंच और पोषण युक्त खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करने के मद्देनजर देश की पीडीएस व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करना होगा।

कुछ अलग

ज़हरीली प्राणवायु

राजधानी दिल्ली व एनसीआर में अनियंत्रित वायु प्रदूषण को लेकर देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार व पुलिस को फिर फटकार लगायी है। कोर्ट ने नाराजगी जतायी कि वायु गुणवत्ता की बेहद गंभीर स्थिति होने पर सुधार हेतु ग्रैप-4 लागू करने में कोताही बरती जा रही है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार व पुलिस को आड़े हाथों लिया कि क्यों रोक के बावजूद दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश जारी है। कोर्ट ने दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश की निगरानी को तेरह वकीलों को नियुक्त किया, जो सोमवार को अपनी रिपोर्ट देंगे। कोर्ट ने दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हरियाणा व उत्तर प्रदेश सरकारों को सख्ती से ग्रैप-4 की व्यवस्था लागू करने को कहा। अदालत का कहना था कि सभी राज्यों का दायित्व है कि नागरिकों को प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाए। दरअसल, न्यायमूर्ति अभय एस.ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ग्रैप-4 व्यवस्था लागू करने की खामियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस बात पर विश्वास नहीं किया जा सकता है कि दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है। अदालत ने केंद्र सरकार से दिल्ली में प्रवेश के 113 स्थानों पर निगरानी के लिये पुलिस कर्मियों की तैनाती को कहा, इनमें प्रवेश के तेरह मार्ग ट्रकों के लिये हैं। दरअसल, अदालत ने दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले राज्य हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश सरकारों को 18 नवंबर को निर्देश दिया था कि ग्रैप-4 के तहत प्रतिबंधों के क्रियान्वयन के लिये तुरंत टीम गठित की जाए। कोर्ट ने सख्ती से पाबंदियां लागू न किये जाने पर नाराजगी जतायी। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के गंभीर से अधिक के स्तर पर पहुंचने पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-4 लागू किया गया था। जिसके अंतर्गत ट्रकों व भारी वाहनों के दिल्ली में प्रवेश व सार्वजनिक निर्माण पर अस्थायी रोक लगा दी गई थी। प्रश्न है कि क्यों हमारी सरकार जन-स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में तब तक सोयी रहती है, जब तक कि पानी सिर के ऊपर से न गुजरने लगे। क्यों हर साल शीर्ष अदालत को सरकार, पुलिस व पर्यावरण संरक्षण हेतु बनी संस्थाओं को नींद से जगाना पड़ता है? क्यों अदालत पहले आदेश दे और फिर उसके क्रियान्वयन की निगरानी करे? क्यों सरकारें आग लगने पर कुंआ खोदने की फितरत से बाज नहीं आती। अदालत ने कहा कि हर नागरिक को स्वच्छ हवा देना सरकारों का दायित्व है तो क्या सरकारें जिम्मेदारी निभा रही हैं? सर्दी की दस्तक देते ही हर साल अक्तूबर-नवंबर में प्रदूषण संकट पैदा होता है, फिर भी सारे साल प्रदूषण को काबू करने के उपया क्यों नहीं किए जाते? क्यों प्रदूषण संकट गंभीर स्थिति में पहुंचने के बाद सरकारें हाथ-पैर मारना शुरू करती हैं? कल्पना कीजिए श्वसनतंत्र व दमा जैसे रोगों से ग्रस्त लोग इस भयावह प्रदूषण संकट से कैसे जूझ रहे होंगे? विडंबना ही कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसे परिवेश-पर्यावरण छोड़ेंगे। सवाल हवा का ही नहीं, पानी पर भी बड़ा संकट है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने नासा व जर्मनी के उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर चिंता बढ़ाने वाला खुलासा किया कि वर्ष 2014 के बाद से स्वच्छ जल के स्तर पर अप्रत्याशित गिरावट देखी गई है। निश्चित रूप से इस स्थिति के लिये हम सब सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। पानी के अंधाधुंध उपयोग, वन क्षेत्रफल का संकुचन और इंसान की अंतहीन लिप्साओं व वाहनों के दबाव ने धरती का जैसे तापमान बढ़ाया है, उसने पानी की वाष्पन की गति तेज कर दी है।

देश दुनिया से

जलवायु संरक्षण की आधी-अधूरी कोशिशें

बाकू में संपन्न जलवायु वार्ता का नवीनतम दौर (कॉप-29) एक विवादित समझौते के साथ समाप्त हुआ। उम्मीद थी कि इसमें मुख्य विषय जलवायु सुधार के वास्ते वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित रहेगा। यह संदर्भ स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण को लेकर है ताकि जलवायु परिवर्तनों पर लगाम लग पाए और सुधार कार्य अपनाए जाएं। दशकों से, विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में प्रभावी उपाय करने के वास्ते अतिरिक्त धन की मांग करते आए हैं। विकासशील देश चाहते हैं कि अमीर देश अधिक जिम्मेदारी उठाएं क्योंकि वर्तमान संकट के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार वही हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद से उत्तरी गोलार्ध के देशों से हुआ ऐतिहासिक उत्सर्जन ही जलवायु संकट का कारण बना है। जलवायु परिवर्तन सुधार फंड की मात्रा और इसका स्रोत लंबे समय से विकसित और विकासशील देशों के बीच विवाद का विषय रहा है। इस पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में, बाकू वार्ता में एक अच्छा समझौता बनने की आशा जगी थी। वार्ता के निष्कर्ष में, विकासशील देशों को हर साल जलवायु सुधार के लिए, 2035 तक, कम-से-कम 300 बिलियन डॉलर देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह धन विभिन्न स्रोतों से आएगा- इसमें सार्वजनिक, निजी, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और वैकल्पिक स्रोत भी शामिल हैं। इस वित्तपोषण को उपलब्ध कराने में विकसित देश अग्रणी भूमिका निभाएंगे और विकासशील देशों को स्वेच्छा से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। किंतु बाकू में निर्धारित वित्त लक्ष्य विकासशील देशों द्वारा मांगे गए धन और समय-सीमा से बहुत कम है- 2025 से विकसित देशों द्वारा हर साल इस मद में 1.3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जाने हैं। किंतु, न केवल यह आंकड़ा मांगी गई मात्रा से बहुत कम है बल्कि समय-सीमा भी बहुत दूर है। अब यह पैंतरा उत्तरी गोलार्ध मुल्कों की एक जानी-पहचानी रणनीति बन चुकी है कि किसी भी तत्काल प्रतिबद्धता से बचने के लिए एक कमजोर लक्ष्य और बहुत लंबी समय-सीमा तय कर देना। इसके अलावा, जिस वित्तपोषण का वादा किया गया है वह केवल अमीर मुल्कों से नहीं आएगा। विकासशील देशों को भी इसमें योगदान देना होगा। जाहिर है, इस प्रावधान ने विकासशील देशों को परेशान कर डाला है। वार्ता के अंत में, भारत, बोलीविया और नाइजीरिया ने इस लचर संधि पर अपनी चिंता व्यक्त की, जिसे आधिकारिक तौर पर 'जलवायु वित्त हेतु नवीन सामूहिक मात्रा निर्धारण लक्ष्य' का नाम दिया गया है। भारत ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप) के अध्यक्ष पर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में निहित बहुपक्षीय वार्ता के मानदंडों का पालन किए बिना समझौते को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया है। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी की जरूरत है। इसके शमन के लिए धन की आवश्यकता है- उत्सर्जन को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता पड़ेगी। यानी अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं, ऊर्जा दक्षता, जीवित प्राकृतिक संसाधन और भूमि उपयोग का प्रबंधन, थलीय और जलीय जैव विविधता की सुरक्षा, स्वच्छ परिवहन आदि का इंतजाम करने वास्ते धन उपलब्धता। अतिरिक्त धन की दूसरी प्रमुख आवश्यकता अनुकूलन करने के वास्ते है- प्रतिकूल प्रभावों को अनुकूल बनाना और बदलती जलवायु के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना। उदाहरण के लिए, इसमें शामिल हैं : तूफान और बाढ़ का सामना करने लायक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए धन की जरूरत, वर्तमान बुनियादी ढांचा ऊपर उठते समुद्र तल से दूर स्थानांतरित करना, सूखे का सामना करने लायक फसलों के बीज विकसित करना और इनका वितरण। इसके अलावा, 'हानि एवं नुकसान' नामक तीसरी कार्रवाई के लिए धन की आवश्यकता है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में देशों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। पिछले कुछ वर्षों में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत जलवायु वित्त के लिए अनेकानेक तंत्र और कोष बनाए गए हैं। इनमें वैश्विक पर्यावरण सुविधा, हरित जलवायु कोष, विशेष जलवायु परिवर्तन कोष, अल्प विकसित देशों का कोष, अनुकूलन कोष आदि शामिल हैं। हालांकि, हकीकत यह है कि विकासशील देशों को उपलब्ध करवाई जाने वाली इन निधियों में धन की आमद बहुत कम रही है। उदाहरणार्थ, ग्रीन क्लाइमेट फंड ने 2020-23 की अवधि के दौरान 129 विकासशील देशों में 243 परियोजनाओं के वास्ते कुल 13.5 बिलियन डॉलर देना मंजूर किया। अनुकूलन कोष ने 2010 से कई विकासशील देशों में 183 अनुकूलन परियोजनाओं के लिए 1.2 बिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई थी। वहीं अन्य तंत्रों से धन का प्रवाह और भी कम है। कुल मिलाकर, यूएनएफसीसीसी द्वारा प्रवर्तित निधियों और अन्य तंत्रों से उपलब्ध वित्त की मात्रा आवश्यकता से बहुत कम है। इसलिए, बाकू में मांग धन की मात्रा के साथ-साथ गुणवत्ता बढ़ाने की भी थी। लेकिन, धनी पश्चिमी देशों ने वित्तीय लक्ष्य को न्यूनतम रखने और समय सीमा यथासंभव लंबा खींचने के वास्ते हर संभव प्रयास किए। नए और अतिरिक्त वित्तपोषण के लिए प्रतिबद्धता बनाने की बजाय, मौजूदा विकास सहायता को जलवायु वित्तपोषण का ठप्पा लगाकर, नए रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह होने पर, बहुपक्षीय वित्तपोषण और विकास वित्तपोषण को जलवायु सहायता के रूप में गिना जाएगा। अब, निजी निवेश के अलावा विकास-बैंक ऋण और सरकारी खर्च द्वारा 'जुटाए गए' निजी वित्त भी बृहद जलवायु वित्त के अंतर्गत आएंगे। इन सबने विकासशील देशों को मिलने वाली मौजूदा विकास सहायता के अलावा मुख्य रूप से सार्वजनिक स्रोतों से प्राप्त वित्तपोषण की गुणवत्ता को भी कमजोर कर डाला है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी और उनके जलवायु विरोधी रुख के हौवे से लाभ उठाते हुए, विकसित देशों ने कमजोर वित्तीय समझौते को आगे बढ़ाया। उन्होंने डर बनाया कि यदि अमेरिका बहुपक्षीय जलवायु ढांचे से बाहर निकल गया, जैसा कि ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान किया था, तो इसके असर से यूएनएफसीसीसी पटरी से उतर सकता है। संयुक्त राष्ट्र प्रक्रिया के तहत, अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान सहित 24 विकसित देशों को विकासशील मुल्कों को जलवायु वित्त प्रदान करना है। यदि ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिका जलवायु प्रक्रिया से हट जाता है, तो अन्य विकसित देशों को अधिक बोझ उठाना पड़ेगा।

आप का नजरिया

कट्टरता का बांग्लादेश

बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन और उनके भारत में शरण लेने के बाद अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर जिस तरह लगातार हमले हो रहे हैं, इस्कॉन से जुड़े धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी उसकी अगली कड़ी है। दास की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके वकील की निर्मम हत्या असहिष्णुता की पराकाष्ठा को ही दर्शाती है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि वहां अल्पसंख्यक किन भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। इतना ही नहीं धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे लोगों पर हमले तक किए गए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के पैरोकार दास को कथित रूप से बांग्लादेशी झंडे का अपमान करने तथा राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने के कारण बांग्लादेश और सीमा पार भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। दरअसल, इस अशांति का संदर्भ लगातार अल्पसंख्यक उत्पीड़न के पैटर्न में निहित हैं। बांग्लादेश के संवैधानिक आश्वासन के बावजूद वहां के हिंदू, जो कि आबादी का लगभग नौ फीसदी हैं, लगातार हिंसा, बर्बरता और सामाजिक उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। वहां हिंदुओं के घरों व मंदिरों पर भीड़ पर हमलों की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। जिसमें हसीना सरकार के पतन के बाद खासी तेजी आई है। आधिकारिक रूप से इस्लामिक धर्म वाले इस देश में यह स्थिति अल्पसंख्यकों की व्यापक असुरक्षा को दर्शाती है। अल्पसंख्यक संगठनों द्वारा सुरक्षा की गुहार लगाये जाने के बाद विश्वास बहाली की जिम्मेदारी कार्यवाहक सरकार पर है। जिसका दायित्व बनता है कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को न्याय दिलाने के लिये विशेष न्यायाधिकरण के जरिये यथाशीघ्र कार्रवाई करे। यदि समय रहते ऐसा नहीं होता तो अशांति के बढ़ने का खतरा बना रहेगा। मौजूदा घटनाचक्र से बांग्लादेश की प्रगतिशील लोकतंत्र की छवि कमजोर हुई है। निस्संदेह, वहां सभी अल्पसंख्यकों के लिये शांति और सुरक्षा एक जीवंत वास्तविकता होनी चाहिए। ढाका सरकार को छात्र आंदोलन के जरिये हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद पनप रही कट्टरता पर अंकुश लगाना चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लगातार उत्पीड़न के विरोध में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं गाहे-बगाहे आती रही हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर गंभीर चिंता जतायी थी। यहां तक कि ट्रांसपेरंसी इंटरनेशनल ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों पर बढ़े हमलों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। रिपोर्ट में हसीना सरकार के पतन के बाद के एक पखवाड़े में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के दो हजार से अधिक मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट इस बात पर भी चिंता जताती है कि ऐसे मामलों में अपराधियों की पहचान होने के बावजूद उन्हें दंडित नहीं किया गया। बल्कि इसके बहाने राजनीतिक विरोधियों को ही निशाना बनाया गया। ऐसी हिंसा के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की तरफ से भी तल्ख प्रतिक्रिया दर्ज की गई है।

टैरिफ की धमकी से परेशान ट्रूडो पहुंचे ट्रंप से मिलने, बिना खास आश्वासन के लौटे कनाडा

ओटावा, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी से हलकान कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की आनन-फानन में ट्रम्प से की गई मुलाकात में भी खास हासिल नहीं हुआ। वे टैरिफ को लेकर ट्रम्प की तरफ से दिए गए बिना किसी खास आश्वासन के शनिवार को वापस कनाडा लौट आए। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिजॉर्ट में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, शुल्क, सीमा सुरक्षा और मादक पदार्थों की तस्करी सहित प्रमुख द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। ुलाकात के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ उनकी मुलाकात बहुत अच्छी रही। व्यापार, अवैध प्रवासन समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। इससे पहले शनिवार को ट्रूडो ने मीडिया से कहा कि उनके और ट्रम्प के बीच बेहतरीन बातचीत हुई। कनाडाई पीएम ने एक्स पर पोस्ट किया, डिनर के लिए धन्यवाद, राष्ट्रपति ट्रंप। मैं उन कार्यों के लिए उत्सुक हूं जो हम फिर से मिलकर कर सकते हैं। हालांकि बातचीत में ट्रम्प ने 25 फीसदी टैरिफ की धमकी से पीछे हटने की बात नहीं कही। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी बैठक के बाद शनिवार को बिना किसी आश्वासन के स्वदेश लौट आए। खास बात यह है कि फ्लोरिडा की यह यात्रा ट्रूडो के सार्वजनिक कार्यक्रमों की सूची में शामिल नहीं थी। उल्लेखनीय है कि ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की कि पदभार ग्रहण करते ही वह कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने कहा कि वह तब तक टैरिफ लागू रखेंगे, जब तक दोनों देश अपने क्षेत्रों से अवैध रूप से अमेरिका में ड्रग्स और अप्रवासियों के प्रवाह को नहीं रोकते।

न्यूज ब्रीफ

चिन्मय दास की दवा भी करा दी बंद, जेल में मिलने पहुंचे दो पुजारी गिरफ्तार

ढाका। हिंदू संत चिन्मय दास प्रभु की गिरफ्तारी, बेल से इनकार के बाद ही भारत के साथ भी बांग्लादेश के संबंध बिगड़ने लगे हैं। वहीं अब खबर है कि बांग्लादेशी प्रशासन ने एक और ऐसा ही कदम उठा लिया है। शुक्रवार को चिन्मय दास प्रभु को जेल मे दवाई देने पहुंचे एक और पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया। बता दें कि चिन्मय दास प्रभु को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट की मानें तो दो पुजारी जेल में चिन्मय दास प्रभु से मिलने और उन्हें दवाई देने लगए थे। वापस लौटते वक्त दोनों को ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसपर बांग्लादेश की सरकार की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है। बांग्लादेश सम्मिलितो सनातनी जागरन जोत संस्था की तरफ से कहा गया है कि दो अन्य पुजारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। इसकोन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमन दास के मुताबिक इस बात की जानकारी मिली है कि इस्कोन के दो अन्य संतों को गिरफ्तार किया गया है। इस तरह की गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की जाती है और इसके खिलाफ प्रदर्शन भी किए जाएंगे। हम यही निवेदन करते हैं कि बांग्लादेश की सरकार वहां के अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार बंद करे। बताया गया कि जिन लोगों कि गिरफ्तारी हुई है उनमें श्री आदि पुरुष श्याम दास और रंगनाथ दास ब्रह्मचारी प्रभु शामिल हैं।राधारमन ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर श्याम दास की तस्वीर भी शेयर की। उन्होंने कहा, क्या ये आतंकवादी दिखते हैं इस तरह से निर्दोष लोगों को गिरफ्तार करके प्रताड़ित करना बहुत ही दुखद है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के समर्थन में 150 देशों में रविवार को प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा।

कनाडा में गिरफ्तार आतंकी अर्श डल्ला को कर दिया रिहा

ओटावा। हॉल्टन में हुई शूटआउट मामले में गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने जमानत दे दी है। जमानत के लिए अर्श डल्ला ने 30,000 कनाडाई डॉलर (18 लाख 11 हजार रुपए) जमा करवाए है, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें रिहा कर दिया है। मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। बता दें कि कनाडा पुलिस ने 29 अक्टूबर को बयान जारी करते हुए बताया कि उन्होंने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। लेकिन पुलिस ने आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की। कुछ समय बाद चर्चा शुरू हुई थी कि 2 आरोपी और कोई नहीं बल्कि अर्श डल्ला व उसका साथी था।

चाबहार पोर्ट के विकास के लिए भारत ने दी बड़ी आर्थिक सहायता

तेहरान। ईरान में स्थित रणनीतिक चाबहार बंदरगाह को विकसित करने के लिए भारत ने बड़ी आर्थिक मदद की घोषणा की है। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया कि बंदरगाह के विकास के लिए अब तक 24 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,03 करोड़ रुपये) के पोर्ट उपकरण आपूर्ति किए जा चुके हैं। चाबहार बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण साधन है, जो पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए व्यापारिक मार्ग खोलता है। भारत और ईरान ने मई 2015 में इस परियोजना पर समझौता किया था। इसके बाद मई 2016 में भारत, ईरान और अफगानिस्तान के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता हुआ, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय परिवहन और पारगमन गलियारे की स्थापना करना था। इस समझौते ने भारत को चाबहार बंदरगाह के संचालन के लिए 10 वर्षों का अनुबंध दिया। डॉ. जयशंकर ने बताया कि भारत चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल के पहले चरण के विकास में सक्रिय भागीदार है। 24 दिसंबर 2018 को, भारतीय कंपनी आईजीपीएल ने बंदरगाह संचालन की जिम्मेदारी ली थी। 13 मई 2024 को इस अनुबंध को अगले दस वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया। भारत ने इस परियोजना के लिए अनुदान सहायता को 120 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाया है और 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्य की ऋण सहायता भी प्रदान की जाएगी। यह सहायता भारतीय रुपये में दी जाएगी। चाबहार बंदरगाह ने 2018 से अब तक 450 से अधिक जहाजों और 87 लाख टन से अधिक कार्गो का प्रबंधन किया है। इस परियोजना से भारत को मध्य एशियाई बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

ब्रिक्स देशों को ट्रंप की धमकी, नई करेंसी बनाई तो लगा देंगे सौ फीसदी टैरिफ

वाशिंगटन, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को धमकाया है। ट्रम्प ने धमकी दी है कि अगर ब्रिक्स देश अपनी कोई नई करेंसी लेकर आते हैं और अमेरिकी डॉलर से व्यापार नहीं करते तो उन पर सौ फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों में भारत के साथ-साथ रूस, चीन, ब्राजील, साउथ अफ्रीका, मिस्र, ईरान, यूएई और इथियोपिया शामिल हैं।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पद संभालने से पहले ही अपने तेवर दिखा दिए हैं। ट्रम्प ने मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, हमें इन देशों से एक प्रतिबद्धता की जरूरत है कि वे न तो एक नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर को बदलने के लिए किसी अन्य मुद्रा को वापस लेंगे या उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। या फिर अमेरिका के बाजार को अलविदा कहना होगा।

इसके साथ ही उन्होंने लिखा, ऐसे देश किसी अन्य मार्केट की तलाश कर सकते हैं। ऐसी कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा और जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा उसे अमेरिका को अलविदा कह देना चाहिए। खास बात यह है कि हाल के महीनों में ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर के बजाय अपनी नई करेंसी या अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। पिछले महीने ही ब्रिक्स समिट हुआ था जिसमें नई करेंसी पर चर्चा हुई थी। मगर डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी के बाद ब्रिक्स देशों को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की कि पदभार ग्रहण करते ही वह कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। उन्होंने कहा कि वह तब तक टैरिफ लागू रखेंगे, जब तक दोनों देश अपने क्षेत्रों से अवैध रूप से अमेरिका में ड्रग्स और अप्रवासियों के प्रवाह को नहीं रोकते।

ट्रंप के मंत्री विवेक रामास्वामी ने कहा- अवैध अप्रवासियों को रखने का मतलब फिजूलखर्ची

वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सरकार अभी अस्तित्व में आई भी नहीं है और उसने पाकिस्तान के खिलाफ अपने कड़े रुख को जगजाहिर कर दिया है। रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, अवैध अप्रवासियों के लिए टैक्सपेयर्स द्वारा वित्तपोषित एक होटल का स्वामित्व पाकिस्तान सरकार के पास है, जिसका मतलब है कि न्यूयॉर्क के टैक्सपेयर्स वास्तव में हमारे अपने देश में अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए एक विदेशी सरकार को भुगतान कर रहे हैं। यह पागलपन है ट्रंप की आने वाली सरकार में रामास्वामी और एलन मस्क की जिम्मेदारी फिजूल के सरकारी खर्चों को कम करने की है। दोनों को अगले दो साल में सरकारी खर्च को एक तिहाई तक कम करने का लक्ष्य दिया गया है। ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का संयुक्त कार्यभार एलन मस्क के साथ भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी को सौंपा है। उन्होंने न्यूयॉर्क में स्थित पाकिस्तान सरकार के 5 स्टार रूजवेल्ट होटल पर निशाना साधा। शनिवार को एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि न्यूयॉर्क शहर ने अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए पाकिस्तान सरकार के स्वामित्व वाले एक होटल को लीज पर लेने के लिए 220 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। विवेक रामास्वामी ने जो बाइडेन सरकार के इस कदम को आड़े हाथों लेते हुए इसे पागलपन करार दिया।इससे पहले लेखक जॉन लेफ़ेवर ने एक्स पर पर एक पोस्ट किया था। जिसमें कहा गया, अवैध अप्रवासियों को रखने के लिए मैनहट्टन में पूरे रूजवेल्ट होटल को किराए पर देने के लिए न्यूयॉर्क शहर ने 220 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। रूजवेल्ट होटल का स्वामित्व शाहबाश शरीफ के देश की पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के पास है। कहा गया कि यह सौदा पाकिस्तान को अपने अंतरराष्ट्रीय कर्ज पर चूक से बचने में मदद करने के लिए 1.1 बिलियन के आईएमएफ बेलआउट पैकेज का हिस्सा था। इस सौदे से पहले होटल 2020 से बंद था और लंबे समय से आर्थिक संकट के चलते संघर्ष कर रहा था।

भारतवंशी काश पटेल को ट्रंप ने बनाया एफबीआई का डायरेक्टर भरपूर विश्वास जताया

वाशिंगटन, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतवंशी कश्यप काश पटेल को जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) का अगला डायरेक्टर नियुक्त किया है। ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर इसकी घोषणा की।

पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान काश पटेल रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

ट्रम्प के बेहद भरोसेमंद भारतवंशी काश पटेल एफबीआई डायरेक्टर पद पर 20 जनवरी 2025 को नई सरकार के कार्यकाल के साथ काबिज हो जाएंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि कश्यप 'काश' एफबीई के अगले निदेशक के रूप में काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इंवेस्टिगेटर और 'अमेरिका फर्स्ट' वॉरियर हैं, जिन्होंने अपना करियर भ्रष्टाचार उजागर करने, न्याय की रक्षा करने और अमेरिकी लोगों की रक्षा करने में बिताया है।

काश पटेल का पूरा नाम कश्यप पटेल है। उनके माता-पिता का जीवन युगांडा में बीता। उनके पिता 70 के दशक में बेहतर जीवन की तलाश में अमेरिका आ गए थे। 1980 में काश पटेल का जन्म न्यूयॉर्क के गार्डन सिटी में हुआ। काश पटेल ने कानून की पढ़ाई की। नस्लवाद विरोधी माने जाने वाले काश ने इससे पहले ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन फैकल्टी ऑफ लॉज से अंतरराष्ट्रीय कानून में सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया था। काश पटेल ने कार्यवाहक रक्षा सचिव क्रिस्टोफर मिलर के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में काम किया। इससे पहले राष्ट्रपति के उप सहायक और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् में आतंकवाद निरोध के वरिष्ठ निदेशक के रूप में भी वे काम कर चुके हैं।

उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को जारी रखेगा समर्थन

रूसी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने की किम जोंग उन से मुलाकात

प्योंगयान, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया नेता किम जोंग उन ने रूस के रक्षा प्रमुख से मुलाकात की और कहा कि उनका देश यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस का हमेशा समर्थन करता रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूस के रक्षा मंत्री के नेतृत्व में रूसी सैन्य प्रतिनिधिमंडल उत्तर कोरिया पहुंचा। उत्तर कोरिया ने पिछले माह यूक्रेन से लड़ने रूस में हजारों सैन्यबल भेजे थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच मजबूत हो रहे सहयोग को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता बढ़ने के बीच रूसी रक्षा मंत्री यहां पहुंचे। रिपोर्ट में बताया गया है कि किम और बेलौसोव ने बैठक में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में तेजी से बदलते माहौल के मद्देनजर रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और प्रत्येक देश की संप्रभुता,

सुरक्षा संबंधी हितों एवं अंतरराष्ट्रीय न्याय की रक्षा करने पर संतोषजनक रूप से सहमत हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक किम ने कहा कि उत्तर कोरिया साम्राज्यवादियों के आधिपत्य स्थापित करने के प्रयासों से रूस की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने की रूसी संघ की नीति का हमेशा समर्थन करेगा। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का समर्थन किया है।

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं आज बाधित रहेंगी, देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत की वजह से रहेगा इंटरनेट बंद

ढाका, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत की वजह से हो रही है।

देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार 2 दिसंबर को सुबह 3:00 बजे से लेकर 5:59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी।

बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं।

पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तार के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए संत का नाम श्याम दास है। उन्होंने श्याम दास की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए सवाल उठाया, क्या ये साधु आतंकवादी दिखते हैं वहीं चिन्मय प्रभु को इस हफ्ते की शुरुआत में बांग्लादेश पुलिस ने गिरफ्तार किया था और अब वे जेल में हैं। कोलकाता में चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर कई विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। अब श्याम दास की गिरफ्तारी के बाद, आने वाले दिनों में विरोध और तेज होने की संभावना है।

ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस ने ढाका में की महिला सुरक्षा और हिंसा उन्मूलन पर चर्चा

ढाका

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश में लैंगिक समानता और हर प्रकार की लैंगिक हिंसा के खिलाफ प्रतिबद्धता दोहराई है। इस क्रम में, लैंगिक हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान की शुरुआत के मौके पर ऑस्ट्रेलियाई फेडरल पुलिस के डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट मैट क्राफ्ट और डिटेक्टिव सार्जेंट स्कॉट डिक्सन ने ढाका का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एक बांग्लादेशी-ऑस्ट्रेलियाई महिला की मौत से जुड़े मामले में बांग्लादेश पुलिस से चर्चा की। डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट मैट क्राफ्ट ने बताया कि बांग्लादेश पुलिस के साथ बैठकें सकारात्मक और उपयोगी रही। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि दोनों देशों के बीच हाल ही में पुलिस सहयोग पर हुए समझौते के नवीनीकरण के बाद यह बैठक और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ढाका में आयोजित लैंगिक हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान के उद्घाटन कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया की कार्यवाहक उच्चायुक्त नार्डिया

सिम्पसन, डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट मैट क्राफ्ट और डिटेक्टिव सार्जेंट स्कॉट डिक्सन ने हिस्सा लिया। यहां उनकी मुलाकात बांग्लादेश सरकार के महिला और बाल कल्याण मंत्रालय की सलाहकार शर्मीन एस मुर्शिद और वरिष्ठ सचिव ममताज़ अहमद एनडीसी से हुई। कार्यवाहक उच्चायुक्त नार्डिया सिम्पसन ने कहा कि बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच लैंगिक हिंसा से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं को समझने का यह एक महत्वपूर्ण अवसर था। उन्होंने दोनों देशों के बीच इस विषय पर मजबूत साझेदारी का आह्वान किया। ऑस्ट्रेलियाई सरकार लैंगिक समानता और हिंसा उन्मूलन के प्रति लगातार काम कर रही है। बांग्लादेश में इस अभियान के माध्यम से दोनों देशों ने इस साझा उद्देश्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

सीरिया में तनावः असद सरकार के लिए बढ़ी मुश्किलें, तुर्की के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन भारत जैसे देशों की तुलना में यह अब भी काफी पीछे है

दमिश्क। लेबनान में हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच संघर्ष के बाद सीरिया में हालात फिर से तनावपूर्ण हो गए हैं। विद्रोही बलों ने अलेप्पो पर हमला किया है और सेना को भारी नुकसान हुआ है। इस संघर्ष ने शिया-सुन्नी संघर्ष को और गहरा कर दिया है। तुर्की अब विद्रोहियों का समर्थन कर रहा है, जो क्षेत्र स्थिरता की मांग कर रहे हैं। ईरान भी सीरिया में सत्ता परिवर्तन को रोकने के लिए सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। तुर्की की सेना दुनिया की ताकतवर सेनाओं में से एक है और इसे इस संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका मिल रही है। विश्वसनीय रिपोर्ट से पता चलता है कि तुर्की की सेना दुनिया की आठवीं सबसे ताकतवर है। इसके अलावा तुर्की ने अपनी रक्षा क्षमताओं को भी मजबूत किया है। हालांकि, भारत की सेना भी दुनिया में अग्रणी सेनाओं में से एक है। यह संघर्ष न केवल स्थानीय, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है। तुर्की और भारत के सैन्य बलों के बीच तनातनी बढ़ रही है, जो मध्य-पूर्व को और अस्थिर बना सकती है। इस संघर्ष में जीत किसी के भी हो सकती है, लेकिन इससे मध्य-पूर्व के स्थिरता का संकेत मिल रहा है।

आईसीसी चेयरमैन के रूप में जय शाह ने की अपने कार्यकाल की शुरुआत

दुबई, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट को नई ऊचाइंयों पर पहुंचाने में अहम योगदान देने के बाद जय शाह ने रविवार यानी 1 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत कर दी है। वह ग्रेग बार्कले का स्थान लेंगे। बार्कले नवंबर 2020 से इस पद पर थे। जय शाह इस साल अगस्त में आईसीसी के निर्विरोध चेयरमैन चुने गए थे। आईसीसी ने रविवार को इस बात की जानकारी दी।

आईसीसी चेयरमैन के रूप में जय शाह ने अपने पहले वक्तव्य में अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जिसमें लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने और महिला खेल के विकास में और तेजी लाना शामिल है। शाह ने एक बयान में कहा कि मैं आईसीसी चेयरमैन की भूमिका के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा कि यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में वैश्विक स्तर पर अपार संभावनाएं हैं और मैं इन अवसरों का लाभ उठाने तथा खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

शाह ने पिछले चार वर्षों में आईसीसी की उपलब्धियों में बार्कले के योगदान की सहारना की। उन्होंने कहा कि मैं पिछले चार वर्षों में इस पद पर उनके नेतृत्व के लिए तथा इस अवधि के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों के लिए ग्रेग बार्कले को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वैश्विक मंच पर खेल की पहुंच और विकास का विस्तार करने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

न्यूज ब्रीफ

कूच बेहार अंडर-19 टूर्नामेंट : बिहार के सुमन ने लिए एक पारी में सभी 10 विकेट

मुम्बई । यहां जारी कूच बेहार अंडर-19 टूर्नामेंट में बिहार के एक युवा गेंदबाज सुमन कुमार ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। सुमन ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। सुमन ने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में सभी विकेट लिए। इस दौरान सुमन ने हैट्रिक भी लगायी। उन्होंने 36वें ओवर में मोहित भागतानी, अनस और सचिन शर्मा को लगातार तीन गेंदों पर आउट कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ ही इस गेंदबाज ने इस सत्र में अपने 22 विकेट पूरे किये हैं। भारत के घरेलू टूर्नामेंट में ये दूसरी बार है जब किसी गेंदबाज ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। सुमन से पहले हरियाणा के अंशुल कंबोज ने रणजी ट्रॉफी में केरल के खिलाफ ये काम किया था। बिहार ने इस मैच में पहली पारी में 467 रन बनाये। इसमें दिपेश गुप्ता के नाबाद 183, पृथ्वी राज के 128 रनों का अहम योगदान रहा। इसके जबाव में राजस्थान की टीम 182 रनों पर सही सिमट गयी । सुमन ने अकेले ही पूरी राजस्थान टीम को तीसरे दिन आउट कर दिया। । राजस्थान को फॉलोऑन मिला और उसने तीसरे दिन का अंत दो विकेट के नुकसान पर 173 रनों के साथ किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की दो सीटों के लिए 4 टीमों में होगा मुकाबला

मुम्बई । आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ में अब केवल चार टीमें ही बची हैं। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली जीत से जहां उसकी दावेदारी मजबूत हुई है। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में हार से न्यूजीलैंड का सफर समाप्त हो गया है। फाइनल की दो सीट के लिए इस वक्त चार टीमों में मुकाबला है। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीम शामिल है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड की टीम को तीन में तीनों ही मुकाबले में जीत दर्ज करनी थी पर ऐसा हुआ नहीं। भारतीय टीम इस समय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में शीर्ष पर कायम है। श्रीलंका को हराकर दक्षिण अफ्रीका दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है। न्यूजीलैंड की टीम इस वक्त चौथे स्थान पर है हालांकि अब वह रेस से बाहर हो गयी है। श्रीलंका की टीम को अपनी संभावनाएं बनाने बचे हुए तीन मैच जीतने होंगे।

न्यूजीलैंड की टीम पहले टेस्ट में हार के साथ ही डब्ल्यूटीसी की रेस से बाहर हुई भारतीय टीम की संभावनाएं बढ़ीं

मुम्बई । न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की रेस से बाहर हो गयी है। न्यूजीलैंड टीम के बाहर होने के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के बाद स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो पाएगी। पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला जीतकर भारत ने फाइनल की अपनी दावेदारी और बेहतर की है। वहीं इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही सीरीज पर सबकी नजर थी जहां न्यूजीलैंड की करारी हार से भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों को लाभ हुआ है। टूर्नामेंट में अभी भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका रेस में शामिल है। न्यूजीलैंड की टीम को इंग्लैंड से मिली पहले टेस्ट मैच की हार ने फाइनल की दौड़ से बाहर कर दिया है। 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच इंग्लिश टीम ने 8 विकेट से जीतकर न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फाइनल में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड की टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीनों ही टेस्ट मैच में जीत हासिल करना था। पहला मुकाबला हारने के बाद अब वह आखिरी दो मैच जीतकर भी उसके लिए फाइनल में जगह बनान संभव नहीं है। इस समय भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर कायम है। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए 4 मैच में से कम से कम तीन में जीत चाहिए।

यूएसपीएल सीजन 3 : न्यू जर्सी टाइटंस को हरा न्यूयॉर्क काउबॉयज फाइनल में

फ्लोरिया, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में कप्तान जेक लिंटॉट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को फाइनल में जगह दिलाई। करो या मरो के इस गेम में न्यूयॉर्क काउबॉयज ने न्यू जर्सी टाइटंस को 30 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ काउबॉयज ने फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है, जहां उनका सामना टॉप पर मौजूद मैरीलैंड मेवरिक्स के साथ होगा।

तीन हार के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने वाले न्यूयॉर्क काउबॉयज ने असाधारण खेल दिखाते हुए लगातार 4 मुकाबले जीतकर ट्रॉफी की मजबूत दावेदारी पेश की है।

न्यूयॉर्क काउबॉयज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ताबड़तोड़ शुरुआत की और मुख्तार अहमद की 41 गेंदों में 59 रन की शानदार पारी की बदौलत पावरप्ले में 63 रन बोर्ड पर लगा दिए। जिसके बाद पारी कुछ लड़खड़ाई, लेकिन अंत में परवीन कुमार के 13 गेंदों में महत्वपूर्ण 19 और कप्तान लिंटॉट के 10 रनों ने टीम को 9 विकेट के नुकसान पर 152 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया।

लक्ष्य का पीछा करने के दौरान, जब न्यू जर्सी टाइटंस को 18 गेंदों पर 36 रनों की आवश्यकता थी। तब कप्तान लिंटॉट ने 18वें ओवर की जिम्मेदारी खुद उठाई और जैसा वह चाहते थे वैसा ही हुआ। जहां इस ओवर के पहले तक टाइटंस का स्कोर 117/5 था, वहीं इस ओवर के बाद टीम 119/9 के स्कोर पर पहुंच गई और 19वां ओवर खत्म होते-होते 122 रनों पर धराशाई हो गई। काउबॉयज के लिए जेक लिंटॉट और परवीन कुमार दोनों ने ही शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट झटके।

यूपी रुद्रास ने हार्दिक सिंह को अपना कप्तान घोषित किया

लखनऊ। स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सत्र के लिए यूपी रुद्रास ने अपना कप्तान घोषित किया है। यदु स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली यूपी रुद्रास ने एक मजबूत टीम तैयार की है, जिसमें युवा सनसनी प्रियोबर्ता तलेम, गुरजोत सिंह के साथ-साथ भारतीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें ललित कुमार उपाध्याय, सिमरनजीत सिंह, लार्स बाल्क और केन रसेल हैं। यदु स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक माधवकृष्ण सिंघानिया ने एक बयान में यदु स्पोर्ट्स परिवार की ओर से हार्दिक को टीम का कप्तान घोषित किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि मौजूदा टीम में शानदार हॉकी खेलने और लोगों का दिल जीतने के लिए सभी जरूरी चीजें मौजूद हैं। हॉकी इंडिया लीग का बड़ा, बेहतर और साहसिक संस्करण वैश्विक हॉकी पावरहाउस के रूप में भारत के कद को और बढ़ाएगा और मेरा मानना है कि इस कद की प्रतियोगिता में भविष्य के लीडर्स को तैयार करने की क्षमता है। टीम के मुख्य कोच पॉल वैन ऐस ने कहा कि नीलामी में हार्दिक हमारी पहली पसंद थे और हमें पूरा भरोसा था कि वे टीम की अगुआई करेंगे। उन्हें लगातार भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करते देखना और लगातार दो ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा होना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। हमें यकीन है कि खेल की बारीकियों और पेचीदगियों को समझने की उनकी क्षमता के साथ, वे न केवल टीम का नेतृत्व करेंगे बल्कि अपने आस-पास के लोगों से भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाएंगे।

शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा कर रहा बीसीसीआई

मुम्बई, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं। शमी को राष्ट्रीय टीम में जगह देने से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी फिटनेस को लेकर आश्वस्त होना चाहता है। चोट के बाद वापसी कर रहे शमी की फिटनेस और प्रदर्शन की समीक्षा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पदर्शन के आधार पर होगी। राष्ट्रीय चयनकर्ता और बीसीसीआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम उनकी फिटनेस का गहरानी से निरीक्षण कर रही है।

स्पोर्ट्स साइंस विभाग के प्रमुख नितिन पटेल और चयनकर्ता एसएस दास राजकोट में शमी के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं। शमी को टीम में शामिल करने से पहले बीसीसीआई पक्का करना चाहता है कि वह टेस्ट क्रिकेट की मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। इस दौरान शमी के दैनिक वर्कलोड, प्री-मैच और पोस्ट-मैच स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शमी ने अब तक चार मैच खेले हैं, जिनमें उनका प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 1/46, हैदराबाद के खिलाफ 3/21, मिजोरम के खिलाफ 0/46 और मध्य प्रदेश के खिलाफ 0/38 का प्रदर्शन किया। फिटनेस के लिहाज से वह इन मुकाबलों में बेहतर नजर आए हैं। इससे पहले उन्होंने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए 7 विकेट हासिल किए थे।

बीसीसीआई और टीम प्रबंधन शमी की प्रगति पर नियमित अपडेट ले रहा है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने शमी को टीम का अहम हिस्सा बताया है। बुमराह ने कहा, शमी हमारी टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। प्रबंधन उनकी स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, और उम्मीद है कि वह जल्द टीम के साथ जुड़ सकते हैं। शमी के आगे के प्रदर्शन को देखते हुए बीसीसीआई उनका आंकलन करेगा।

एडिलेड टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा : बोलैंड

कैनबरा, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने कहा है कि वह 6 दिसंबर से एडिलेड में खेले जाने वाले बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। बोलैंड को तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोटिल होने के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर होने के बाद शामिल किया गया है। बोलैंड का मानना है कि वह लय में हैं और अब भारत के खिलाफ एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे।

बोलैंड ने कहा, मैंने इस सीजन की शुरुआत में बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है पर मुझे लगता है कि मैंने इतना क्रिकेट खेल लिया है कि मैं वाकई अच्छी स्थिति में हूं। मेरा शरीर अब बहुत अच्छा महसूस कर रहा है। मुझे कुछ छोटी-मोटी चोटें लगी थीं, लेकिन अब मैं फिट हूं। एडिलेड में गुलाई गेंद से खेला जाने वाला मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच मैचों की सीरीज बराबर करने का अच्छा अवसर है। मेजबान टीम पर्थ में हुए पहले टेस्ट में भारत से करारी हार से उबरने का प्रयास करेगी। बोलैंड मानना है कि उनकी टीम वापसी के लिए अपनी ओर से पूरे प्रयास करेगी।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने रविवार को आगामी महिला जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा की। यह प्रतियोगिता 7 से 15 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में खेली जाएगी। पिछले साल फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर अपना पहला खिताब हासिल करने के बाद गत चैंपियन के रूप में भारत बड़ी उम्मीदों के साथ इस टूर्नामेंट में उतरेगा।

प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग लेंगी जिन्हें दो पूलों में विभाजित किया गया है। भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग चीन और श्रीलंका शामिल हैं।

भारतीय जूनियर महिला टीम की कमान ज्योति सिंह के हाथों में होगी, जबकि साक्षी राणा उप-कप्तान होंगी। निधि और अदिति माहेश्वरी के रूप में टीम में दो गोलकीपर हैं, जबकि डिफेंस की कमान मनीषा, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, पूजा साहू और ममता ओरम संभालेंगी। मिडफील्डर में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीता टोप्पो, इशिका, रजनी केरकेट्टा, साक्षी राणा और खैदेम शिलेमा चानू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। अग्रिम पंक्ति में दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, कनिका सिवाच, मुमताज खान और लालरिनपुई अटैक का नेतृत्व करेंगी। बिनिमा धन और हिमांशी शरद गवांडे को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है।

टीम के चयन पर कोच तुषार खांडेकर ने जारी बयान में कहा कि हम महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब की रक्षा के लिए उत्साहित हैं। यह एक विशेष समूह है जिसमें अनुभव और युवा प्रतिभा का शानदार संतुलन है। हमारे कई खिलाड़ी पहले ही सीनियर स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर चुके हैं और उनकी उपस्थिति टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण होगी। हमारा ध्यान आक्रामक, अनुशासित खेल खेलने और मैच दर मैच आगे बढ़ने पर है। हमें अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा है और हमारा मानना ??है कि इस टीम में खिताब की रक्षा करने और देश को फिर से गौरवान्वित करने की क्षमता है।

भारतीय टीम अपना पहला मैच 8 दिसंबर को बांग्लादेश से खेलेगी।

अपने भविष्य को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता : मेसी

ब्यूनस आयर्स, 01 दिसंबर (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि मैंने अभी तक अपने भविष्य और संन्यास को लेकर कुछ तय नहीं किया है, इसलिए इस मामले में कुछ नहीं कह सकता। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया के खिलाफ अपनी टीम की 6-0 की जीत में मेसी की अहम भूमिका रही है। मेसी ने इस मैच में अर्जेंटीना की ओर से 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगायी। इस दौरान मेसी ने कहा कि जब भी वह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं तो उन्हें बेहद खुशी होती है।

मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का समर्थन महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है। जिस तरह से लोग मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं। हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है। हम इस जीत से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने भविष्य के लिए कोई

तिथि या समय सीमा तय नहीं की है, मैं बस इसका आनंद लेना चाहता हूं।

मैं यहां आकर और लोगों का प्यार महसूस करके पहले से कहीं अधिक उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि ये मेरे आखिरी खेल हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब में साल का अंत अच्छे से करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लूंगा और फिर हर दिन का आनंद ले पाऊंगा।

मेसी अपने देश की ओर से शीर्ष स्कोरर भी बन गए हैं, जिन्होंने 189 मैचों में 112 गोल किए हैं। सीनियर टीम की ओर से उन्होंने पहला गोल 1 मार्च, 2006 को बेसल में क्रोएशिया के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में किया था।

अर्जेंटीना फुटबॉल वेबसाइट के अनुसार, नेशनल टीम के लिए उनके आधे से अधिक गोल आधिकारिक थे। विश्व कप क्वालीफिकेशन में 34, कोपा अमेरिका में 17 और विश्व कप में 13 और अर्जेंटीना वह देश था जहां उन्होंने सबसे अधिक गोल 34 किए।

अभी से गंभीर की कोचिंग का आंकलन न करें : अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि गंभीर को कोच बने अभी कुछ ही समय हुआ है। ऐसे में अभी से ही उनकी कोचिंग का आंकलन करना ठीक नहीं होगा। भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 0-3 की हार के बाद से गंभीर आलोचना का सामना कर रहे हैं। जडेजा ने गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि इतने कम समय में किसी के प्रदर्शन का आंकलन करना सही नहीं है। गंभीर ने अपने कार्यकाल की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के साथ की थी पर इसके बाद टीम को उस दौरे पर एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने इसके बाद टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को 2-0 से पर हराया पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 ये मिली करारी हार के बाद से ही गंभीर पर सवाल उठने लगे। जडेजा ने कहा कि किसी के प्रदर्शन का आंकलन पर्याप्त समय में ही करें। हमें इस समय उनका मूल्यांकन करने की जगह खेल का आनंद उठाना चाहिए। पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बड़ी जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। जडेजा ने कहा कि हर किसी के साथ उतार-चढ़ाव आते हैं, कभी आप जीतते हैं और कभी आप हारते हैं। इसलिए मैं उस दिशा में नहीं जाऊंगा और छह महीने में उनका गंभीर के कामकाज की समीक्षा नहीं करुंगा।

वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

मुंबई,01 दिसंबर (एजेंसियां)। इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें

कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत आ रही...

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस में सवार भारतीयों को धमकाना शुरू किया। उन्होंने भारत विरोधी नारे भी लगाए। इस दौरान बस में सवार यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई।सुशांत चौधरी ने कहा, मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। इसके साथ ही मैं पड़ोसी देश (बांग्लादेश) के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करता हूं। कोलकाता और अगरतला के बीच बसों का संचालन ढाका के रास्ते किया जाता है। इससे यात्रा की दूरी आधे से भी कम हो जाती है। यह विमान यात्रा से सस्ती पड़ती है और असम से ट्रेन से यात्रा करने करने की तुलना में कम समय लगता है। ट्रेन से यात्रा करने में 30 घंटे का समय लगता है।इस घटना पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि अगरतला से यात्रियों को लेकर कोलकाता जा रही बस पर शनिवार को ब्राह्मणबरिया में विश्व रोड पर हमला हुआ। मैं इस मामले में ठोस जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहा हूं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमले पर चिंता जताते हुए सीएम साहा ने कहा कि पूरी दुनिया देख रही है कि बांग्लादेश में हिंदुओं को किस तरह उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा है, इसलिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस से कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के साथ-साथ भारत के खिलाफ घृणा का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। इस्लामी कट्टरपंथी सड़कों पर भारतीयों को निशाना बना रहे हैं, प्रशासन द्वारा हिंदू पुजारियों को पकड़ा जा रहा है, पुलिस द्वारा हिंदू पत्रकारों की आवाज दबाई जा रही है और बांग्लादेशी छात्र शैक्षणिक संस्थानों में खुलेआम तिरंगे का अपमान कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसी तमाम तस्वीरें सामने आई हैं जहां दिख रहा है कि जमीन पर तिरंगे को पेंट करवाकर उस पर छात्रों को चलवाया जा रहा है। उन्हें निर्देश दिए जा रहे हैं कि वो तिरंगे को लात मारते हुए चलें। वहीं इस्कॉन के प्रतीक और इज़राइली झंडे को भी अपमानित किया जा रहा है। ये तस्वीरें मुख्यत: बोगुरा पॉली टेक्निक इंस्टीट्यूट, बांग्लादेश यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (बीयूईटी), ढाका यूनिवर्सिटी (गणित भवन) और नोआखली साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी से सामने आई हैं। प्रोफेसरों ने भी माना है कि बांग्लादेशी छात्र भारत को अपमानित करने के लिए ऐसे काम कर रहे हैं। इन तस्वीरों को देखने के बाद भारतीयों में खासी नाराजगी है। कल ही कोलकाता के टॉप डॉक्टर ने ऐसी एक तस्वीर देख ऐलान किया था कि अगर बांग्लादेश में ये सब हो रहा है तो वो भी बांग्लादेशियों का कभी इलाज नहीं करेंगे।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के जाने के बाद से लगातार हिंदुओं पर अलग-अलग तरह से अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस साल अगस्त में कथित छात्र प्रदर्शन के दौरान एक 17 साल के लड़के की मौत हो गई थी। अब उस मामले में ही बांग्लादेश की पुलिस ने हिंदू पत्रकार मुन्नी साहा को गिरफ्तार किया है। उन्हें भारत का एजेंट बताते हुए इस्लामी कट्टरपंथियों ने उन्हें जनता टावर स्थित दफ्तर के बाहर घेर लिया था और बाद में पुलिस बुलाकर उन्हें अरेस्ट करवाया। उनके ऊपर हत्या का केस लगाया गया है।बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे हैं। 29 नवंबर 2024 को वहां चट्टग्राम पुलिस ने एक और हिंदू पुजारी श्रीश्याम दास प्रभु को गिरफ्तार किया है। 25 नवंबर को बांग्लादेश के इस्कॉन प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद यह दूसरी कार्रवाई है। श्रीश्याम दास प्रभु को उस वक्त पकड़ा गया जब वो चिन्मय कृष्ण दास से मिलने जेल गए थे। उन्हें बिना किसी आधिकारिक वारंट के गिरफ्तार किया गया और सफाई दी गई कि इस प्रकार किसी को भी हिरासत में लेकर बाद में छोड़ा जा सकता है।एक तरफ प्रशासन हिंदुओं को पकड़कर उन्हें सताने में लगा है तो दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर बांग्लादेश के इस्लामी कट्टरपंथी हिंदुओं को मारने का आह्वान खुलेआम कर रहे हैं। इस्लामी कट्टरपंथी सोशल मीडिया पर एक ऐसे हैशटैग टोटल मलाऊं डेथ के साथ पोस्ट साझा कर रहे हैं जिसका मतलब है कि सारे हिंदुओं को मार डाला जाए। मलाऊं शब्द का इस्तेमाल गैर मुस्लिमों/काफिरों के लिए किया जाता है।हिंदुओं के खिलाफ बांग्लादेशी इस्लामी कट्टरपंथियों की ऐसी घृणा को देखने के बाद लोगों ने स्थिति पर चिंता जताई है और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से आग्रह किया है कि वो स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाएं वरना हालात हाथ से निकल जाएंगे। लेकिन, अभी तक सरकार का हिंदू विरोधी घटनाओं के बाद जो रवैया रहा है उसे देख लगता है कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ सरकार ने अपनी आंख मूंद रखी हैं। उन्हें न हिंदुओं के खिलाफ होती हिंसा दिख रही है और न रोते-बिलखते हिंदुओं की आवाज सुनाई पड़ रही है। इस्लामी कट्टरपंथी अब भी हिंदुओं को चुन-चुनकर निशाना बना रहे हैं। इस्कॉन को बंद करने की मांग कर रहे हैं। न्याय मांगने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है। वहीं जो अन्याय कर रहे हैं उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्ध और जैन समुदाय पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब इन हमलों के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत इस्कॉन से जुड़े चार ब्रह्मचारियों को भी बांग्लादेश की सरकार ने गिरफ्तार कर लिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनकी सुरक्षा के लिए दुनिया भर के इस्कॉन मंदिरों में रविवार को विशेष प्रार्थना आयोजित की गई।

बांग्लादेश मुद्दे पर इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी के कमिश्नर गौरांग दास ने कहा, जो कीर्तन हम हर रविवार को आयोजित करते हैं, वह आज बांग्लादेश के सभी भक्तों और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए किया गया। साथ ही भारत के नेतृत्व, बांग्लादेश में हिंदुओं के नेतृत्व के लिए विशेष कीर्तन किया गया। इस्कॉन और इस्कॉन की गवर्निंग बॉडी एक दूसरे के संपर्क में हैं। बांग्लादेश में मौजूद भारत के उच्चायुक्त भी हालात बेहतर करने के लिए सभी के संपर्क में हैं और मिलकर काम कर रहे हैं।इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधा रमन ने बताया कि अब तक बांग्लादेश में 4 इस्कॉन ब्रह्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में से दो चिन्मय दास प्रभु को दवा देने गए, लेकिन पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। चिन्मय दास के सचिव को भी गिरफ्तार किया गया है। पहले एक मंदिर बंद कर दिया गया था, कल एक और मंदिर नष्ट कर दिया गया। उन्होंने गिरफ्तारी का कोई कारण नहीं बताया है। सभी इस्कॉन स्वयंसेवक आज असहाय महसूस कर रहे हैं। हमारे 150 देशों में मंदिर हैं, 850 बड़े मंदिर, एक हजार से अधिक सेंटर्स और करोड़ों इस्कॉन भक्त बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

कोलकाता के बाद अब ...

इसी प्रकार से जेएन रे अस्पताल के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका यह निर्णय बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपमान को लेकर उठाया गया है। अस्पताल के निदेशक शुभ्रांशु भक्त ने कहा कि देश की गरिमा सर्वोपरि है और चिकित्सा सेवा एक महान पेशा होते हुए भी, देश की सुरक्षा और सम्मान सबसे पहले आता है। बांग्लादेश में तख्तापलट होने के बाद से हिंदुओं पर हमलों की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है और पिछले कुछ दिनों से इस्लामी कट्टरपंथी भारतीय तिरंगे को अपमानित करने पर उतर आए हैं। ऐसे में भारत के लोग भी इन कृत्यों का विरोध कर रहे हैं और अपने ढंग से उनका बहिष्कार कर रहे हैं। त्रिपुरा के अस्पतालों से पहले कोलकाता के टॉप डॉक्टर्स ने साफ कहा था कि वो बांग्लादेशियों का इलाज नहीं करेंगे।

अपराध के खिलाफ...

इससे पहले गृह मंत्री ने शुक्रवार को कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत और वर्ष 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सपने को साकार करने में सुरक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला और पूर्वी सीमा पर उभरती सुरक्षा चुनौतियों, अप्रवास और शहरी पुलिस व्यवस्था के रुझानों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। उन्होंने अपराध के खिलाफ शून्य सहनशीलता नीति को लागू करने की दिशा में पहल करने का आह्वान किया। गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अपने पुलिस बल को एक ऐसे तंत्र के रूप में तैयार कर रहा है जो नए युग की चुनौतियों के खिलाफ राष्ट्र की सुरक्षा और अपराध तथा आतंकवाद के मूल कारणों का समाधान करने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि डीजी-आईजी सम्मेलन, सहयोग के माध्यम से हर राज्य में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जानकारी और अनुभव साझा करने मंच के रूप में कार्य करता है।डीजीपी-आईजीपी के 59वें सम्मेलन में देशभर से 250 से अधिकारी शामिल हुए। वहीं, 200 से अधिकारी वर्चुअल तरीके से भी जुड़े। इस वर्ष सम्मेलन में कुछ अनूठी विशेषताएं भी जोड़ी गई हैं। योग सत्र, बिजनेस सत्र, ब्रेक-आउट सत्र से लेकर पूरे दिन का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है। ओड़ीशा में शीर्ष पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन के बीच बीच मीडिया कर्मियों के एक वर्ग को प्रतिबंधित संगठन से धमकी भरा ईमेल मिला है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य व्यक्ति हिस्सा ले रहे हैं। अंग्रेजी और उड़िया में लिखे मेल के साथ एक ऑडियो-विजुअल क्लिप भी अटैच है। ओड़ीशा पुलिस ने इस बीच शनिवार को बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नीले रंग का एक संदिग्ध थैला भी बरामद किया।

आंध्र प्रदेश...

अल्पसंख्यक कल्याण को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया है। सरकार ने वक्फ सम्पत्तियों की रक्षा और प्रशासनिक मुद्दों को हल करने के लिए नया आदेश लागू किया है। इस कदम को वक्फ सम्पत्तियों और अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नया आदेश सरकार की इन सम्पत्तियों के पारदर्शी और प्रभावी प्रबंधन की मंशा को दर्शाता है।

गढ़ी हुई एक...

कहानी बनाई गई है, जिसे कई वर्षों से पढ़ाया जा रहा है और आगे बढ़ाया जा रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी कहा कि टीपू सुल्तान भारतीय इतिहास में एक जटिल शख्सियत हैं, जिन्होंने भारत पर ब्रिटिश औपनिवेशिक नियंत्रण थोपने का विरोध किया। इसके अलावा, कई बार स्थानीय प्रतिद्वंदियों से भी संघर्ष किया। विदेश मंत्री ने कहा कि इतिहास को समझने में अक्सर पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाया जाता है, और टीपू सुल्तान के बारे में भी ऐसा ही हुआ है।

एस जयशंकर ने कहा कि संपत की किताब को जीवनी कहना समझदारी होगी। उन्होंने कहा कि पुस्तक न केवल पाठक को अपना निर्णय लेने के लिए टीपू सुल्तान के बारे में तथ्य प्रस्तुत करती है, बल्कि संदर्भ को उसकी सभी जटिलताओं के साथ भी सामने लाती है। मंत्री ने रेखांकित किया कि उस प्रक्रिया में, संपत को रूढ़िवाद की कई चुनौतियों से पार पाना होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीपू सुल्तान की विदेश नीति के पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने के लिए, टीपू सुल्तान को फ्रांसीसियों के साथ सहयोग करने में कोई झिझक नहीं थी। इससे सीधी विदेशी-विरोधी कहानी पर जोर देना बहुत मुश्किल हो जाता है।

देश में जनसंख्या ...

जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। समाज को जीवित रखने के लिए संख्या महत्वपूर्ण है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने देश की जनसंख्या को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो ऐसे में वह समाज धरती से लुप्त हो जाता है। उन्होंने आगे कहा हमें दो या तीन से अधिक की आवश्यकता है यह संख्या महत्वपूर्ण है।मोहन भागवत ने कहा, कहा, हमें दो या तीन से अधिक बच्चों की आवश्यकता है, यह संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि समाज को जीवित रहना चाहिए। मोहन भागवत ने जनसंख्या को लेकर यह चिंता नागपुर में कथले कुल की बैठक में जाहिर की। संघ प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में जनसंख्या कानून लाने की मांग उठ रही है। साथ ही पिछले दिनों भारत ने आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। भारत में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है, जबकि हिंदू कम संतानें पैदा कर रहे हैं। इस तरह हिंदू खतरे में है और उन्हें ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहिए।इस संबोधन के जरिए संघ प्रमुख ने यह संदेश दिया कि जनसंख्या की संतुलित वृद्धि से समाज की स्थिरता और प्रगति सुनिश्चित होती है। जनसंख्या बढ़ोतरी दर में गिरावट न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी नुकसानदेह हो सकती है और यह हमारे देश के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। दरअसल, आजादी के बाद 1950 में भारत में प्रजनन दर (प्रति महिला जन्म दर) 6.2 थी, जो घटकर 2.0 फीसदी पर पहुंच गई है। अगर ऐसा ही रहा तो 2050 तक भारत में प्रजनन दर 1.3 रह जाएगी।

तेलंगाना के...

कर नक्सलियों का उन्मूलन किया जा रहा है।

ओड़ीशा में बीएसएफ के आईजी सीडी अग्रवाल ने कहा कि इसकी पुष्टि की और कहा कि बीते वर्षों में नक्सलियों की गतिविधियों में काफी कमी आई है। अब ओड़ीशा में प्रतिबंधित संगठन के केवल 60-70 सदस्य ही सक्रिय हैं। बीएसएफ मार्च 2026 तक ओड़ीशा राज्य को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। अग्रवाल ने कहा कि ओड़ीशा में अधिकांश सक्रिय नक्सली पड़ोसी राज्य तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ से हैं। इनमें केवल सात ओड़ीशा से हैं और वे नेतृत्वकारी भूमिका में नहीं हैं। आईजी ने कहा कि नक्सली गतिविधियों को कम करने के मामले में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। कालाहांडी, कंधमाल और बौध के घने जंगलों में आईईडी का खतरा बना हुआ है। वहीं नक्सलियों से जुड़े मादक पदार्थों की तस्करी, गांजा की खेती का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव बाधा बन रहा है।उन्होंने कहा कि बीएसएफ को पहली बार ओड़ीशा में 2010 में तैनात किया गया था, जब नक्सली हिंसा अपने चरम पर थी। बीएसएफ ने यहां खतरनाक इलाकों में नक्सलियों के विरोध में अभियान चलाए और 250-300 नक्सलियों को मार गिराया। बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। साथ ही कट्टर नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने में मदद की है। साल 2024 में तीन खूंखार नक्सलियों को ढेर कर दिया गया और 24 कट्टर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं राज्य में 34 आईईडी, 117 ग्रेनेड और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया।अग्रवाल ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि एक कटे हुए क्षेत्र को स्वाभिमान अंचल में बदलना है। हम ओड़ीशा पुलिस और खुफिया एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय, ड्रोन और सेटेलाइट निगरानी जैसी उन्नत तकनीकों के प्रयोग और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने के साथ मार्च 2026 तक ओड़ीशा से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 2010 से ओड़ीशा में नक्सलियों से लड़ते हुए बीएसएफ के चौदह जवानों ने अपनी जान गंवाई है।केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार ओड़ीशा के सात जिले कालाहांडी, कंधमाल, बोलनगीर, मलकानगिरी, नबरंगपुर, नुआपाड़ा और रायगढ़ा को वामपंथी उग्रवाद क्षेत्र माना गया है। वहीं नक्सली गतिविधियां ज्यादातर कालाहांडी, कंधमाल, बौध, नयागढ़ (केकेबीएन) क्षेत्र तक सीमित हैं।

आउटसोर्स कर्मिया...

की ओर से जारी विज्ञापन के अनुसार अनुभव के लिए 0.5 अंक देने के बाद प्रतिवादी मोनिका की क्लर्क के पद पर नियुक्ति पर विचार किया जाना चाहिए।विश्वविद्यालय ने दलील दी थी, चूंकि महिला अभ्यर्थी को आउटसोर्स नीति के तहत नियुक्त किया गया था, क्लर्क के किसी नियमित या स्वीकृत पद पर नियुक्त नहीं किया था, इसलिए उसके अनुभव को स्वीकृत पद के लिए जरूरी अनुभव के बराबर नहीं माना जा सकता। शीर्ष कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, किसी अभ्यर्थी को अनुभव के लिए कोई अंक देने से सिर्फ इसलिए मना करना कि उसने स्वीकृत पद पर काम नहीं किया, बल्कि उसे आउटसोर्स किया है, वंचितों के लिए समानता और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के संवैधानिक कर्तव्य के विरुद्ध होगा। पीठ ने माना कि ग्रुप-सी पद की भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थी को अनुभव के लिए अंक न देना उचित तथा विधिक नहीं है।

संविधान की प्रस्तावना और अनुच्छेद-38 राज्य के निकायों को यह कर्तव्य सौंपते हैं कि वे लोक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए यथासंभव प्रभावी तरीके से सामाजिक व्यवस्था सुनिश्चित और संरक्षित करें। अवसरों में असमानताओं को खत्म करने का प्रयास करें। प्रत्येक चयन प्रक्रिया का वास्तविक जोर काबिल अभ्यर्थियों में से अनुभवी और अन्य मानदंडों को पूरा करने वाले उपयुक्त उम्मीदवारों को ढूंढ़ना और उनका चयन करना होना चाहिए।

जहां-जहां किया...

पार्टी नेता इस बारे में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं, लेकिन अटकलों का बाजार गर्म है। वैसे अगर मोदी-शाह की कार्यशैली को समझने की कोशिश की जाए तो हर बार किसी नए चेहरे पर दांव लगाने की कोशिश रहती है, पूरा प्रयास होता है कि भविष्य के लिए लीडरशिप को तैयार किया जाए।अगर हाल के चुनावों की बात करें तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, ओड़ीशा कुछ ऐसे प्रमुख राज्य हैं जहां पर भाजपा को अपना मुख्यमंत्री चुनने में जरूरत से ज्यादा वक्त लगा और इन सभी राज्यों में या तो भाजपा ने सरप्राइज किया या फिर किसी नए चेहरे पर अपना दांव चला। बात अगर सबसे पहले ओड़ीशा की हो तो वहां पर पहली बार भाजपा ने अपनी सरकार बनाई थी। नवीन पटनायक के साम्राज्य को कई साल बाद किसी पार्टी ने पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। लेकिन उस राज्य में भाजपा को अपना मुख्यमंत्री चुनने में आठ दिनों का वक्त लग गया। पार्टी ने माझी आदिवासी समुदाय से आने वाले मोहन माझी को अपना मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन बड़ी बात यह रही कि रेस में लगातार धर्मेंद्र प्रधान और मनमोहन संबल जैसे कद्दावर नेता बने हुए थे।राजस्थान का प्रसंग भी सामने है। वहां पार्टी को अपना सीएम चुनने में 9 दिन लग गए। इसका सबसे बड़ा कारण यह था कि वहां वसुंधरा राजे जैसी दिग्गज नेता मौजूद थीं जो पहले भी राजस्थान की कमान संभाल चुकी थीं। ऐसे में वे मानकर चल रही थीं कि एक बार फिर जब पार्टी को जीत मिली है तो ताजपोशी भी उन्हीं की होगी। इसी तरह दिग्गज नेता किरोड़ी लाल मीणा को भी महसूस हो रहा था कि इस बार राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री वे बन सकते हैं। लेकिन हुआ एकदम उलट। नौ दिनों के बाद भाजपा ने भजन लाल शर्मा को अपना मुख्यमंत्री बना दिया।मध्य प्रदेश में जीत का सेहरा शिवराज सिंह चौहान के सिर ही बांधा गया था। लेकिन पार्टी को महसूस हुआ कि अब लीडरशिप बदलने की जरूरत है, ऐसे में यादव समुदाय से आने वाले मोहन यादव को सीएम घोषित कर दिया। यहां भी पार्टी को 72 घंटे से ज्यादा का वक्त लग गया था।इसी तरह छत्तीसगढ़ में भाजपा ने अप्रत्याशित जीत दर्ज की थी। छत्तीसगढ़ को 15 साल तक रमन सिंह के रूप में एक मुख्यमंत्री मिला था, लेकिन भाजपा ने अपनी अप्रत्याशित जीत के बाद सभी को हैरान करते हुए आदिवासी समुदाय से आने वाले विष्णु देव साय को सीएम कुर्सी सौंप दी। इस राज्य में भी भाजपा को अपना मुख्यमंत्री चुनने में पूरा एक हफ्ता लग गया था।अगर उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की बात करें तो 2017 में जब भाजपा ने उत्तर प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाई थी, तब पार्टी को अपना सीएम चुनने में 9 दिन का वक्त लग गया था। बड़ी बात यह रही तब रेस में केशव प्रसाद मौर्य, मनोज सिन्हा जैसे कई बड़े नाम चल रहे थे। लेकिन सरप्राइज देते हुए पार्टी ने हिंदू पोस्टर बॉय योगी आदित्यनाथ को अपना मुख्यमंत्री घोषित कर दिया।

यह तो उन राज्यों की सूची थी जहां भाजपा को 72 घंटे से ज्यादा का वक्त लगा, लेकिन जिस राज्य में पार्टी ने समय से पहले अपना मुख्यमंत्री का चयन किया, वहां या तो चेहरे रिपीट हो जाते हैं या फिर उम्मीद के मुताबिक किसी संभावित नाम की घोषणा की जाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हरियाणा राज्य है। हरियाणा में 2019 के चुनाव में भाजपा ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की थी, तब पार्टी ने काफी कम समय में मनोहर लाल खट्टर को ही एक बार फिर हरियाणा की बागडोर सौंप दी थी।गुजरात में भी जब 2022 में विधानसभा चुनाव हुए, पार्टी ने 48 घंटे से पहले ही भूपेंद्र यादव की फिर ताजपोशी कर दी थी। ऐसे में भाजपा का यह ट्रेंड देवेंद्र फडणवीस की नींद जरूर उड़ा सकता है। भूलना तो यह भी नहीं चाहिए कि भाजपा के अंदर भी महाराष्ट्र में कई दूसरे सीएम उम्मीदवार दिखाई दे रहे हैं। बात चाहे विनोद तावडे की हो, पंकजा मुंडे की हो, चंद्रशेखर की हो या फिर मुरलीधर मोहोल की, सामाजिक और जातीय समीकरण के लिहाज से उनकी उम्मीदवारी भी काफी मजबूत दिखाई देती है।

पांच दिसंबर को...

कहा कि हम एक साथ बैठेंगे और तय करेंगे कि पांच दिसंबर को केवल मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री शपथ लेंगे या मंत्री भी शपथ लेंगे। बैठक कब होगी इसकी जानकारी उन्होंने नहीं दी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि शनिवार को यह निर्णय लिया गया कि उसके विधायक दल का नेता दो दिसंबर को दोपहर एक बजे चुना जाएगा। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि बैठक 3 या 4 दिसंबर तक के लिए टल सकती है। भले ही अभी महायुति ने मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस सबसे आगे हैं।महायुति के सहयोगी दल शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने पहले ही एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को अपने विधायक दल का नेता घोषित कर दिया है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए एक हफ्ता हो चुका है लेकिन सरकार गठन को लेकर कवायद नहीं हुई है।

सोमवार के दिन इन चीजों से करें भगवान शिव का अभिषेक

देवों के देव महादेव को सोमवार का दिन प्रिय है। इस दिन देवों के देव महादेव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। इसके साथ ही सोमवार का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनचाहा वर मिलता है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। भगवान शिव जलाभिषेक से शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा साधक पर बरसती है। भगवान शिव की कृपा से जातक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है। अगर आप भी धन संबंधी परेशानी से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन इन चीजों से भगवान शिव का अभिषेक करें।

सोमवार के उपाय

✼ अगर आप करियर और कारोबार में सफलता पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय शुद्ध शहद से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होता है।

✼ अगर आप धन संबंधी परेशानी से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन पूजा के समय गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलती है।

✼ ज्योतिषियों की मानें तो भगवान शिव महज जलाभिषेक से प्रसन्न हो जाते हैं। अतः सोमवार के दिन आप गंगाजल से भी भगवान शिव का अभिषेक कर सकते हैं। वहीं, मनचाहा वर पाने के लिए गाय के कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से मनचाहा जीवनसाथी मिलता है।

✼ अगर आप सुखों में वृद्धि पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद श्वेत वस्त्र धारण करें। इसके बाद गंगाजल में सुगंध या खुशबू, सफेद फूल और शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से महादेव की कृपा जातक पर बरसती है। वहीं, कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है।

✼ अगर आप कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों के प्रभाव से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन गंगाजल में काला तिल, बेलपत्र और भांग का पत्ता मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त हो जाता है।

गीता जयंती के दिन क्यों मनाई जाती है मोक्षदा एकादशी? क्या है इसकी वजह

पंचांग के अनुसार, हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर व्रत किया जाता है। इस तिथि पर जगत के पलाहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की उपासना की जाती है। साथ ही श्रीहरि की कृपा प्राप्ति के लिए दान भी किया जाता है। मार्गशीर्ष माह में मोक्षदा एकदशी व्रत किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को विधिपूर्वक करने से सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस एकादशी को मौना एकादशी और मौन अग्यारस के नाम से भी जाना जाता है। क्या आप जानते हैं कि गीता जयंती के दिन मोक्षदा एकादशी व्रत क्यों किया जाता है? अगर नहीं पता, तो ऐसे में चलिए जानते हैं कि मोक्षदा एकादशी व्रत करने की वजह के बारे में।

ये है वजह – धार्मिक मान्यता के अनुसार, मोक्षदा एकादशी का व्रत करने से जातक को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। इस दिन उपासना करने से जातक के पापों का नाश होता है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

पौराणिक कथा के अनुसार, द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने मोक्षदा एकादशी के दिन अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। गीता एक महान ग्रंथ है, जिसकी वजह से इस दिन गीता जयंती मनाई जाती है। इस व्रत का महत्व वैखानस नाम के एक राजा ने महात्मा को बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से पापों से मुक्ति मिलती है और सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। इसी वजह से हर साल मार्गशीर्ष माह में मोक्षदा एकदशी व्रत करने का विधान है।

मोक्षदा एकादशी 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी तिथि की शुरुआत 11 दिसंबर को देर रात 03 बजकर 42 मिनट से होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 12 दिसंबर को देर रात्रि 01 बजकर 09 मिनट पर होगा। इस प्रकार मोक्षदा एकादशी व्रत 11 दिसंबर को किया जाएगा।

मोक्षदा एकादशी 2024 व्रत का पारण समय

व्रत का पारण करने का समय 12 दिसंबर को सुबह 07 बजकर 05 मिनट से लेकर 09 बजकर 09 मिनट तक है। व्रत का पारण करने के बाद अन्न और धन का दान करना चाहिए।

विनायक चतुर्थी पर भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, रिद्धि-सिद्धि रहेंगी मेहरबान

विनायक चतुर्थी का व्रत बेहद शुभ माना जाता है। यह दिन बुद्धि के स्वामी भगवान गणेश की पूजा के लिए समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन शुभकर्ता की पूजा-अर्चना और व्रत करने से जीवन की सभी समस्याएं दूर होती हैं। यह दिन शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को पड़ता है। इस साल यह व्रत 05 दिसंबर को रखा जाएगा। कहते हैं कि अगर इस दिन बप्पा को कुछ खास चीजें अर्पित की जाएं, तो उसका दोगुना फल प्राप्त होता है, तो आइए जानते हैं कि राशि अनुसार, उन्हें क्या चाहिए।

बप्पा को राशि अनुसार जरूर चढ़ाएं ये चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को विनायक चतुर्थी पर गणेश जी को लाल फूल अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस पावन दिन पर बप्पा को मोदक का भोग लगाना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर बप्पा को दुर्वा अर्पित करनी चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को इस शुभ दिन पर गणेश जी को सिंदूर अर्पित करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर विघ्नहर्ता को बूंदी के लड्डू चढ़ाने चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस शुभ अवसर पर बप्पा को केले का भोग लगाना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को विनायक चतुर्थी पर भगवान गणेश को लाल वस्त्र अर्पित करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर गौरी पुत्र गणेश को गंगाजल अर्पित करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन पर केसर मिश्रित खीर का भोग गणेश जी को लगाना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को विनायक चतुर्थी पर श्री गणेश को शमी पत्र अर्पित करने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के लोगों को इस तिथि पर शिव पुत्र को काले तिल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर गणेश जी को बेसन के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

क्या आपको भी सपने में दिखते हैं ये 4 पक्षी? समझ लें जल्द बदलेगी फूटी किस्मत

सनातन धर्म में मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। मां लक्ष्मी की पूजा करने से आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही धन संबंधी परेशानी हमेशा के लिए दूर हो जाती है। ज्योतिष भी आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए मां लक्ष्मी की पूजा करने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि धन प्राप्ति या किस्मत बदलने से पहले कई विशेष संकेत मिलते हैं। ये संकेत कई बार सपनों के माध्यम से मिलते हैं। इन सपनों का मतलब यह होता है कि जल्द ही आपकी किस्मत बदलने वाली है। मां लक्ष्मी की कृपा से धन की समस्या दूर होगी। अगर आप भी अपने सपने में ये 4 पक्षी देखते हैं, तो समझ लें जल्द ही आपकी किस्मत बदलने वाली है।

शादी के सपने

सपने में उल्लू देखना शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के जानकारों की मानें तो सपने में उल्लू देखना किस्मत के दरवाजे खुलने जैसा है। इस सपने का मतलब है कि जल्द आपकी फूटी किस्मत बदलने वाली है। धन की देवी मां लक्ष्मी आप पर प्रसन्न हैं। उनकी कृपा आप पर बरसने वाली है। उनकी कृपा से धन संबंधी परेशानी दूर हो जाएगी। साथ ही आय और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

स्वप्न शास्त्र के जानकारों की मानें तो सपने में नीलकंठ पक्षी को देखना बेहद शुभ होता है। सपने में नीलकंठ देखने का मतलब होता है कि जल्द ही आपकी किस्मत बदलने वाली है। देवों के देव महादेव की कृपा आप पर बरसने वाली है। उनकी कृपा से आपके सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। साथ ही घर में खुशियों का आगमन होगा। आपकी मनोकामना पूरी होने वाली है। महादेव की कृपा से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

अगर आप सपने में गरुड़ को देखते हैं, तो समझ लें कि जल्द ही आपका भाग्योदय होने वाला है। जगत के पालनहार भगवान विष्णु की कृपा से सकल मनोरथ सिद्ध होंगे। आपके सभी बिगड़े कार्य बन जाएंगे। अन्न और धन में वृद्धि होगी। वास्तु दोष दूर होगा। घर में सकारात्मक शक्ति का संचार होगा। परिवार के लोगों के मध्य संबंध मधुर होंगे। मां लक्ष्मी की कृपा से धन संबंधी परेशानी दूर होगी।

सपने में मोर देखना भी शुभ माना जाता है। इस सपने का मतलब है कि आने वाले समय में आप पर भगवान कृष्ण की कृपा बरसने वाली है। उनकी कृपा से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाएंगे। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। आपको विशेष कार्य में सफलता मिलेगी। इसके साथ ही घर में मंगल कार्य का आयोजन होगा।

घर की दक्षिण दिशा में रखें ये 4 चीजें जीवन में कभी नहीं होगी धन की कमी

वास्तु शास्त्र में वर्णित उपाय जातक के जीवन के लिए फलदायी साबित होते हैं। सनातन धर्म में झाड़ू को धन की देवी मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है। वास्तु शास्त्र में झाड़ू को घर में रखने की शुभ दिशा भी बताई गई है। इस नियम का पालन करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। साथ ही जातक को जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। ठीक इसी प्रकार ऐसी कई चीजें हैं, जिन्हें घर की शुभ दिशा में रखने से धन लाभ के योग बनते हैं।

आर्थिक समस्या होगी दूर

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू का संबंध धन की देवी मां लक्ष्मी से माना गया है। ऐसे में झाड़ू को घर की सही दिशा में रखना बेहद आवश्यक होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू को घर की दक्षिण में रखना चाहिए। इससे घर में सदैव मां लक्ष्मी का वास होता है और आर्थिक समस्या दूर होती है।

पति-पत्नी के रिश्ते होंगे मजबूत

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेड का सिरहाना दक्षिण दिशा में होना शुभ माना जाता है। इससे दांपत्य जीवन सदैव सुखमय होता है और पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आती है। इसके अलावा दांपत्य जीवन में आ रही बाधा दूर होती है।

जीवन में कभी नहीं धन की कमी

घर की कीमती चीजों (सोना और चांदी) को दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस नियम का पालन करने से घर में सदैव बरकत बनी रहती है और जातक को जीवन में धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है।

रुका हुआ धन होगा प्राप्त

इसके अलावा घर की दक्षिण दिशा में तुलसी और मनी प्लांट लगाना चाहिए। इससे धन से सदैव तिजोरी भरी रहती है और रुका हुआ धन प्राप्त होता है। साथ ही घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है। क्योंकि तुलसी का पौधा पूजनीय है। इस पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है।

ये दिशा भी होती हैं शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण के अलावा उत्तर दिशा को भी शुभ माना जाता है। किसी नए काम की शुरुआत के दौरान उत्तर दिशा की तरफ मुंह होना उत्तम माना जाता है। इससे काम में सफलता प्राप्त होती है। इसके अलावा पूजा के दौरान जातक का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना शुभ माना गया है।

रोजाना करें इन मंत्रों का जप, देखते-देखते सभी समस्याओं का होगा निवारण

हिंदू धर्म में पूजा के दौरान मंत्रों के जप को विशेष महत्व दिया गया है। धार्मिक दृष्टि के साथ-साथ मंत्रोंच्चाण को शारीरिक दृष्टि से भी लाभकारी माना गया है। साथ ही रोजाना मंत्रों के जप से जापक को जीवन में सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिलते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे मंत्र बताने जा रहे हैं, जिनका रोजाना जप करने से आप जीवन की कई समस्याओं से राहत पा सकते हैं।

सुबह करें इस मंत्र का जप

कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती,
करमूले स्थितो ब्रह्मा प्रभाते करदर्शनम

रोजाना सुबह उठकर आपको अपनी हथेलियों को देखते हुए इस मंत्र का जप करना चाहिए इसके बाद अपने हाथों को पूरे चेहरे पर फेर लें। रोजाना ऐसा करने से साधक के लिए धन-समृद्धि में वृद्धि के योग बनने लगते हैं। माना जाता है कि रोजाना इस मंत्र के जप से साधक को मां लक्ष्मी के साथ-साथ ब्रह्मा और सरस्वती जी का भी आशीर्वाद मिलता है।

गायत्री मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य
धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।।

गायत्री मंत्र काफी प्रभावशाली मंत्र माना जाता है। यदि आप इस मंत्र का रोजाना जप करते हैं, तो इससे आपको जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। अधिक लाभ के लिए आपको रोजाना सूर्योदय के समय इस मंत्र का जप करना चाहिए। गायत्री मंत्र के रोजाना कम से कम 108 बार जप करना चाहिए। इससे नकारात्मकता भी दूर बनी रहती है और शांति का अनुभव होता है।

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ।।

महामृत्युंजय मंत्र, भगवान शिव को समर्पित मंत्र है, जिसे बेहद प्रभावशाली मंत्रों में से एक माना जाता है। इस मंत्र के रोजाना जाप से साधक के मन से भय, तनाव और चिंता दूर होते हैं। रोजाना सुबह कम-से-कम 108 बार महामृत्युंजय मंत्र जप करना चाहिए।

ओम नमः शिवाय

यह मंत्र भी भगवान शिव का ही एक प्रभावशाली मंत्र है, जो सरल होने के साथ-साथ काफी असरदार भी है। इस मंत्र के रोजाना जप से साधक को भय, तनाव और चिंता से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही जीवन में व्याप्त नकारात्मकता भी दूर होती है।

किस दिशा में कौन-सा पौधा लगाएं जिससे धन से हमेशा भरी रहे तिजोरी

सनातन धर्म में कई पेड़ और पौधों का बहुत अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। शास्त्रों की मानें कुछ विशेष पौधों में किसी न किसी देवी-देवता का वास माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। इस पौधे की पूजा-अर्चना करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी को शुभ दिशा में लगाने से धन से तिजोरी सदैव भरी रहती है और परिवार के सदस्यों को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

धन से भरी रहेगी तिजोरी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी के पौधे को घर की उत्तर दिशा में लगाना उत्तम माना जाता है। इस दिशा में तुलसी के पौधे को लगाने से जातक के जीवन में खुशियों का आगमन होता है और जीवन में कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होती है। साथ ही धन से सदैव तिजोरी भरी रहती है। इस पौधे को पूर्व दिशा में लगाने से परिवार में खुशहाली आती है।

सुख और समृद्धि में वृद्धि होगी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मनी प्लांट को घर के अंदर लगाना शुभ माना जाता है। इस पौधे को लगाने के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा को शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से सुख और समृद्धि में वृद्धि होती है। वास्तु शास्त्र की मानें इस दिशा को कुबेर और बुध से जोड़कर देखा जाता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है।

पति-पत्नी के रिश्ते होंगे मजबूत

अगर आप दाम्पत्य जीवन खुशहाल चाहते हैं, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, चमेली के पौधे को घर की दक्षिण दिशा में लगाएं। इस दिशा में चमेली के पौधे को लगाना फलदायी माना जाता है और पति-पत्नी के रिश्तों में मधुरता आती है। साथ ही घर में सदैव सकारात्मक ऊर्जा वास होता है।

ऐसा करने वाली पहली फिल्म बनी

रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने तोड़ा 52 साल का यह रिकॉर्ड

पुष्पा 2: द रूल मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म बनकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। फिल्म के हर दिन कुल 18 शो होंगे। इस तरह अल्लू अर्जुन की यह फिल्म सिनेमा जगत में 52 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने वाली है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को पहले से ही शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, सीटें तेजी से भर रही हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम में, मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि फिल्म विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ 12,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। अब यह गेयटी-गैलेक्सी के सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है, एक मल्टीप्लेक्स जो आमतौर पर केवल दो या तीन स्क्रीनों पर फिल्में दिखाता है।पुष्पा 2: द रूल छह सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी जिनमें गेयटी, गैलेक्सी, जेमिनी, गॉसिप, जेम और ग्लैमर शामिल हैं। अतीत में, अधिकांश फिल्में इनमें से केवल दो या तीन थिएटरों में दिखाई जाती थीं। 1000 सीटों वाली गेयटी में दोपहर 1:00 बजे, शाम 5:00 बजे और रात 9:00 बजे शो होंगे, जबकि 800 सीटों वाली गैलेक्सी में दोपहर 12:00 बजे, शाम 4:00 बजे और 8:00 बजे फिल्म दिखाई जाएगी। अन्य थिएटर भी दिन भर में अलग-अलग समय पर फिल्म की मेजबानी करेंगे।प्रतिदिन 18 शो चलाने का निर्णय इस मल्टीप्लेक्स के लिए पहला है, जो फिल्म की भारी मांग और लोकप्रियता को उजागर करता है। शो की संख्या को सीमित करने वाले 200 मिनट के लंबे समय के बावजूद, फिल्म उत्साह बनाए रखने में कामयाब रही है। विशेष रूप से तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।पुष्पा 2: द रूल की उच्च मांग को मद्देनजर रखते हुए दोनों राज्य सरकारों ने टिकट की कीमत 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित करते हुए बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह केवल रिलीज के पहले चार दिनों, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक लागू होगा। यह इसे किसी तेलुगु फिल्म के लिए अब तक की सबसे ऊंची टिकट कीमतों में से एक बनाता है।

मीरा राजपूत ने नवंबर में बिताए कुछ खास पलों को किया याद

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ नवंबर में बिताए गए कुछ खास पलों को शेयर किया। शाहिद कपूर की पत्नी अपनी एक खास पहचान रखती हैं। वह अपने जीवन से जुड़े खास पलों को अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। नवंबर खत्म होने से पहले मीरा ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में उन्हें अपने दोस्तों के साथ देखा जा सकता है। शेयर की गई फोटो में उनके स्किनकेयर रूटीन की झलक भी देखी जा सकती है।

हाल ही में मीरा राजपूत अपने अभिनेता पति शाहिद कपूर के साथ एक पारिवारिक शादी में शामिल हुईं, जिसमें अभिनेता ने अपने जोशीले गाने गंदी बात पर अपने डांस मूव्स दिखाए। इस कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। एक क्लिप में कपूर को दुल्हन के साथ थिरकते हुए देखा गया।

21 नवंबर को जोड़े को एक शादी में देखा गया 'हैदर' अभिनेता यहां क्लासिक ऑल-व्हाइट कुर्ता-पायजामा पहने दिखाई दिए। वहीं उनकी पत्नी मीरा एक साधारण लेकिन स्टाइलिश फ्लोरल ड्रेस में दिखाई दीं। शाहिद और मीरा ने 2015 में अरेंज मैरिज के साथ अपने शादीशुदा जीवन में कदम रखा।

बता दें कि मीरा मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली हैं। मीरा ने 2016 बेटी मीशा कपूर का जन्म दिया। 2018 में मीरा ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने ज़ैन कपूर रखा। शाहिद अगली बार आगामी एक्शन-ड्रामा देवा में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज की तारीख आगे बढ़ा दी गई है। पहले यह फिल्म 14 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। मगर अब यह 31 जनवरी को सिनेमाघरों में आएगी।

इसकी घोषणा करते हुए निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आराम से बैठिए, क्योंकि इंतजार अब कम हो गया है, 'देवा' 31 जनवरी, 2025 सिनेमाघरों में आएगी। हम आपको उम्मीद से पहले यह एक्शन से भरपूर थ्रिलर दिखाने के लिए उत्साहित हैं। अपने कैलेंडर पर यह तारीख दर्ज कर लें और एक ऐसे रोमांचक अनुभव के लिए तैयार हो जाएं, जिसे आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

अभिनेत्री से निर्देशक बनीं कैटरीना कैफ!

हिला डालेगा डेब्यू प्रोजेक्ट का धांसू वीएफएक्स, फैंस एक्साइटेड

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ को पिछली बार मैरी क्रिसमस में नजर आई थी। यह फिल्म इसी साल 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खान नहीं चली। लेकिन कैटरीना कैफ की अभिनय को काफी सराहा गया। वहीं, अब कैटरीना कैफ के नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लेकिन खास बात ये है कि एक्ट्रेस इस बार डायरेक्टोरियल में डेब्यू करने जा रही हैं।सोशल मीडिया पर कैटरीना कैफ के अपकमिंग प्रोजेक्ट का एक टीजर वायरल हो रहा है। वायरल टीजर में दमदार वीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया है। वायरल वीडियो की शुरुआत एक बर्फीले जगह से होती है, जहां कैटरीना तेज एयर बाइक चलाते हुए नजर आती हैं। इस दौरान कुछ ड्रोन की झलक दिखाई जाती है, जो एक्ट्रेस पर फायरिंग करती हैं। वीडियो के आखिरी में कैटरीना कैफ द्वारा निर्देशित लिखा हुआ आता है। फिलहाल ईटीवी भारत इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इस वीडियो को शियोमी का विज्ञापन बता रहे हैं। एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर ने यह वीडियो साझा करते हुए लिखा है, कैटरीना अपने आगामी शियोमी विज्ञापन में एक्शन अवतार में। एक अन्य यूजर ने लिखा है, मैं इसके लिए काफी एक्साइडेट हूं। कैटरीना जल्द ही शियोमी के लिए आ रही हैं।वायरल हो रहे इस वीडियो की पूरी झलक कब रिलीज होगी और इसका नाम क्या है, इस पर अभी तक कोई भी सामने नहीं आई है। वहीं, कैटरीना कैफ की ओर से भी इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि एक्ट्रेस ने काफी समय से अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। अब देखना होगा कि एक्टिंग से सबका दिल जीतने वाली कैटरीना अब अपने डायरेक्टोरियल डेब्यू प्रोजेक्ट से कितना धमाल मचाती हैं।

खूबसूरत वादियों में स्नो बाइक चलाती नजर आईं निमरत कौर, बोलीं- बताओ कौन सी जगह

बॉलीवुड अभिनेत्री निमरत कौर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एक रोमांचक वीडियो शेयर की, जिसमें वह आइस स्कूटर चलाती नजर आ रही हैं। 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री ने मजेदार वीडियो के साथ मजेदार कैप्शन भी दिया है। 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों और एक वीडियो को शेयर कर अपने प्रशंसकों को शानदार झलक दिखाई। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, दिसंबर में जूम, जगह गेस करो, ठंडक का अहसास। वीडियो में निमरत खिलखिलाकर हंसती और स्नो बाइक चलाती नजर आ रही हैं।

पहली तस्वीर में वह एक आइस बाइक पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और बर्फ से ढके पहाड़ों के सामने खुश अंदाज में पोज दे रही हैं। इससे पहले उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया कि वह नाश्ते में डोसा और इडली खा रही हैं।

42 वर्षीय अभिनेत्री की गिनती इंडस्ट्री की खूबसूरत और स्टाइलिश अभिनेत्रियों में की जाती है। निमरत कौर के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह पिछली बार 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने बेला बरोट का किरदार निभाया था। मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित रहस्य-थ्रिलर में निमरत के साथ राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध भावे भी अहम रोल में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार निमरत को अक्षय कुमार स्टारर प्रोजेक्ट 'स्काई फोर्स' में नजर आएंगी। आने वाली फिल्म अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी द्वारा निर्देशित है और 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

ग्रीस जाना चाहती हैं माधुरी दीक्षित, श्रीराम नेने संग दिखाई खूबसूरत झलक

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अदाकारा माधुरी दीक्षित ने पति श्रीराम नेने के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर खास इच्छा जाहिर की है।

ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मुझे वापस ग्रीस ले चलो। 'धक धक गर्ल' ने बताया कि वह ग्रीस जाना चाहती हैं। शेयर की गई अनदेखी तस्वीरों में अभिनेत्री और नेने साथ में बेहद प्यारे लग रहे हैं। जोड़ा देश के कई जगहों पर खूबसूरत और रोमांटिक पोज देता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार माधुरी की ये तस्वीरें पुरानी हैं, जो कि उन्होंने शादी की सालगिरह ग्रीस में मनाने के दौरान ली थीं। तस्वीरों पर उनके फैंस मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। धक धक गर्ल सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने खूबसूरत पोस्ट से इंटरनेट को गुलजार रखती हैं। इसी कड़ी में हाल ही में माधुरी अपनी फिल्म 'भूल भुलैया' के सह-कलाकार कार्तिक आर्यन के साथ 'हम आपके हैं कौन' के लोकप्रिय गाने 'पहला पहला प्यार है' पर झूमती नजर आईं। इंडस्ट्री के डैशिंग स्टार और 'भूल भुलैया' के 'रूह बाबा' कार्तिक आर्यन ने 'मंजुलिका' माधुरी दीक्षित के साथ 'पहला पहला प्यार है' गाने पर डांस किया।

माधुरी दीक्षित के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो अभिनेत्री 1 नवंबर को दीपावली के अवसर पर रिलीज हुई फिल्म 'भूल भुलैया' में नजर आई थीं। बॉक्स ऑफिस पर सफल रही फिल्म में माधुरी के साथ विद्या बालन, तृप्ति डिमरी, कार्तिक आर्यन, राजपाल यादव और संजय मिश्रा अहम रोल में हैं। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी हॉरर-कॉमेडी 'भूल भुलैया 3' को काफी अच्छे रिएक्शंस मिले।

ज्योति पूर्वाज अभिनीत एक्शन थ्रिलर फिल्म किलर का मोशन आउट

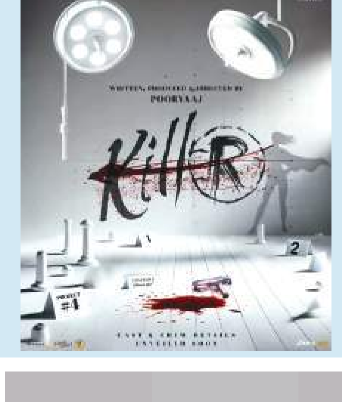

कई हिट धारावाहिकों और फिल्मों में काम कर चुकीं नायिका ज्योति पूर्वाज सोशल मीडिया पर सनसनी बन गई हैं और पूरे भारत में दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। निर्देशक पूर्वाज, जिन्हें शुक्र, मातारानी मौनीदी और ए मास्टरपीस जैसी विविधतापूर्ण फिल्मों के लिए जाना जाता है, अपनी नवीनतम एक्शन थ्रिलर किलर के साथ धूम मचाने के लिए तैयार हैं। टीम ने किलर पार्ट 1: ड्रीम गर्ल के शीर्षक के साथ मोशन पोस्टर का अनावरण किया। मोशन पोस्टर में एक शक्तिशाली महिला, एक बंदूक और शतरंज के मोहरों को दिखाया गया है, जो एक मजबूत प्रभाव छोड़ते हैं। थिंक सिनेमा और मर्ज एक्सआर के बैनर तले पूर्वाज और प्रजय कामत द्वारा निर्मित, यह फिल्म उनके दूसरे सहयोग को दर्शाती है। पूर्वाज किलर में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। फिल्म के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही सामने आएगी। अतिरिक्त मुख्य कलाकारों की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने बच्चे का प्रदर्शन आपको बहुत खुशी देगा। अनचाहा कोई मेहमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन सामानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। आज आपका मन खुश होगा और आप अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों पर पैसे खर्च करने का आनंद लेंगे। प्रेम हमेशा आत्मीय होता है और यही बात आप आज अनुभव करेंगे। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन आपकी ज़िन्दगी के सबसे रोमानी दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के लिए करने की ख़ास ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके खर्चों और बिल आदि को संभाल लेगा। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आज जीवन के कई अहम मुद्दों पर आप घरवालों के साथ बैठकर बात कर सकते हैं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है। आपको कोई सरप्राइज़ मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आज आपका धन कई चीज़ों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता है इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। आज आपको ढेरों दिलचस्प निमंत्रण मिलेंगे– साथ ही आपको एक आकस्मिक उपहार भी मिल सकता है। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मन में आज अपने किसी ख़ास को लेकर निराशा रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़्यादाशील लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। शेयर और एंटोक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। यहां चलाते हैं तो आज थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़्याल रखें। आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएं, उनपर विचार करें लेकिन धन तभी लगाएं जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। आज ही लंबे वक्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपने समय की क़ीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं ग़लत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आज के दिन का अच्छा प्रयोग आप उज्ज्वल भविष्य की योजना बनाने के लिए कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ऊर्जा और उत्साह का अतिरेक आपको घेर लेगा और आप सामने आने वाले सभी मौक़ों का भरपूर फ़ायदा उठाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। जीवनसाथी के साथ ख़ुशियों मनाएंगे। इससे आप दोनों के बीच की समझ में भी इज़ाफ़ा होगा। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें, क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज खाली वक्त में रचनात्मक काम करने का प्लान तो बनाएंगे लेकिन उनका यह प्लान पूरा नहीं हो पाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़्याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था उन्हें उस निवेश से फ़ायदा होने की पूरी संभावना है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। आपके जीवनसाथी की सुस्ती आपके कई कामों पर पानी फेर सकती है। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कल–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। यात्रा के चलते रूमानी संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। इस राशि के उम्रदराज़ जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खाने–पीने वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तली–भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मज़बूत रहेगा। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आज समय की नज़ाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएंगे। असंजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 02 दिसंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 12:45 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा सायं 03:46 तक
योग : धृति सायं 03:59 तक
करण : बव दोपहर 12:45 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक सायं 03:46 तक
सूर्योदय : 06:30 , सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाड़ा)
शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00 राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00 दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष :– गण्डमूल चालू है , ज्येष्ठा में रवि रात्रि 09:00 से , चन्द्रदर्शन

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल कैबिनेट का ऐतिहासिक निर्णय है धर्मांतरण बिल : जवाहर सिंह

जयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कैबिनेट में धर्मांतरण रोकने के लिए बिल को मंजूरी मिल गई है। इस विषय पर प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने रविवार को आईएएनएस से करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा की।

जवाहर सिंह बेढम ने कहा, धर्मांतरण पर कानून बनाने को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्णय का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। इसकी आवश्यकता थी, क्योंकि बहला–फुसला कर, प्रलोभन देकर या जबरदस्ती धर्मांतरण की शिकायत जगह–जगह से आ रही थी।

भाजपा नेता ने कहा कि किसी की आस्था और संस्कृति बचाने के लिए इसकी आवश्यकता थी। ऐसे में कल भजनलाल शर्मा की कैबिनेट ने जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, वो स्वागत योग्य है। यह बिल भजनलाल शर्मा के स्वयं के विवेक, सोच और राज्य के हित में लिए गए फैसले का आधार है। बता दें कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में शनिवार को हुई कैबिनेट बैठक में 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन बिल 2024' को मंजूरी दी गई। कानून मंत्री जोगाराम पटेल इस बिल को राजस्थान के आगामी विधानसभा सत्र में पेश करेंगे।

उन्होंने इस संबंध में पत्रकार वार्ता कर कहा, जिस तरह प्रदेश में धर्मांतरण के मामले प्रकाश में आए हैं, उसके मद्देनजर यह बिल विधानसभा में पेश किए जाने का फैसला किया गया है। इससे पहले उत्तर प्रदेश में 2021, मध्य प्रदेश में 2021, उत्तराखंड में 2018, गुजरात में 2021, हिमाचल प्रदेश में 2019, झारखंड में 2017 में, कर्नाटक में 2022, ओडिशा में 1967 में धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाया जा चुके हैं। इसके अलावा, कई अन्य प्रदेशों में भी धर्मांतरण के विरुद्ध कानून बनाए गए हैं। इसे देखते अब हमने भी यह कदम उठाने का फैसला किया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 2008 में वसुंधरा सरकार में धर्मांतरण बिल लाया गया था। 16 साल से यह बिल केंद्र के पास अटका हुआ था। जिसे अब तक राष्ट्रपति ने मंजूरी नहीं दी थी। लेकिन, अब वसुंधरा सरकार में पारित हुआ धर्मांतरण बिल भी भजनलाल सरकार वापस लेगी और धर्मांतरण पर नया बिल पेश करेगी।

राजेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान सरकार के धर्मांतरण विरोधी बिल का किया स्वागत

जयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व चिकित्सा मंत्री राजेंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान सरकार द्वारा लाए जा रहे 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन' के बिल का स्वागत किया। उन्होंने कहा, पिछले कई दिनों से देशभर में धर्मांतरण और लव जिहाद से जुड़े मामले प्रकाश में आए हैं। यह सांप्रदायिक सद्भाव को कायम करने वाला काम होगा।

उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, सरकार की तरफ से इस संबंध में कई नीतियां भी जारी की गई हैं। आमतौर पर इस तरह की नीतियां वो सरकार जारी करती है, जो पारदर्शी तरीके से शासन को चलाने में विश्वास रखती है। इस बीच, उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक गतिविधियों पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने एमएसएमई का जिक्र करते हुए इसे प्रदेश की जान बताया। उन्होंने पर्यटन का भी जिक्र किया और कहा कि यह जीएसडीपी का बहुत बड़ा कंपोनेंट है।

उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में हम लोग डेढ़ लाख करोड़ का एक्सपोर्ट करने जा रहे हैं। इस संबंध में राज्य सरकार की तरफ से नीति लाई जा चुकी है। मैं कई सरकारों का साक्षी रहा हूं। यह पहली सरकार है, जो लगातार नीति लेकर आ रही है। हर व्यक्ति उस नीति के आधार पर काम कर सकता है। बता दें कि राजेंद्र सिंह राठौड़ अजमेर में किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इस बीच, उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान विभिन्न मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।

शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन' बिल लाने का फैसला किया गया। यह बिल धर्मांतरण गतिविधियों पर रोक लगाने के मकसद से लाया जा रहा है।

'राइजिंग दौसा इन्वेस्टर्स मीट' आज 2094.72 करोड़ के 95 एमओयू होंगे

दौसा,30 नवंबर (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन–वेस्टमेंट समिट–2024 के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय इन्वेस्टर्स मीट 'राईजिंग दौसा इन्वेस्टर्स मीट' का आयोजन 2 दिसम्बर को सुबह 10 बजे जयपुर रोड स्थित होटल लक्ष्मी पैलेस में किया जाएगा।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महाप्रबंधक मेघराज मीणा ने बताया कि दौसा इन्वेस्टर्स मीट में लगभग 2094.72 करोड़ रुपए के 95 एमओयू किए जाएंगे, जिनसे लगभग 5818 लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन्वेस्टर्स मीट में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ होंगे। मीट में जिले के प्रमुख औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि, लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि एवं औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि तथा निवेशक भाग लेंगें। इस अवसर पर जिले के एक जिला एक उत्पाद के तहत सिकंदरा स्टोन आर्टिकल एवं लवाण दरी के साथ

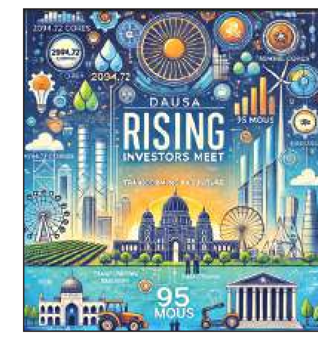

अन्य एमएसएमई उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

इन्वेस्टर्स मीट में प्रमुखतः ऊर्जा, शिक्षा, मिनरल ग्राईंडिंग, होटल एवं पर्यटन, एग्रो प्रोसेसिंग, हॉस्पिटल आदि क्षेत्रों के एमओयू संपादित किए जायेंगे, जिनमें ऊर्जा क्षेत्र के 1142.72 करोड़ रूपए के 8 एमओयू किये जायेंगे, जिनसे लगभग 1188 लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। इसी प्रकार शिक्षा क्षेत्र के 642.18 करोड़ रुपए के 11 एमओयू किए जायेंगे, जिनसे शिक्षा क्षेत्र में लगभग 3000 लोगों को रोजगार मिलेगा। मिनरल ग्राइंडिंग क्षेत्र में 60.65 करोड़ रुपए के 22 एमओयू किए जायेंगे, जिनसे 336 लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। होटल एवं पर्यटन क्षेत्र के 32.20 करोड़ रुपए के 8 एमओयू किये जायेंगे, जिनसे इस क्षेत्र में लगभग 161 लोगों को रोजगार मिलेगा। एग्रो प्रोसेसिंग क्षेत्र के 30.10 करोड़ रुपए के 10 एमओयू किए जायेंगे, जिससे इस क्षेत्र में लगभग 160 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी प्रकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के 20.35 करोड़ रूपए के 6 एमओयू किए जायेंगे, जिनसे इस क्षेत्र में लगभग 115 लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में हॉस्पिटल के 15.50 करोड़ रुपए के 3 एमओयू किए जायेंगे, जिनसे इस क्षेत्र में लगभग 53 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों में 151.02 करोड़ रुपए के 27 एमओयू किए जायेंगे, जिनसे लगभग 805 लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा।

बॉर्डर सिक्योरिटी को लेकर बीएसएफ के जवानों ने किया अद्भुत काम : गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर दौरे के दौरान कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत की सीमाएं सुरक्षित रहें, इसके लिए भारत में सीमा पर गश्त के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का गठन किया गया था। अटल जी के कार्यकाल के दौरान यह निर्णय हुआ था कि एक सेना को एक सीमा की रक्षा करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, बीएसएफ केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के रूप में काम कर रही है। बॉर्डर

सिक्योरिटी को लेकर बीएसएफ के जवानों ने अद्भुत काम किया है। मुझे लगता है कि विश्व भर में बीएसएफ एकमात्र ऐसे सेंट्रल आर्म पुलिस फोर्स होगी, जिसके पास में जल थल और नभ तीनों पर काम करने की जिम्मेदारी भी है, क्षमता भी है और अनुभव भी है। 1971 की लड़ाई में सीमा सुरक्षा बल ने कारगिल की लड़ाई में जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से लोहा लेते हुए अद्भुत पराक्रम का प्रदर्शन किया था। मैं सीमा सुरक्षा बल के सभी जवानों को और महानिदेशक को बधाई देता हूं। हमारा देश विकसित होने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

वहीं, धर्मांतरण के मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जबरन कोई भी धर्मांतरण नहीं होना चाहिए। किसी का भी प्रलोभन के आधार पर और जबरन धर्मांतरण ना हो। राजस्थान सरकार कानून लेकर आ रही है, मैं इसका स्वागत करता हूं। महाराष्ट्र में सीएम के सवाल पर उन्होंने कहा कि थोड़ा इंतजार करें इंतजार का फल मीठा होता है।

वही महाकुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति का संगम कुंभ मेला यूनेस्को की लिस्ट में शामिल है। कुंभ को लेकर यूपी सरकार के साथ मेरी कई बार हमारी बातचीत हुई है। इस तरह की अपेक्षा है कि लगभग 45 करोड़ लोग 45 दिन में आएंगे। तैयारियों के मद्देनजर भारत सरकार उत्तर प्रदेश सरकार के साथ निरंतर संपर्क में है। संस्कृति मंत्रालय अपनी योजना के अनुसार अपने कामों में जुटा हुआ है।

हथियारों के सौदागर, दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर,30 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर शहर की सड़कें ठंडी हवा और सन्नाटे की चादर में लिपटी थीं। लेकिन इस खामोशी के बीच एटीएस यूनिट और सुखेर थाने की पुलिस टीम के लिए यह रात आम नहीं थी। शहर के अंधेरे में कुछ ऐसा छिपा था, जो उनके होश उड़ा सकता था। एक गुप्त सूचना ने पुलिस बल को अलर्ट कर दिया था–मध्यप्रदेश से आए संदिग्ध हथियार तस्कर शहर में घुस चुके थे।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह राणावत ने तुरंत अपनी टीम को कार्रवाई के लिए तैयार किया। यह कोई छोटा मामला नहीं था। तस्करों का यह नेटवर्क सिर्फ इंटरस्टेट नहीं, बल्कि संभवतः अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैला हुआ था। इन तस्करों की चपलता और नेटवर्क की गहराई ने उन्हें पहले भी कानून की पकड़ से बचा लिया था।

सूचना देने वाले एटीएस यूनिट के सिपाही मोहम्मद सलीम ने बताया कि संदिग्धों को स्कूटी पर शहर में घूमते हुए देखा गया है। जैसे ही यह खबर टीम तक पहुंची, सभी सतर्क हो गए। हिमांशु सिंह, थानाधिकारी सुखेर, ने नाकाबंदी की योजना तैयार की और संदिग्धों को दबोचने का प्लान बनाया।सुखेर रोड पर एक संदिग्ध युवक को रोका गया। उसकी स्कूटी पर तलाशी ली गई, तो वहां से 5 पिस्टल, 6 मैगजीन और 8 जिंदा कारतूस बरामद हुए। युवक ने खुद को तोसीफ खान बताया।

कांग्रेस हमेशा झूठे वादों के सहारे सत्ता पाने की कोशिश करती है : नायब सिंह सैनी

कैथल,30 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में आयोजित राज्य स्तरीय महाराजा शूर सैन जयंती समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सैनी समाज के महापुरुषों और योद्धाओं का आभार व्यक्त किया और वहां मौजूद समाज के लोगों का धन्यवाद किया।

समारोह में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा झूठे वादों के सहारे सत्ता पाने की कोशिश करती है और हारने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोष देती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मैंने हरियाणा के युवाओं को रोजगार देने और नियुक्ति पत्र प्रदान करने का वादा किया था। मैंने अपनी शपथ ग्रहण से पहले हरियाणा के युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने हरियाणा के सभी नागरिकों–युवाओं, माताओं, बहनों और बुजुर्गों को नमन करते हुए कहा, आप सभी ने मुझे हरियाणा का सेवक बनाकर सेवा का यह अवसर दिया है। मैं इसके लिए आप सभी का आभारी हूं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर का गीता महोत्सव का दौरा

कुरुक्षेत्र,30 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि 2016 से कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, और इस वर्ष भी गीता महोत्सव की सभी व्यवस्थाओं को ठीक से सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की। खट्टर ने अधिकारियों से गीता महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा की और सुनिश्चित किया कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्रबंध चाक–चौबंद हों।

जब केंद्रीय मंत्री से कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष के चुनाव के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह सवाल

कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए, न कि उनसे।केंद्रीय मंत्री ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदान है और ऊर्जा की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। उनके अनुसार, यह सुनिश्चित करने के लिए कि 2047 तक देश में ऊर्जा की कोई कमी न हो, उन्होंने सभी राज्यों के साथ बैठकों का आयोजन किया है और ऊर्जा आपूर्ति के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।मनोहर लाल खट्टर ने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें 48 कोस निगरानी समिति के अध्यक्ष मदन मोहन छाबड़ा, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सचिव उपेंद्र सिंघल, और अन्य बोर्ड सदस्य उपस्थित थे। इस बैठक में तीर्थों के विकास और गीता महोत्सव के आयोजन पर चर्चा की गई।केंद्रीय मंत्री का स्वागत कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कार्यालय में किया गया और बैठक में उनके साथ एडीसी सोनू भट्ट, सीईओ पंकज सेतिया, चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

सफेद हाथी बनकर रह गए है हरियाणा में नशा मुक्ति केंद्र: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,30 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के 22 में से 16 जिले नशे की चपेट में है, सरकारी रिकॉर्ड में कहने को 120 नशा मुक्ति केंद्र है पर सब के सब सफेद हाथी बनकर रह गए है ऐसा लग रहा है सरकार की ओर से नशा मुक्ति अभियान केवल कागजों में ही चल रहा है। नशा मुक्ति केंद्रों में न तो डॉक्टर है न अन्य स्टाफ है, न ही उनका बजट जारी किया जा रहा है इतना ही नहीं अधिक केंद्र किराये के भवन में चल रहे है। ऐसे हालात में प्रदेश कैसे नशा मुक्त हो पाएगा जबकि नशा युवाओं को लील रहा है, घर के घर बरबाद हो रहे हैं।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि इस समय नशा प्रदेश के लिए नासूर बना हुआ है। पुलिस के स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है, पुलिस को इसके साथ साथ नशा तस्करों पर शिकंजा कसना चाहिए क्योंकि नशा तस्कर समाज का ही नहीं देश का दुश्मन होता है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार और पुलिस विभाग नशा मुक्ति के लिए पूरी तरह से कमर कस ले और ईमानदारी से काम करें तो नशा तस्कर प्रदेश से ही पलायन कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र के नशा मुक्ति केंद्र के लिए 2016 से बजट ही जारी नहीं किया गया, 11 कर्मचारी बेरोजगार हो गए और केंद्र 2020 से बंद पड़ा है। नशे से सबसे ज्यादा प्रभावित सिरसा जिला में नशा पर काबू पाने में सरकार पूरी तरह से विफल रही है, युवा नशे के चलते मौत के आगोश में समा रहे है। सरकार और पुलिस को सख्त रवैया अपनाना होगा, वहीं पर राजनीतिक दल एक दूसरे पर नशा बिकवाने का आरोप लगाते आए है।

उन्होंने कहा है कि रेवडी नशा मुक्ति केंद्र का भवन तक नहीं है, उसका काफी समय से बजट तक जारी नहीं किया जा रहा है और स्टाफ के खाली पद तक नहीं भरे गए है, जींद के नशा मुक्ति केंद्र को 2020 से बजट ही नहीं मिला, करनाल के नशा मुक्ति केंद्र में मनोचिकित्सक तक नहीं हैं, पानीपत के नशा मुक्ति केंद्र के लिए बजट तक जारी नहीं किया गया और न ही वहां पर स्टाफ है, कैथल में नशा मुक्ति केंद्र आज भी किराये के भवन में चल रहा है, टोहाना के नशा मुक्ति केंद्र में स्टाफ तक नहीं है और न ही बजट मिल रहा है, सोनीपत और भिवानी के नशा मुक्ति केंद्र भी बदहाल स्थिति में है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.